RNI-MPHIN/2005/14721
Po.-Malwa Division/244/2017-2019
Despatch Date - 02 September 2018

अंक – 3 (मासिक) वर्ष – 14 सितम्बर 2018 मूल्य 20/–

अपनों के लिए-अपनी पत्रिका

श्री माहेश्वरी टाईम्स

पर्यावरण के प्रहरी

प्रकृति करे यहीं पुकार एक पौधा हर घर द्वार

अन्तर्राष्ट्रीय माहेश्वरी राजस्थानी कन्वेंशन
सांता क्लारा मैरियट (अमेरिका) में सम्पन्न

20-22 अक्टूबर, इन्दौर में होगा
अ.भा. माहेश्वरी विवाह परिचय सम्मेलन

माहेश्वरी समाज में सर्वाधिक पढ़ी जाने वाली
अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की मासिक पत्रिका

श्री माहेश्वरी टाईम्स

का आगामी आकर्षण होगा

समाज के वरिष्ठजनों को समर्पित

वरिष्ठजन विशेषांक

जिसमें समाहित होगी समाज के ऐसे वरिष्ठजनों की जानकारी
जो उम्र के उत्तरार्द्ध में भी दे रहे हैं
देश व समाज को अपना विशिष्ट योगदान

यदि आपकी जानकारी में भी हो कोई ऐसे वरिष्ठजन तो
विस्तृत जानकारी अवश्य प्रेषित करें।
उनका व्यक्तित्व बनेगा समाज के लिये प्रेरणा।

90, विद्या नगर, साँवेर रोड, उज्जैन (म.प्र.) - 456010
दूरभाष - 0734-2526561, 2526761, मोबाइल - 094250-91161

E-mail : smt4news@gmail.com

अपनों के लिए अपनी पत्रिका

श्री माहेश्वरी टाईम्स

RNI-MPHIN/2005/14721

अंक-3 ▸ सितम्बर 2018 ▸ वर्ष-14

प्रेरणास्रोत
स्व. श्री बंशीलाल बाहेती
स्व. श्री मदनलाल पलौड़

प्रबंध सम्पादक एवं निदेशक
श्रीमती सरिता बाहेती

सम्पादक
पुष्कर बाहेती

संरक्षक
पद्मश्री बंशीलाल राठी (चैन्नई)
श्री नेमीचन्द तोषनीवाल (कोलकाता)
श्री जोधराज लड्ढा (कोलकाता)
श्री बनवारीलाल जाजू (इन्दौर)

अतिथि सम्पादक
डॉ. सूर्यप्रकाश मालानी, अमरावती

परामर्शदाता
दिनेश माहेश्वरी (भूतड़ा) मुम्बई/इन्दौर
घनश्याम करनानी (कोलकाता)

कला निदेशक
अक्षय आमेरिया

विधि सलाहकार
राजेन्द्र ईनाणी, एडव्होकेट (बागली)

सम्पादकीय सलाहकार
गोविन्द मालू (इन्दौर)
बाबूलाल जाजू (भीलवाड़ा)
बंशीलाल भूतड़ा 'किरण' (इन्दौर)

कार्यालय-
९०, विद्या नगर (टेड़ी खजूर दरगाह के पीछे),
साँवेर रोड, उज्जैन-456010 (म.प्र.)
Phone : 0734-2526561, 2526761
Mobile : 094250-91161
e-mail : smt4news@gmail.com
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती सरिता बाहेती द्वारा ऋषि ऑफसेट, श्री माहेश्वरी भवन, गोलामण्डी, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

- श्री माहेश्वरी टाईम्स में प्रकाशित सभी लेखों के विचारों पर सम्पादक/प्रकाशक की सहमति हो, यह आवश्यक नहीं है।
- सभी प्रसंगों का न्यायक्षेत्र उज्जैन (म.प्र.) होगा।

Sri Maheshwari Times
- PNB A/c. No. : 0459002100043471
  IFSC- PUNB0045900
- ICICI A/c. No. : 030005001198
  IFSC- ICIC0000300

Tariff of Membership
Rs. 800/- for Three years
Rs. 3100/- for Life Time (12 Years)

"धरती माँ की यही पुकार
पेड़ लगाकर करो श्रृंगार"

निवेदक - श्री माहेश्वरी टाईम्स परिवार

विचार क्रान्ति

क्यों चिल्लाते हैं हम?

बुद्ध अपने शिष्यों के साथ बैठे थे। अचानक उन्होंने सभी शिष्यों से एक सवाल पूछा- 'बताओ जब दो लोग एक दूसरे पर गुस्सा करते हैं, तो जोर-जोर से चिल्लाते क्यों हैं?

शिष्यों ने कुछ देर सोचा और एक ने उत्तर दिया, 'हम अपनी शांति खो चुके होते हैं, इसलिए चिल्लाने लगते हैं।'

बुद्ध ने मुस्कुराते हुए कहा, 'दोनों लोग एक दूसरे के काफी करीब होते हैं, तो फिर धीरे-धीरे भी तो बात कर सकते हैं। आखिर वह चिल्लाते क्यों हैं?

कुछ और शिष्यों ने भी जवाब दिया, लेकिन बुद्ध संतुष्ट नहीं हुए और उन्होंने खुद उत्तर देना शुरू किया।

वह बोले, 'जब दो लोग एक दूसरे से नाराज होते हैं तो उनके दिलों में दूरियां बहुत बढ़ जाती हैं। जब दूरियां बढ़ जाएं तो आवाज को पहुंचाने के लिए उसका तेज होना जरूरी है। दूरियां जितनी ज्यादा होंगी उतनी तेज चिल्लाना पड़ेगा। दिलों की ये दूरियां ही दो गुस्साए लोगों को चिल्लाने पर मजबूर कर देती हैं।'

वह आगे बोले, 'जब दो लोगों में प्रेम होता है तो वह एक दूसरे से बड़े आराम से और धीरे-धीरे बात करते हैं। प्रेम दिलों को करीब लाता है और करीब तक आवाज पहुंचाने के लिए चिल्लाने की जरूरत नहीं। जब दो लोगों में प्रेम और भी प्रगाढ़ हो जाता है तो वह फुसफुसा कर भी एक दूसरे तक अपनी बात पहुंचा लेते हैं।

'इसके बाद प्रेम की एक अवस्था यह भी आती है कि फुसफुसाने की जरूरत भी नहीं पड़ती। एक दूसरे की आंख में देख कर ही समझ आ जाता है कि क्या कहा जा रहा है।'

सीख - *'अब जब भी कभी बहस करें तो दिलों की दूरियों को न बढ़ने दें। शांत चित्त और धीमी आवाज में ही बात करें।'*

सम्पादकीय

हरि-हर . . .

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने घर के आंगन में एक पौधा नीम का लगाते हैं और उसके साथ अपना फोटो खींचवाकर महेश राठी को भेजते हैं। घटना सामान्य नहीं है। अपने आप में यह घटना पर्यावरण की चिंता को दर्शाती है। आखिर देश का शीर्ष नेतृत्व भी इसे इतनी गंभीरता से ले रहा है। यह घटना आमजन में अवश्य ही अच्छा संदेश लेकर जाएगी। याद रखें अग्रणीजनों का ही सभी अनुसरण करते हैं। यह दुर्भाग्य है कि देशभर में वर्षाकाल आते ही प्रकृति प्रेमियों की बाढ़ सी आ जाती है। हर कोई पर्यावरणविद् बन जाता है। स्कूल, कॉलेजों, समाजों व संगठनों में पौधारोपण की होड़ लग जाती है। सरकारी विभाग हरियाली के नाम पर करोड़ों रुपए खर्च कर डालते हैं। यह सब बस एक माहौल रहने तक दिखाई देता है। इसके बाद कोई पलटकर भी नहीं देखता उनका लगाया पौधा जीवित भी है या नहीं? करोड़ों रुपए और मानव श्रम खर्च करने के बावजूद हर साल प्रक्रिया दोहराई जाती है, एक फैशन की तरह। पर्यावरण संरक्षण की यह सालाना चिंता इसकी महत्ता और जरूरत को मजाक बनाने के लिए काफी है। सच तो यह है कि पर्यावरण और हरियाली की सुरक्षा मदर्स डे, फादर्स डे, वेलेंटाइन डे की तरह केवल दिखावे भर से नहीं होना है। इसके लिए मन में पर्यावरण के लिए मातृत्व, पितृत्व और प्रेम का भाव बेहद जरूरी है। वह भी इस हद तक कि इस मामले में कोई समझौता नहीं हो।

इस अंक में हमने ऐसी ही पर्यावरण के प्रति अपना सर्वस्व अर्पित करने का भाव रखने वाली समाज की विभूतियों को सामने लाने का प्रयास किया है, जिन्होंने इस काम को मौसमी त्योहार की तरह नहीं, जीवनचर्या के रूप में अपनाया। यानी पौधारोपण, उनकी सुरक्षा और अन्य लोगों को इसके लिए प्रेरित करना, उनके जीवन का हिस्सा बन गया है। हिंदू संस्कृति हमेशा से पर्यावरण संरक्षण की दिशा में विश्व की मार्गदर्शक रही है। आस्था के रूप में हमें बचपन से हरि और हर की सेवा पूजा सिखाई जाती है। 'हरि' यानी विष्णु जिन्हें सृष्टि का पालनहार यानी संरक्षक माना जाता है और 'हर' यानी शिव जिनकी पूजा हमें प्रकृति के करीब ले जाती है। वे जल और फूल पत्तों से ही प्रसन्न हो जाते हैं। यानी हमने यदि पानी और हरियाली का संरक्षण कर लिया तो संहार के देवता शिव प्रसन्न रहेंगे। यही प्रकृति और पर्यावरण की संस्कृति है। यदि इस भारतीय अवधारणा को धर्म से अलग कर देखें तो शायद हर धर्म और संप्रदाय को इस संस्कृति का लोहा मानना होगा। यदि हम इस संस्कृति के ध्वजवाहक हैं, तो हमें फिर महेश राठी की तरह नीम महोत्सव जैसे समर्पित अभियान का झंडा उठाना होगा और इस ताकत व समर्पण के साथ कि देश के प्रधानमंत्री भी इसका हिस्सा बनकर अपने आप को गौरवान्वित महसूस करें। समाज में राठी जैसे और भी समर्पित पर्यावरण संरक्षक है, जिनमें बाबूलाल जाजू, नवल डागा, राजेंद्र करवा, श्याम माहेश्वरी के बारे में आप इस अंक में पढ़ेंगे। इस अंक को पर्यावरण को समर्पित करते वक्त मन में यह संकल्प भी है कि श्री माहेश्वरी समाज इसे मन से अपनाए और देश व शिव के सामने एक मिसाल बनकर खड़ा हो जाए।

श्री माहेश्वरी टाईम्स द्वारा भी पर्यावरण के प्रति समर्पित भाव से स्वतंत्रता दिवस के पूर्व दिवस 14 अगस्त को पौधारोपण करने की अपील की गई थी। इसे समस्त पाठकों का अच्छा प्रतिसाद मिला। इसके लिए वे बधाई के पात्र हैं। श्री माहेश्वरी टाईम्स परिवार ने अपने कार्यालय परिसर व संरक्षक पद्मश्री बंशीलाल राठी ने ललावास हनुमान मंदिर परिसर में पौधारोपण कर पर्यावरण का विशिष्ट संदेश दिया। वर्षा ऋतु की इस पावन बेला में आगामी माह में पश्चिमांचल मप्र माहेश्वरी सभा समाज के परिवारों को हराभरा करने के लिए विवाह योग्य युवक-युवती का अभा परिचय सम्मेलन आयोजित करने जा रही है और वह भी न्यूनतम पंजीयन शुल्क में। आयोजक इस प्रयास के लिए भी बधाई के पात्र हैं। यह अंक पर्यावरण के अन्य रोचक व ज्ञानवर्द्धक आलेखों, सभी स्थायी स्तंभ और अन्य पठनीय सामग्री के साथ आपको समर्पित है। इस बारे में आप अपनी प्रतिक्रिया से हमें अवश्य अवगत कराएं। आगामी अंक समाज के वरिष्ठजनों को समर्पित होगा। यदि आपकी जानकारी में भी ऐसे कोई वरिष्ठ हों, जो उम्र की परवाह किए बिना समाज व राष्ट्र को अपना विशिष्ट योगदान दे रहे हैं, तो संपर्क नंबर सहित जानकारी अवश्य दें। जय महेश!

- पुष्कर बाहेती

अतिथि सम्पादकीय

अमरावती निवासी डॉ. सूर्यप्रकाश मालानी की पहचान प्रख्यात कृषि वैज्ञानिक के रूप में है। डॉ. मालानी ने एम.एससी (अॅग्री) की डिग्री गोल्ड मेडल के साथ तथा पीएच.डी. (एग्री-हॉर्टिकल्चर) की डिग्री उदयपुर कृषि विश्वविद्यालय (राजस्थान) से प्राप्त की। उदयपुर विश्वविद्यालय में वरिष्ठ वैज्ञानिक के पद पर कार्य करने के पश्चात् मुंबई स्थित भारत सरकार की संस्था एग्रीकल्चर फायनेन्स कॉर्पोरेशन में एक्जीक्युटीव के पद पर कार्य करते हुए विभिन्न देशों व भारत के कई राज्यों के लिये जागतिक बैंक (वर्ल्ड बैंक) से पुरस्कृत प्रकल्प बनाये। वर्ष 2010 में वित्त मंत्रालय भारत सरकार अंतर्गत नाबार्ड बैंक से जनरल मैनेजर व हेड के पद से सेवा निवृत्त हुए। सेवानिवृत्ति के पश्चात सन् 2011 में कृषि मंत्रालय भारत सरकार द्वारा टेक्नॉलॉजी मिशन ऑन सिट्रम, जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्याल, जबलपुर में एडव्हॉइज के पद पर नियुक्त किया। वर्तमान में अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा अंतर्गत कृषि एवं ग्रामीण विकास समिति में वे राष्ट्रीय संयोजक के नाते भी कार्य कर रहे हैं। अमरावती शहर माहेश्वरी संगठन के अध्यक्ष व माहेश्वरी वरिष्ठ नागरिक सभा के अध्यक्ष के रूप में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। डॉ. मालानी को तमिलनाडू के पूर्व राज्यपाल श्री भीष्मनारायण सिंह के हाथों नई दिल्ली में भारत ज्योति अवार्ड, अ.भा. माहेश्वरी महासभा के पूर्व सभापति बंसीलाल राठी व संत किशोर जी व्यास के हाथों प्रतिभा गौरव पुरस्कार माहेश्वरी पंचायत अमरावती द्वारा समाज गौरव पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है। इंडिया इंटरनेशनल फ्रेण्डशिप सोसायटी नई दिल्ली द्वारा पुरस्कृत भारतरत्न डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम एक्सलन्स अवार्ड के लिये भी डॉ. मालानी का चयन किया गया और 24 सितम्बर 2018 को नई दिल्ली में उन्हें सम्मानित किया जायेगा।

पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझें

आज पूरा विश्व पर्यावरण के बिगडते संतुलन व दुष्परिणाम से होने वाले भयंकर त्रासदी से गुजर रहा है। पिछले 25-30 वर्षों से पर्यावरण के बिगड़ते संतुलन से ग्लोबल वॉर्मिंग व तापमान के बदलाव में लगातार बढ़ोत्तरी हो रही है। इससे होने वाले दुष्प्रभाव जैसे धरती के तापमान का लगातार बढ़ना, गरमी के मौसम में बढ़ोत्तरी, ठंडी के मौसम में कमी, कहीं बहुत अधिक वर्षा, कही भयंकर सूखे की स्थिति, बर्फ की चोटी का पिघलना, भयंकर तूफान, वायु-चक्रण में बदलाव, भयंकर बाढ, समुद्र के पानी की सतह में लगातार बढोतरी, बिन मौसम बरसात, जेट-स्ट्रिम, ओझोन परत में क्षरण, भयंकर तुफान, चक्रवात, भूकंप आदि से पूरे विश्व में भयंकर नुकसान हुआ है। इस वर्ष भारत देश के विभिन्न राज्यों में पर्यावरण के बदलाव से भयंकर नुकसान हुआ है और केरल राज्य में सदी की भयंकर बारिश से जान-माल का बहुत नुकसान हुआ है। ये सारी समस्याएं ज्यादातर मानव निर्मित है।

पूरे विश्व में निहित स्वार्थ के लिये जंगलों की कटाई हो रही है, जिससे पर्यावरण में बदलाव आ रहा है। कई शहरों में पर्यावरण का ध्यान न रखते हुये बेहिसाब बिल्डिंग कन्स्ट्रक्शन के कारण कॉंक्रीट जंगल की स्थिति पैदा हो गयी है। जनसंख्या विस्फोट, अर्थव्यवस्था, बढ़ते औद्योगीकरण, थर्मल ऊर्जा के अतिउपयोग के वजह से भी पर्यावरण में बदलाव आ रहा है। पिछले कुछ वर्षों में कार्बनडाई ऑक्साईड और सल्फरडाई ऑक्साईड दस गुना से ज्यादा बढ़ा है। इसके अलावा जो ग्रीन हाऊस गैसेस, नायट्रोजन डाईऑक्साईड, हैलो कार्बन्स, क्लोरीन, ब्रोमाईड कंपाऊड, मिथेन, ओझोन, जल वाष्प आदि का संतुलन बिगड़ा है। ग्लोबल वॉर्मिग और जल वायु प्रदूषण पूरे विश्व में एक मुख्य वायु मंडलीय मुद्दा है। सूरज की रोशनी को लगातार ग्रहण करते हुये हमारी पृथ्वी दिनों-दिन गर्म होती जा रही है। पर्यावरण सुरक्षा एजन्सी के अनुसार पिछले शताब्दी में 1.8 डिग्री फोरेनहाईट के लगभग धरती के औसत तापमान में वृद्धि हुई है।

वातावरण में कई सारे ग्रीन हाऊस गैसों के मिलने का प्रमुख कारण औद्योगिक क्रियाये हैं। आज तक पर्यावरण बदलाव के कारण हुए त्रासदी व नुकसान के लिये ज्यादातर विकसित देश जवाबदार हैं। पर्यावरण के बदलाव की वजह से कृषि उत्पादकता में 10-15 प्रतिशत की कमी आई है। पर्यावरण के बिगडते संतुलन और होने वाले नुकसान को कम करने के लिये देश की हर व्यक्ति की तरह माहेश्वरी समाज बंधुओं ने भी अपना योगदान देना चाहिये। माहेश्वरी युवक सामाजिक जागृकता कर इस समस्या को निपटने के लिये कार्य कर सकते है। हमें वातावरण में ग्रीन हाऊस गैसों का कम से कम उत्सर्जन करना चाहिये और उन जलवायु परिवर्तन को अपनाना चाहिये जो वर्षों से होते आ रहे हैं। माहेश्वरी समाज अखिल भारतीय स्तर पर जन जागरण करके अगर पौधारोपण का कार्य हाथ में लेते हैं, तो काफी हद तक पर्यावरण की समस्या से निपटा जा सकता है। याद रखें हम सभी ने मिलकर संयुक्त रूप से कार्य नहीं किया, तो आने वाली कई पीढ़ियाँ हमें माफ नहीं करेंगी। कृपया सभी समाज बंधु इस देश हित के गंभीर विषय पर चिंतन अवश्य करें।

- डॉ. सूर्यप्रकाश मालानी
अतिथि सम्पादक
मो. 8178630643

CBSE AFFILIATION NO. 1130676
VIDYANCHAL
The School
AKOT, MAHARASHTRA
Why we are special
Well qualified and skilled teachers
Well equipped Labs- Science, Computer, Maths, Language, Composite
Well stocked Library
Ideal Location with state of the art infrastructure - digitally equipped classrooms
Sport Facility - Football, Basketball, Skating, Badminton, Toddler Pool + + +
Karate and Yoga Classes
Robotics & School Cinema
brainfeed
school excellence awards 2017-18
TOP 500
SCHOOLS OF INDIA
2017
KASTURI
• Address •
Datt Mandir, Akola Road, Akot, Dist.- Akola, Maharashtra- 444101
Ph: 7719011222/ 7719012222/ 7719016222 Email: vtsakot@gmail.com

श्री मात्री माताजी

श्री मात्री माताजी माहेश्वरी समाज की परवाल खांप की माताजी हैं। ग्रामीण इन्हें शीतला माताजी के रूप में भी पूजते हैं।

श्री मात्री माताजी का मंदिर राजस्थान के खींवसर जिला नागौर में बस स्टेण्ड के समीप खींवसर फोर्ट के पास स्थित है। यहां कोई स्थाई पुजारी नहीं है। अपनी मान-मिन्नत पूर्ण होने पर लोग साड़ी, मिठाई व मखाना चढ़ाकर माताजी पूजते हैं।

कहाँ ठहरें -

यहाँ ठहरने के लिये माहेश्वरी समाज का सुविधायुक्त भवन है। यहाँ उच्च स्तरीय ठहरने की व्यवस्था के लिये फाईव स्टार होटल भी है।

कैसे पहुंचें -

खींवसर नागौर तथा जोधपुर से सड़क मार्ग से जुड़ा हुआ है। यह नागौर से 43 कि.मी. व जोधपुर से 94 कि.मी. दूर है।

विशेष आयोजन -विगत दिनों खट्टाली जिला झाबुआ (म.प्र.) के श्री धनराज परवाल की धर्मपत्नी कौशल्याबाई के स्वप्न में कुलदेवी श्री मात्री माताजी आईं और उन्होंने अपने मूल स्थान खींवसर के बारे में जानकारी दी। इसके बाद विशेष धार्मिक आयोजन किये गये थे। अब भी यहाँ रतिजगा आदि का आयोजन होता है। सम्पर्क - श्री धनराज परवाल खट्टाली

फोन - 07393-286633-34, 099811-09800

श्री महेश परवाल

फोन - 07292-235617 मो. 094250-45617

नार्थ अमेरिका महासभा ने किया आईएमआरसी 2018 का आयोजन

विदेश धरती पर दिखाई राजस्थानी संस्कृति की छटा, प्रधानमंत्री मोदी ने भी पत्र से की सराहना

सांता क्लारा (कैलिफोर्निया). उत्तर अमेरिका माहेश्वरी महासभा (एमएमएनए) द्वारा 30 जून से 3 जुलाई 2018 तक सांता क्लारा मैरियट में अंतरराष्ट्रीय माहेश्वरी राजस्थानी कन्वेंशन (आईएमआरसी) का नौवां द्विवार्षिक सम्मेलन आयोजित किया गया। इस आयोजन ने माहेश्वरी राजस्थानी संस्कृति के रंग विदेश धरती पर बिखेरे। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इस आयोजन की पत्र प्रेषित कर सराहना की। आईएमआरसी 2018 को रंगीलों राजस्थान, सुनेहरो सेन फ्रांसिस्को और अनोखे आईएमआरसी के विषय के साथ एमएमएनए वेस्ट कोस्ट (उत्तर) अध्याय द्वारा आयोजित किया गया था। यह सम्मेलन राजस्थानी संस्कृति का जश्न मनाने और संरक्षित करने के साथ-साथ अमेरिका में रहने वाले संख्या में अपेक्षाकृत छोटे माहेश्वरी समुदाय के संबंधों को बढ़ावा देने के लिए एक मंच है। उल्लेखनीय है कि एमएमएनए 34 वर्षीय गैर लाभकारी संगठन है जिसमें संयुक्त राज्य अमेरिका और कनाडा में 10 अध्यायों में 4 हजार माहेश्वरी राजस्थानी सदस्य हैं। एमएमएनए का लक्ष्य समाज के बंधन को साझा करने के बीच एकता और सहकर्मी की भावना पैदा करना है। एमएमएनए पूरे अमेरिका में अपने दस अध्यायों के माध्यम से एकता और सामाजिक कल्याण को बढ़ावा देता है।

ऐसे हुई भव्य आयोजन की तैयारी

उत्तरी अमेरिका और विश्व भर से अभूतपूर्व 750 प्रतिभागी सिलिकॉन वैली के दिल में एकत्र हुए। इस भव्य आयोजन को 100 से अधिक स्वयंसेवकों की समिति ने संयोजित किया। सभी कार्यक्रमों की योजना बनाने के लिये इन्होंने 15 महीने काम किया था। मेजबान समिति में विजयश्री चौधरी संयोजक, आनंद डागा और वृशाली तापड़िया सहसंयोजक, देवू हेड़ा अध्याय अध्यक्ष, स्वप्निल लड्डा अध्याय उपाध्यक्ष, वंदना डागा सखी अध्यक्ष, सुरेश देवपुरा अध्याय सलाहकार और एमएमएनए ट्रस्टी बोर्ड और राष्ट्रीय निर्देशक टीम के सदस्यों ने यथोचित सहयोग दिया। सम्मेलन ने नए शुभंकर, श्री बावलो और सुश्री बावली की शुरुआत की जो कि तकनीकी समझदार हैं और जिनमें राजस्थानी जड़ें हैं। उन्होंने पूरे आयोजन में अपने दर्शकों को उत्साहित किया। इसके अतिरिक्त एक फोन एप था जिसने उपस्थित लोगों को संगठित और सूचित किया।

शुरुआत भी हुई अत्यंत भव्य

भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने व्यक्तिगत पत्र के साथ एमएमएनए के प्रयासों की सराहना की। राजदूत वेंकटेशन अशोक (भारत के महावाणिज्य दूत-सैन फ्रांसिस्को) और महापौर लीसा गिलमर (सांता क्लारा) ने ज्योति पुंज से उद्घाटन समारोह का शुभारंभ किया। प्रतिष्ठित अतिथि वक्ता पद्मभूषण वेद नंदा, अभा माहेश्वरी महासभा के रमेश परतानी, एमएमएनए समुदाय के प्रतिष्ठित व्यावसायिक प्रमुख सुरेश देवपुरा, प्रतीक गट्टानी और बसंत राठी के साथ-साथ भारत से स्नेहल मंत्री उपस्थित थीं। एमएमएनए में अमूल्य योगदान के लिए विमल सोधानी को लाइफ टाइम अचीवमेंट पुरस्कार के साथ सम्मानित किया गया। आईएमआरसी 2018 की सांस्कृतिक टीम के दृष्टिकोण ने राजस्थान और भारत के साथ गर्व की एक विशेष भावना पैदा की। अगले दिन सांस्कृतिक हाइलाइट में राजस्थानी लोक नृत्य, कालबेलिया नृत्य का अक्षांश माहेश्वरी के समूह द्वारा प्रदर्शन किया गया था।

कैसा रहा आयोजन

तीन दिनी आयोजन के दौरान उपस्थिति प्रतिभागी विभिन्न सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों में संलग्न होने, स्वादिष्ट राजस्थानी व्यंजन का आनंद लेने और बौद्धिक रूप से ज्वलंत कार्यशालाओं और नेटवर्किंग कार्यक्रमों में भाग लेने में संलग्न थे। प्रतिभागियों को स्वास्थ्य, कल्याण, प्रोद्यौगिकी, निवेश, जीवन यापन और विभिन्न कारणों और हितों को पूरा करने में सामाजिक कारणों पर केंद्रित ब्रेकआउट सत्रों में भाग लेने का लाभ मिला। युवा समूह (आरएवायएस) ने सांस्कृतिक चर्चाओं के साथ व्यक्तिगत और पेशेवर नेटवर्किंग सत्रों का आनंद भी लिया। सखी, बिजनेस एंड एंटरप्रेनरशिप ट्रैक (बीईटी), दर्शनिक, वैवाहिक, शिक्षा और राजस्थानी वरिष्ठ समाज जैसे अन्य एमएमएनए की प्रमुख पहल ने शैक्षिक कार्यशालाओं को तैयार करने में भी भूमिका निभाई। एमएमएनए सदस्यों ने एक संक्षिप्त निधिधिकारी के दौरान शैक्षिक सहायता और युवा विकास कार्यक्रमों के लिए 65 हजार डॉलर दान करके अपनी उदारता दिखायी।

क्या कर रहा है आरएवायएस

प्रिंस भोजवानी आरएवायएस के सह अध्यक्ष ने बताया कि आरएवायएस का मिशन साझा संस्कृति और विरासत के माध्यम से उत्तरी अमेरिका में रहने वाले मारवाड़ी युवाओं के बीच संबंध बनाना है। हम सालाना 400 माहेश्वरी युवाओं को वार्षिक आयोजनों की मेजबानी करके जोड़ते हैं। धन जुटाने में आरएवायएस इस मिशन पर एक विश्व स्तरीय परामर्श कार्यक्रम बनाकर, हमारे सदस्यों से जुड़े समुदायों की सहायता करके और हमारे युवाओं द्वारा शुरू की गई गैर लाभकारी परियोजनाओं की विस्तृत श्रृंखला को प्रायोजित करने में सक्षम हो जाएगा।

अविस्मरणीय बने आयोजन के पल

रमेश परतानी भारत ने कहा कि यह सांता क्लारा में आईएमआरसी में भाग लेने का एक अद्भुत अनुभव था। अमेरिका में माहेश्वरी समुदाय ने खुद को एमएमएनए गतिविधियों के माध्यम से अपनी संस्कृति और परंपराओं से जोड़ रखा है। ऊर्जा बहुत अधिक थी, भागीदारी अद्भुत थी। एक अविस्मरणीय अनुभव। एमएमएनए के अध्यक्ष विकास भूतड़ा का कहना है कि मुझे विश्वास है, मैं यहां लगभग हर किसी के लिए बात कर सकता हूं। मैं कहता हूं कि आईएमआरसी 2018 मेरे जीवनकाल के सबसे यादगार अनुभवों में से एक था। वेस्ट कोस्ट नॉर्थ चैप्टर संयोजक ने स्वयंसेवकों, प्रतिभागियों, अतिथि वक्ताओं का आयोजन की सफलता के लिए उन्होंने आभार माना।

जश्न-ए-जिंदगी का हुआ आयोजन

नागपुर. जिला माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा सभा के साथ मार्गदर्शन, स्पर्धाएं, चर्चा सत्र तथा सत्कार का कार्यक्रम माहेश्वरी पंचायत भवन, सीताबर्डी में रखा। इसमें अभा माहेश्वरी महिला संगठन की पूर्व अध्यक्षा विमला साबू सूरत ने जीवन की रफ्तार में जश्न-ए-जिंदगी विषय पर मार्गदर्शन व चर्चा सत्र रखा।

अभा माहेश्वरी महासभा सभापति श्याम सोनी अतिथि के रूप में मौजूद थे। 'आंखों के नूर, क्यों हो रहे हैं दूर-दूर' इस विषय पर हुई स्पर्धा में मीनू भट्टड़ प्रथम व संगीता मंत्री द्वितीय रहीं। विदर्भ सचिव भारती राठी द्वारा उदाहरण देकर विश्लेषण किया गया। उन्होंने समयानुसार कार्य विभाजन व समय देने का मूल्य समझाया, अन्यथा आपसी जुड़ाव खत्म होकर नूर होंगे दूर-दूर कहा। पर्यावरण पर हुई स्लोगन स्पर्धा में प्रियंका माहेश्वरी प्रथम (विदर्भ में द्वितीय) रही व कृति भट्टड़ द्वितीय रहीं। जिलाध्यक्ष सुषमा बंग ने स्वागत मनोगत दिया तथा विदर्भ अध्यक्षा उषा करवा ने अपने उद्बोधन में नागपुर जिला माहेश्वरी महिला संगठन के कार्यों को सराहा। ललिता मंत्री, रत्ना गांधी, सुनंदा लड्ढा, लता जेठा, अनीता पसारी सहित सभी संगठनों एवं तहसीलों से आई सदस्याओं का अभिनंदन किया गया। जिला सचिव लक्ष्मी राठी, संयोजिका नीता सारडा, श्रीबाला लड्ढा, अमिता गांधी व निशी सांवल ने योगदान दिया। जिला सभा अध्यक्ष शिवरतन गांधी, सचिव दिनेश राठी, महेंद्र चांडक, मीना सांवल, विद्या चांडक, उषा सोनी, सरला बागड़ी, उषा राठी, माया करवा आदि कई सदस्याएं मौजूद थीं।

सुमिता मूंदड़ा को साहित्य रत्न सम्मान

मालेगांव. महेश नवमी पर श्री माहेश्वरी प्रगति मंडल द्वारा कवयित्री-लेखिका सुमिता-राजकुमार मूंधड़ा को 'साहित्य-रत्न सम्मान' से सम्मानित किया गया। यह सम्मान मालेगांव के इतिहास में यह प्रथम बार श्रीमती मूंधड़ा को मिला है। श्रीमती मूंदड़ा ने अपनी कलम द्वारा साहित्य जगत में अपनी विशेष पहचान बनाई है एवं वे सामाजिक कार्यों में सदैव अपना भरपूर योगदान भी देती हैं। उनके प्रथम काव्य-संग्रह 'मेरी कलम से-मेरी कविताएं' का विमोचन भी हुआ है, जो सभी समाज बंधुओं को निःशुल्क वितरित की गई है। फेसबुक सोशल मीडिया पर भी उनका काव्य-संग्रह उपलब्ध है।

रवीन्द्रकुमार राठी बने अध्यक्ष

इंदौर. स्पोर्ट्स क्लब सेंट्रल जिमखाना की नई मैनेजिंग कमेटी के चुनाव गत दिनों हुए। इसमें वर्तमान अध्यक्ष रवींद्रकुमार राठी की फिर जीत हुई। वहीं प्रबंध समिति की कार्यकारिणी के छह पदों के लिए भी दावेदार मैदान में थे। उन्होंने रमेशचन्द्र खण्डेलवाल को 56 वोट से हराया। श्री राठी को 180 व श्री खण्डेलवाल को 124 वोट मिले।

रंगारंग कार्यक्रमों का हुआ आयोजन

संगमनेर. तहसील माहेश्वरी सभा तथा माहेश्वरी पंच ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में महेश नवमी उत्सव के दौरान मिमिक्री शो, रक्तदान शिविर, नृत्य स्पर्धा, हास्य कट्टा, बचपन आदि कार्यक्रम हुए। तहसील संगठन मंत्री अतुल झंवर द्वारा बचपन प्रोग्राम, प्रदीप तापड़े व हरीश कलंत्री द्वारा 'सवाल जवाब' कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। नाटक 'कुंवारे लड़के' विवाह समस्या पर प्रस्तुत किया गया। समापन मालपाणी लॉन्स में हुआ। कार्यक्रम का संचालन प्रकल्प प्रमुख सरला आसावा, संगठन मंत्री अतुल झंवर, नमिता झंवर ने किया। आभार उपाध्यक्ष श्रीकांत (बालू) कासट ने माना।

औद्योगिक शिक्षण केंद्र का शुभारंभ

कोलकाता. माहेश्वरी औद्योगिक शिक्षण केंद्र का साधारण अधिवेशन गत 25 जुलाई को शाम 7 बजे से माहेश्वरी भवन के सभागार में आयोजित हुआ। अधिवेशन में सदस्यों द्वारा चार सदस्य प्रतिनिधियों के चयन के पश्चात संवत् 2075 की कार्यसमिति का गठन किया गया। इसमें सभापति देवकिशन मोहता, उपसभापति सीताराम डागा, मंत्री अरुणकुमार सोनी, उपमंत्री राजीव लाखोटिया, कोष मंत्री आदित्य बिनानी सर्वसम्मति से चुने गए। कार्यसमिति सदस्यों का भी चयन हुआ।

मप्र पश्चिमांचल माहेश्वरी सभा करेगी परिचय सम्मेलन का आयोजन

न्यूनतम सहयोग राशि में अभा स्तर के वृहद आयोजन की तैयारी
आंगतुकों के लिए सुविधाजनक हाईटेक व्यवस्था तैयार

इंदौर. पश्चिमांचल मप्र माहेश्वरी सभा वैवाहिक संबंध तय करने में आ रही परेशानियों को देखते हुए आगामी माह में त्रिदिवसीय विवाह योग्य युवक-युवती परिचय सम्मेलन का आयोजन करने जा रही है। इस का पंजीयन शुल्क भी भोजन आदि व्यवस्था सहित इतना कम रखा गया है कि जिससे हर वर्ग का माहेश्वरी परिवार इसका लाभ ले सके।

संयोजक रविन्द्र राठी, स्वागताध्यक्ष डॉ. वासुदेव काबरा ने बताया वृहद माहेश्वरी अभा विवाह योग्य युवक-युवती परिचय सम्मेलन का आयोजन स्थानीय दस्तुर गार्डन में आगामी 20 से 22 अक्टूबर तक पश्चिमी मप्र प्रादेशिक माहेश्वरी सभा द्वारा किया जाएगा। सम्मेलन में अतिथि के रूप में महासभा के उपसभापति मोहन राठी, दुर्ग व संयुक्त सचिव शरद गट्टानी उपस्थित रहेंगे। इस हेतु गत दिनों गुमास्ता नगर स्थित भवन पर माहेश्वरी समाज के वरिष्ठ बंशीलाल किरण के कर कमलों से कार्यालय का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर प्रदेश सभा विवाह प्रकोष्ठ संयोजक रवींद्र राठी, अजय सोड़ानी, महेश तोतला, पुष्प माहेश्वरी, अनिल मंत्री, एनडी माहेश्वरी, पुरुषोत्तम मानधन्या, नरेंद्र मानधन्या, रूपेश भूतड़ा, मुरली मानधन्या, दिनेश जैथलिया आदि कई गणमान्यजन उपस्थित थे।

न्यूनतम शुल्क में श्रेष्ठ व्यवस्था

इस अभा परिचय सम्मेलन में अधिक से अधिक संख्या में देशभर से युवक-युवती शामिल हो सकें, इसके लिए पंजीयन की अंतिम तिथि आयोजन से 10 दिवस पूर्व 10 अक्टूबर रखी गई है। दो अभिभावक व प्रत्याशी सहित 3 लोगों के चाय, नाश्ता व भोजन की तीन दिनों की व्यवस्था मात्र 1000 रुपए पंजीयन शुल्क में ही रहेगी। यदि आंगतुक आवास व्यवस्था भी चाहते हैं, तो तीन दिन की आवास व्यवस्था भी मात्र 500 रुपए शुल्क में उपलब्ध रहेगी। इस आयोजन में हर वर्ग व हर शिक्षा स्तर के प्रत्याशी शामिल हो सकेंगे। इसमें शामिल प्रत्येक प्रत्याशी को वैवाहिक डायरेक्ट्री निःशुल्क प्रदान की जाएगी।

अधिक से अधिक संबंध तय करना ही लक्ष्य

श्री राठी ने बताया कि इस परिचय सम्मेलन में शामिल अधिक से अधिक प्रत्याशियों के संबंध तय हों, इसके लिए इस आयोजन को सुविधाजनक स्वरूप दिया गया है। इसमें रिश्ते तय करने में सहयोग के लिए 20 पर्यवेक्षक नियुक्त रहेंगे, जो काउंसलर की भूमिका भी निभाएंगे। संबंध तय करने में जन्म पत्रिका मिलान पहली सीढ़ी मानी जा रही है। अतः कम्प्यूटर के साथ विशेषज्ञ ज्योतिषियों की व्यवस्था भी रहेगी। जो तत्काल युवक-युवतियों की जन्म पत्रिका मिलाकर सुझाव दे सकेंगे, जिससे बात आगे चलाई जा सकेगी। जो समाजजन पृथक से वैवाहिक डायरेक्ट्री चाहेंगे, वे 600 रुपए शुल्क में इसे प्राप्त कर सकेंगे।

'रिश्तों की डोर' का हुआ आयोजन

भरूच. माहेश्वरी महिला मंडल ने गत 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस व हरियाली तीजोत्सव 'रिश्तों की डोर' थीम पर होटल ग्रीनरी में मनाया गया। कार्यक्रम में भारत देश पर जनरल नॉलेज की क्विज स्पर्धा और तिरंगा बलून गैम रखा गया। रिश्तों की डोर पर नृत्य/नाटक स्पर्धा व राखी मेकिंग स्पर्धा रखी गई। सास-बहू, ननद-भाभी, देवरानी-जेठानी जोड़ियों को भी पुरस्कृत किया गया। उक्त जानकारी अध्यक्ष मीना साबू व सचिव ज्योति लड्ढा ने दी।

राठी बने लायंस अध्यक्ष

उज्जैन. विगत दिनों समाजसेवी शैलेंद्र राठी लायंस क्लब 'अवंतिका' उज्जैन के अध्यक्ष चुने गए। इसी वर्ष इस क्लब की स्थापना का रजत जयंती वर्ष भी है। श्री राठी ने अपनी टीम के साथ विधिवत शपथ ग्रहण की, साथ ही सेवा कार्यों का शुरुआती क्रम भी शुरू कर दिया। उन्होंने भगवान महाकाल की सवारी में 3 क्विंटल फल वितरण कर पौधारोपण भी किया। कार्यक्रम में उनकी पूरी टीम के साथ उनकी पत्नी लायनेड मनीषा राठी भी मौजूद थीं।

माना कि औरों के मुकाबले,
कुछ ज्यादा पाया नहीं मैंने....
लेकीन..खुश हूं कि....
खुद गिरता संभलता रहा...
किसी को गिराया नही मैंने!

जय महेश

पश्चिमी मध्यप्रदेश प्रादेशिक माहेश्वरी सभा

सम्मेलन कार्यालय :104, गुमाश्ता नगर मेनरोड़, इन्दौर मो. 94250-52183, 8839416369
E-mail : westmpmaheshwarisabha@gmail.com

नोद क्र.

अखिल भारतीय माहेश्वरी विवाह योग्य युवक-युवती एवं विशिष्ट प्रत्याशियों का परिचय सम्मेलन दि. 20, 21, 22 अक्टोबर 2018

सम्मेलन स्थल : दस्तूर गार्डन, फूटी कोठी चौराहा, रिंग रोड़, स्कीम नं. 71, इन्दौर

मुख्य संयोजक
डॉ. रविन्द्र राठी 94250-52183

स्वागत अध्यक्ष
डॉ. वासुदेव काबरा बड़नगर 98275-74737

प्रत्याशी के दो साफ-सुथरे कलर फोटो चाहिए
एक फोटो चिपकायें व दूसरे फोटो को फॉर्म के साथ में पिन से लगायें।

युवक ☐ युवती ☐ विशिष्ट ☐

रसीद क्रमांक .... दिनांक .... नगद रु. .... चैक/ड्राफ्ट क्र. ....

प्रत्याशी का गौत्र ________ प्रत्याशी का नाम ________

पिताजी का नाम ________ मामा का गौत्र ________

जन्म दिनांक ☐☐☐☐☐☐☐☐ आयु ☐☐ ऊँचाई ☐☐ वजन ☐☐ रंग ________

शिक्षा एवं योग्यता ________ रुचि ________

प्रत्याशी का व्यवसाय ________ वार्षिक आय ________

कार्यालय / प्रतिष्ठान का पता ________

पिता का व्यवसाय ________ वार्षिक आय ________

माताजी का नाम ________ व्यवसाय ________ मो. ________

निवास का पता ________

फोन नंबर - एस.टी.डी. कोड ________ निवास ________ मो. अभिभावक/पिता ________

ई-मेल ________ सम्मेलन में आवास चाहिए - ☐ चाहिए ☐ नहीं चाहिए

आपके सम्पर्क सूत्र (इन्दौर में) ________

अन्य सम्पर्क सूत्र ________

पत्रिका मिलाना है ☐ नहीं ☐ पत्रिका मांगलिक है ☐ नहीं ☐

पंजीयन शुल्क रु. भोजन सहित 1000

आवास शुल्क (एच्छिक) रु.500

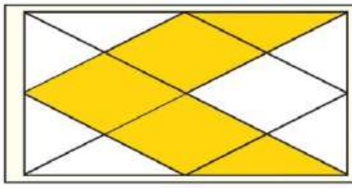

जन्म दिनांक	जन्म समय	भाई - विवाहित ☐ अविवाहित ☐
जन्म स्थान	राशि	बहन - विवाहित ☐ अविवाहित ☐
नक्षत्र	चरण	परिवार - संयुक्त ☐ एकल ☐
नाड़ी	गण	निवास - स्वयं का ☐ किराये का ☐

हस्ताक्षर
पिता / अभिभावक

यदि पेमेन्ट डायरेक्ट बैंक अकाउन्ट में जमा किया है तो उसकी जानकारी नीचे लिखें

नेफ्ट नं.................... दिनांक .... बैंक का नाम ________ स्थान ________

M.P. Pashimanchal Maheshwari Sabha

बैंक ऑफ बड़ौदा, दवा बाजार, इन्दौर **अकाउन्ट नं. 06060100001690**

IFSC Code : BARBO INDORE रुपये जमा .... किये।

डी.डी. एवं चैक भेजने हेतु कार्यालय : 104, गुमाश्ता नगर मेनरोड़, इन्दौर

सावन फन मेले का हुआ शुभारंभ

बीकानेर. सावन मास के पावन पर्व पर जस्सूसर गेट के बाहर स्थित माहेश्वरी सदन में दो दिवसीय 'सावन फन मेला-2018' का आयोजन किया गया। प्रमुख संयोजिका कंचन राठी व विभा बिहाणी के नेतृत्व में मेले का समापन रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ हुआ। संयोजिका कंचन राठी व विभा बिहाणी ने बताया कि उद्घाटन बीकानेर के प्रमुख भागवताचार्य पं. पुरुषोत्तम व्यास व समाजसेविका सरिता चांडक ने किया। इस अवसर पर समाज के कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। मुख्य रूप से बृजमोहन चांडक, रतनलाल बिहाणी, नारायण बिहाणी, पवन राठी, सरला लोहिया, श्रीया राठी, मुन्ना बिहाणी, निशा झंवर, गौरीशंकर राठी, शशि बिहाणी, रेखा लोहिया, पिंटू राठी आदि उपस्थित थे। मेले में राखी, फैंसी ड्रेस, सत्तू सजावट व सावन तीज क्वीन प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया।

माहेश्वरी महिला मंडलों ने रोपे पौधे

उज्जैन. अखिल भारतवर्षीय महिला संगठन और मंडलों की सदस्याओं ने देवास रोड स्थित अभिलाषा कॉलोनी के पास 101 पौधों का रोपण किया। इस अवसर पर गीता तोतला, श्यामसुंदर भूतड़ा, पुष्पा मंत्री, संगीता भूतड़ा, कैलाश डागा, अजय मूंदड़ा, ओ.पी. तोतला, वीरेंद्र लड्ढा, शोभा मूंदड़ा, संतोष सोडानी, रुक्मणि भूतड़ा, सुधा बाहेती, रमा लड्ढा, उषा मूंदड़ा आदि मौजूद थे।

सुश्रिता नारी पर प्रतियोगिता

चैन्नई. तमिलनाडु केरल पांडिचेरी प्रादेशिक महिला संगठन द्वारा सुश्रिता नारी के अंतर्गत 45 वर्ष से अधिक उम्र की महिलाओं के लिए सुश्रिता नारी 'माहेश्वरी दीवा' के नाम पर एक प्रतियोगिता दिनांक गत 29 जुलाई 2018 को रखी गई। इसमें दक्षिणांचल की सुगंधा समिति की संयोजिका नीलम भरत सांडा का सम्मान भी किया गया। प्रदेश संचारिका ने बताया कि इस स्पर्धा को चार वर्गों में बांटा गया था। प्रथम टैलेंट राउंड, दूसरा क्रिएटिव राउंड, तीसरा क्वेश्चन आंसर राउंड एवं चौथा कुकिंग विदाउट फायर। माहेश्वरी दीवा बनी कंचन बिसानी, दूसरा स्थान अंजू बिसानी एवं तीसरा स्थान उमा मूंधड़ा ने प्राप्त किया। प्रदेश अध्यक्ष पुष्पालता झंवर एवं सचिव सुनीता बिसानी की देखरेख में यह कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम संयोजिका वर्षा मूंधड़ा, नीतू बिसानी एवं शिवानी मूंधड़ा थीं।

डॉ. माहेश्वरी जाएंगे दक्षिण अफ्रीका

गांधीधाम (कच्छ). गत 22 वर्षों से सेवा दे रहे ख्यात शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. राजेश माहेश्वरी 3 से 13 सितंबर तक दक्षिण अफ्रीका में आयोजित अफ्रो-एडवेक वैक्सिनेशन कोर्स के लिए चयनित हुए हैं। टीकारण व शोध के क्षेत्र यह अत्यंत प्रतिष्ठित कोर्स है। डॉ. माहेश्वरी वर्ष 2015 में गुजरात की अकादमी ऑफ पेडियाट्रिक्स के निर्वाचित अध्यक्ष सहित कई संस्थाओं के प्रमुख पदों पर रहे हैं। अभी तक वे गुजरात व भारत शासन तथा डब्ल्यूएचओ, यूनिसेफ आदि के कई प्रोजेक्ट को सफलतापूर्वक पूर्ण भी कर चुके हैं।

11 हजार पार्थिक शिवलिंग का किया निर्माण

ग्वालियर. माहेश्वरी महिला मंडल, बिरला नगर की ओर से सावन मास के पावन पर्व पर गत 6 अगस्त को स्थानीय श्याम मंदिर में पार्थिव शिवलिंग निर्माण उत्सव मनाया गया। इस अवसर पर समाज की 100 से अधिक महिलाओं ने लगभग 11 हजार मिट्टी के शिवलिंगों का निर्माण किया एवं उसके पश्चात पूर्ण विधि-विधान से समस्त शिवलिंगों का अभिषेक किया गया। महिला मंडल अध्यक्ष सविता पेड़ीवाल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रीति होलानी एवं सचिव रश्मि माहेश्वरी ने इस आयोजन के लिए महिला मंडल कार्यकारिणी के समस्त पदाधिकारियों, सदस्याओं का आभार माना। इस कार्यक्रम में पुष्पा लोईवाल, राजकुमारी लड्ढा, आरती डागा, अनीता माहेश्वरी, नीता माहेश्वरी, मंजू माहेश्वरी, विमलेश भुराड़िया एवं चंदा लखोटिया ने विशेष सहयोग किया।

जन्मदिवस पर गाड़ दें, पौध धरा पर आप। पौध लगाएँ अन्यथा, होगा पश्चाताप॥

परमानन्द की प्राप्ति हेतु जन्म के कारक माता-पिता के समान वृक्ष देवता की पूजा करनी चाहिए।

– विद्येश्वर संहिता,
अध्याय 16 वाँ, 92 वाँ श्लोक

जन्मदिवस पर रोपिए, पौधे नव हर बार। पेड़ हमारे प्राण हैं, करिये सार-सँभार॥

मारवाड़ी महासभा ने किया नीम महोत्सव का शुभारंभ

ढाई करोड़ नीम के पौधों का रोपण, बेटियों को देंगे 1 लाख रुपए की सम्मान निधि

बूंदी. आयुर्वेद व चिकित्सा जगत में नीम को अति गुणकारी औषधी माना गया है। इसलिए शास्त्रों में भी इसकी विशेष मान्यता है। नीम की पत्तियों से लेकर टहनियों तक में औषधीय गुण विद्यमान हैं।

उक्त विचार सांसद सुभाष बहेड़िया ने जैत सागर रोड स्थित माहेश्वरी भवन में मारवाड़ी महासभा के सान्निध्य व माहेश्वरी पंचायत संस्थान के तत्वावधान में आयोजित अष्टम नीम महोत्सव यात्रा 2018 व माहेश्वरी कन्या निधि मुहिम के शुभारंभ अवसर पर व्यक्त किए। उन्होंने महासभा द्वारा माहेश्वरी कन्या निधि के तहत बेटी बचाओ-बेटी बढ़ाओ अभियान की प्रशंसा करते हुए इसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सपना बताया। श्री बहेड़िया ने कहा कि बेटियां समाज के लिए आशीर्वाद रही हैं व संसार में जीवन की निरंतरता का कारण हैं। वास्तव में बेटियां समाज का आधार स्तंभ होती हैं।

बेटियों को भी देंगे उपहार

मारवाड़ी महासभा के संस्थापक व यात्रा संयोजक महेश राठी केकड़ीवाल ने महासभा के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इस यात्रा के तहत पर्यावरण संतुलन व तापमान को नियंत्रित करने के लिए ढाई करोड़ नीम के पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है। वहीं कन्या निधि के अंतर्गत 11 फरवरी 2018 के बाद जन्मी बेटी को उसकी 18 वर्ष की उम्र में महासभा की ओर से मियादी अमानत के तहत राशि 1 लाख रुपए प्रदान की जाएगी। पंचायत के प्रचार मंत्री नारायण मंडोवरा ने बताया कि महासभा की ओर से जिन महिलाओं ने 11 फरवरी 2018 के बाद बेटी को जन्म दिया है, ऐसी लगभग 15 महिलाओं को कन्या निधि के तहत पंजीकृत किया है। इन बेटियों को 18 वर्ष की आयु पर मियादी अमानत के अंतर्गत 1 लाख रुपए की राशि प्रदान की जाएगी। इन महिलाओं सहित जिन महिलाओं ने केवल बेटी अथवा बेटियों को जन्म दिया है, ऐसी लगभग 125 महिलाओं का पुष्पगुच्छ व चूनरी ओढ़ाकर सम्मान किया गया।

ऐसे हुई नीम महोत्सव की शुरुआत

स्वागत भाषण देते हुए पंचायत अध्यक्ष जगदीश जैथलिया ने प्रत्येक परिवार को एक-एक नीम का पौधा रोपित कर उसकी देखभाल करने की सामूहिक शपथ दिलाई। कार्यक्रम का संचालन पंचायत के सांस्कृतिक मंत्री मनीष मंत्री ने किया। आभार सचिव विजेंद्र माहेश्वरी ने माना। अतिथियों को पंचायत अध्यक्ष श्री जैथलिया ने स्मृति चिह्न प्रदान किए। इस दौरान अतिथियों ने भवन में प्रतीकात्मक रूप से 11 नीम के पौधे लगाकर अभिनव अभियान की शुरुआत कर यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इससे पूर्व कार्यक्रम की शुरुआत भगवान महेश के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्जवलन से हुई।

ये थे कार्यक्रम में उपस्थित

यात्रा से जुड़े चांदमल सारडा, महासभा के संभागीय अध्यक्ष रामकल्याण लड्ढा, जिला माहेश्वरी सभा अध्यक्ष घनश्याम नकलक, महिला संगठन जिलाध्यक्ष किरण लखोटिया, युवा संगठन शहर अध्यक्ष पवन लड्ढा, रेवतीरमन बिरला, संजय लाठी, कुंजबिहारी बिल्या, कैलाश बहेड़िया, द्वारका जाजू, नारायण बाहेती, जगदीश लड्ढा, विनोद मंत्री, सत्यप्रकाश नुवाल, सोहन तोषनीवाल, सुशील कासट, पुरुषोत्तम नुवाल, निखिल जैथलिया, उर्मिला नुवाल, मीनाक्षी काबरा, मधु हल्दिया, संगीत मूंधड़ा, स्वाति तोतला, संगीत सोमानी, शिल्पा सोमानी, अनिता मंडोवरा सहित कई समाज जन उपस्थित थे।

माहेश्वरी मंडल का पदग्रहण समारोह संपन्न

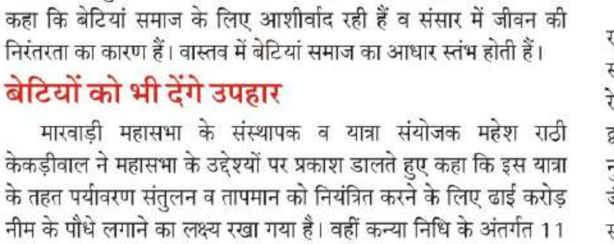

अमरावती. स्थानीय माहेश्वरी भवन में माहेश्वरी महिला मंडल की 2018-19 की अध्यक्ष व कार्यकारिणी का पदग्रहण समारोह आयोजित किया गया। इसमें अध्यक्ष अर्चना लाहोटी और सचिव सपना पनपालिया को पद की जिम्मेदारी सौंपी गई। इस अवसर पर अखिल भारतीय महिला संगठन की सबसे पहली अध्यक्षा पद्मादेवी मूंधड़ा विशेष रूप से मौजूद थीं। प्रमुख अतिथि के रूप में समाजसेवी डॉ. गणेश बूब, श्यामसुंदर टावरी, पंचायत के भूतपूर्व अध्यक्ष जुगलकिशोर गटानी, वरिष्ठ मंडल अध्यक्ष सूर्यप्रकाश मालानी, अभा महिला संगठन की महामंत्री व माहेश्वरी मंडल की पूर्वाध्यक्षा पुष्पलता परतानी, पूर्व अध्यक्षा प्रीति डागा आदि मौजूद थीं।

> "जो व्यक्ति हमेशा अपने कार्य और लक्ष्य के प्रति प्रयत्नशील रहता है, उसे कभी भी दूसरों का बुरा करने के लिये समय ही नहीं मिलता?
> 'अपने लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित करें'"

सोशल क्लब ने किया पौधारोपण

उज्जैन. गत दिनों स्थानीय माहेश्वरी सोशल क्लब द्वारा काबरा कृषि फॉर्म पर पौधारोपण किया गया। पौधारोपण के बाद समस्त सदस्यों ने इनकी देखरेख की शपथ ली। क्लब अध्यक्ष नरेंद्र-शीला राठी, जयप्रकाश-आरती राठी, नवल-रजनी माहेश्वरी, सचिव ओम-सुमन पलौड़, रमेश-अर्पणा भूतड़ा, नंदकिशोर-मंजू लखोटिया, पंकज-रेणु केला, संतोष-ममता काबरा, प्रमोद-आशा मंत्री, शैलेंद्र-ज्योति राठी, डॉ. सुजित-आभा जैथलिया, नरेंद्र-मंगला चितलांग्या, राजेश-श्यामा जाजू, अमूल-श्वेता लड्डा, प्रमोद-वंदना जैथलिया, गिरीश-उषा माहेश्वरी, राजेश-अर्चना माहेश्वरी, दिलीप-संध्या झंवर, लक्ष्मीनारायण-शीतल मूंदड़ा संजय-निशा मूंदड़ा तथा श्री माहेश्वरी टाईम्स संपादक पुष्कर-सरिता बाहेती आदि समस्त सदस्य उपस्थित थे।

'गृहलक्ष्मी दोपहर' का किया आयोजन

दिल्ली. पश्चिमी दिल्ली माहेश्वरी महिला संगठन ने अत्यंत हर्ष और उल्लास के साथ गृहलक्ष्मी दोपहर कार्यक्रम आयोजन किया। इसमें फलों और सब्जियों के छिलके से सदस्याओं ने ऐसे स्वादिष्ट व्यंजन बनाए कि सभी आश्चर्यचकित हो गए। प्रथम पुरस्कार कविता बरडिया को संतरे-सेव-आलू बुखारा-केले के छिलके से पुडिंग व कैंडी बनाने के लिए मिला। द्वितीय पुरस्कार आराधना लाहोटी को फ्लोटिंग फ्लावर, घीये के छिलके से रबड़ी व सेफरोन जैली व लौकी के छिलके से फ्लावर बनाने पर दिया गया। तृतीय स्थान प्रभा जाजू ने तोरू के छिलके की चटनी के साथ लौकी के छिलके से स्टीम डंपलिंग बनाकर प्राप्त किया। प्रदेशाध्यक्ष किरन लड्डा, उत्तरांचल सचिव शर्मिला राठी, प्रदेश सचिव श्यामा भांगडिया, निवर्तमान अध्यक्ष इंदु लढा, निर्णायक मीना थिरानी थीं। उक्त जानकारी अध्यक्ष सरोज दम्मानी व सचिव संगीता कासट ने दी।

उदास चेहरों को बांटी खुशियां

अजमेर. संस्था फ्लाइंग बर्डस परिवार द्वारा लोहार्गल रोड स्थित राजकीय बालिका गृह नारीशाला की महिलाओं और बच्चों के साथ अंताक्षरी का कार्यक्रम रखा गया जिसमें थोड़ा समय उनके बीच रहकर उनके जीवन में खुशियों के रंग भरे जा सकें। संस्था की संस्थापिका अंबिका हेड़ा ने बताया कि फ्लाइंग बर्डस परिवार का मकसद केवल पैसे से जरूरत के सामान देकर समाज के जरूरतमंद लोगों की सहायता करना नहीं बल्कि उनके साथ समय व्यतीत कर समाज में बदलाव लाने का प्रयास करना है। अध्यक्ष शिल्पा डागा ने बताया कि अंताक्षरी को उन्होंने बहुत ही खूबसूरत अंदाज में अलग-अलग राउंड बनाकर तैयार किया। अंताक्षरी के लिए चार टीम बनाई गई रानी पद्मावती, रजिया सुल्तान, मीराबाई और झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई। संस्था की सचिव पूजा शर्मा ने बताया कि अंताक्षरी में सभी टीमों को पुरस्कार दिए गए। कोषाध्यक्ष मोना बाकलीवाल ने बताया कि संस्था की ओर से नारीशाला के एक साल तक के बच्चों के लिए वॉकर, दो से चार साल के बच्चों के लिए ट्राइसाइकल, आठ से दस साल की बालिकाओं के लिए सपोर्ट वाली साइकल और बड़ी बालिकाओं के लिए बड़ी साइकिलें दी गईं। शर्मिला झंवर, ममता मालू, पूर्णिमा मालू, प्राप्ति शर्मा, आशा राठी, मीता अरोरा, सिम्पल शर्मा सहित कई सदस्याएं मौजूद रहे।

समाजजनों ने किया पौधारोपण

नागदा. स्थानीय माहेश्वरी समाज द्वारा श्री विद्यापीठ पाडल्या रोड पर पौधारोपण किया गया। इस अवसर पर बंशीलाल राठी परिवार द्वारा विद्यालय में अध्ययनरत बच्चों को शिक्षण कीट वितरित किए गए। कार्यक्रम में समाज के अशोक बिसानी, झमक राठी, नंदकिशोर मालपानी, मनोज राठी, प्रियेश मोहता, विक्रांत मोहता आदि मौजूद थे।

> 'तू मुझे और मैं तुझे इल्ज़ाम देते है'
> मगर अपने अंदर झांकता तु भी नहीं मैं भी नहीं।

पद्मश्री बंशीलाल राठी ने मनाया 85वां जन्मदिवस

परिजनों व स्कूली बच्चों के साथ बांटी अपनी खुशियां, कई गणमान्यजन हुए शामिल

खींवसर (नागौर). ख्यात वरिष्ठ समाजसेवी अभा माहेश्वरी महासभा के पूर्व सभापति पद्मश्री बंशीलाल राठी का 85वां जन्मदिवस उनकी जन्मस्थली खींवसर (नागौर) में अत्यंत गरिमामय ढंग से मनाया गया। पौत्र-पौत्रियों के आग्रह पर उन्होंने केक भी काटा और स्कूली बच्चों को टॉफियां भी बांटीं।

गत 14 अगस्त का दिन खींवसर (नागौर) के मूल निवासी राठी परिवार के लिए अत्यंत हर्ष भरा था। इस अवसर पर पूरे परिवार ने कई स्नेहीजनों व गणमान्यजनों की उपस्थिति में अपने परिवार के वरिष्ठ पद्मश्री से सम्मानित श्री राठी का 85वां जन्मदिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया। श्री राठी ने सभी के साथ अपने ईष्टदेव 'श्री ललावास हनुमान मंदिर' खींवसर पर पूजा-अर्चना की और 56 भोग लगाया। इस अवसर पर सुंदरकांड का आयोजन भी किया गया, जिसमें सभी शामिल हुए। पौत्र-पौत्री आदि की इच्छा के सामने नतमस्तक हो श्री राठी ने केक भी काटा और सभी के साथ खुशियां मनाईं।

गणमान्यजनों के साथ स्कूली बच्चों का भी साथ

इस गरिमामय आयोजन में राजस्थान भाजपा कोषाध्यक्ष रामकुमार भूतड़ा, सुरेश राठी, संदीप काबरा, जे.एम. बूब, कमलकिशोर चांडक, नवल राठी, अशोक राठी, नरेन्द्र राठी, दामोदरदास बंग, श्री माहेश्वरी टाईम्स संपादक पुष्कर बाहेती व प्रबंध संपादक सरिता बाहेती सहित देशभर से आए कई गणमान्यजन उपस्थित थे। श्री राठी ने इस अवसर पर खींवसर के स्कूली बच्चों को भी आमंत्रित किया तथा उन्हें भोजन करवाया और गिफ्ट भेंट किए। इस तरह ये बच्चे भी उनके जीवन के इस सुखद प्रसंग का हिस्सा बने।

श्री माहेश्वरी टाईम्स ने दिया कृतित्व को साकार स्वरूप

श्री माहेश्वरी टाईम्स के प्रकाशन समूह ऋषिमुनि प्रकाश द्वारा श्री राठी के 85वें जन्मदिवस पर उनके जीवन पर आधारित पुस्तक 'परोपकार के पद्मश्री' का प्रकाशन किया गया है। इसमें उनके संपूर्ण जीवन वृत्त के साथ ही उनके सफलता के सूत्र तथा श्री राठी से जुड़े लोगों के संस्मरणों को एक पुस्तक के रूप में संग्रहित करने का प्रयास किया है। इसमें अल्प शिक्षा के बावजूद सफलता के शिखर तक पहुंचने की उनकी यात्रा के कई अनछूए पल भी हैं, तो उनकी समाजसेवा की दीवानगी भी मुखर होकर समाजसेवियों को मार्गदर्शित करेगी। इस अवसर पर यह पुस्तक भी बाबा हनुमान के चरणों में अर्पित की गई। इसका विमोचन भी शीघ्र ही किया जाएगा।

मोहनश्री फाउंडेशन ने मनाया रक्षाबंधन

नागदा. मोहनश्री फाउंडेशन ने गोद लिए बच्चों के बीच रक्षाबंधन का पर्व मनाया। यह सभी बच्चे परिजनों व कुदरत की मार से प्रताड़ित थे। अब इनकी 21 वर्ष की आयु पूरी होने तक संपूर्ण जवाबदारी राठी परिवार द्वारा संचालित मोहनश्री फाउंडेशन द्वारा वहन की जाएगी। उक्त जानकारी मनोज राठी बारदानावाला ने दी।

जन्मदिवस होवे कहीं, हम रोपेंगे पेड़। चाहे आँगन खेत हो, चाहे धोरा-मेड़॥

बहुत से पुत्र भी हों तो उससे क्या? यदि वे अधर्मी और दरिद्र हों। उनकी अपेक्षा तो पथ का वह वृक्ष ही अच्छा है जिसकी छांव में बैठ पथिक विश्राम करते हैं।

- उपवन विनोद

जन्मदिवस पर हे मना, पौध रोपना कर्म। पौध रोपने की प्रथा, समझें इसका मर्म॥

निःशुल्क स्वास्थ्य जांच के साथ रक्तदान

टोंक. जिला माहेश्वरी महिला संगठन के तृतीय सत्र की चतुर्थ बैठक सौष्ठा समिति के अंतर्गत गत 5 अगस्त को टोंक जिला माहेश्वरी महिला संगठन के तत्वावधान में आयोजित की गई। इसके अंतर्गत महात्मा गांधी अस्पताल जयपुर एवं जिला माहेश्वरी महिला संगठन व जिला माहेश्वरी युवा संगठन टोंक द्वारा निःशुल्क चिकित्सा परामर्श शिविर का आयोजन अग्रवाल धर्मशाला सवाई माधोपुर रोड के पास टोंक में किया गया। इसमें 1400 रोगियों की जांच की गई। साथ ही रक्तदान शिविर में 40 यूनिट रक्तदान भी किया गया। माहेश्वरी महिला संगठन की महामंत्री रेखा जाजू ने बताया कि शिविर में डॉ. नटवर परवाल, डॉ. आकाश राजेनदर, डॉ. कनिष्क, डॉ. सुभाष, डॉ. कुनाल, डॉ. मोहित मीना, डॉ. आशा शर्मा व डॉ. मुहनत आदि ने 1400 रोगियों को सेवाएं दीं। निःशुल्क बल्ड प्रेशर, शुगर, ईसीजी जांच के साथ दवाइयों का वितरण किया गया। शिविर में प्रदेश सगंठन मंत्री रामलक्ष्मण काबरा, शशिभूषण मूंदड़ा, टोंक जिला समाज अध्यक्ष राजू मंदड़ा, जिला मंत्री अरविंद मूंदड़ा, गिरधर गगरानी, महेश जाजू, सुरेश काहल्या, शिवराज मूंदड़ा, बाबूलाल गगरानी, कन्हैया मूंदड़ा, भगवान भंडारी, जिला युवा संगठन अध्यक्ष मनीष सोमाणी, सचिव आशीष मूंदड़ा, महिला संगठन कोषाध्यक्ष सुमन आगीवाल, संगठन मंत्री कमलेश मूंदड़ा सहित सैकड़ों लोगों ने हिस्सा लिया।

विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति व मरीजों को सहायता

जबलपुर. श्री गोपाललालजी महाराज ट्रस्ट जरूरतमंदों को सहयोग कर पुण्य का कार्य कर रहा है। उक्त उद्‌गार कार्यक्रम की मुख्य अतिथि परम विदुषी ज्ञानेश्वरी दीदी ने श्री गोपाललालजी महाराज ट्रस्ट द्वारा आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में व्यक्त किए। विशिष्ट अतिथि स्वामीजी इंग्लैंड से पधारे थे। इस अवसर पर सात लाख इक्कीस हजार रुपए की छात्रवृत्ति विभिन्न शालाओं के 162 विद्यार्थियों को वितरित की गई। मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि का स्वागत माधवी माहेश्वरी, अर्पणा मालपानी, अनीता अग्रवाल व रुचि विश्वमोहन ने किया। छात्रवृत्ति के साथ छात्रों को डिक्शनरी भेंट स्वरूप दी गई। ज्ञानेश्वरी दीदी का कमलादेवी मालपानी ने शॉल-श्रीफल से स्वागत किया। कैंसर रोगियों के उपचारार्थ गोपाललाल महाराज ट्रस्ट की तरफ से साठ हजार रुपए की सहयोग निधि भेंट की गई। कार्यक्रम का संचालन गोपाली चंद्रमोहन ने किया। पुष्पांजलि सेन, ज्योति पाल, प्रशांत शर्मा का विशेष सहयोग रहा।

लंदन में ईशान की लघुकथा पुरस्कृत

लंदन. साउथ ईस्ट लंदन के सभी प्राइमरी स्कूलों के बच्चों के लिए यंग राइटर्स पब्लिकेशन हाउस द्वारा टॉयज पर कहानी लिखने की प्रतियोगिता आयोजित की गई। इस प्रतियोगिता में सुमित टवाणी के सुपुत्र व विनसर प्राइमरी स्कूल, बैकटन लंदन के छात्र 8 वर्षीय ईशान टवाणी की लघुकथा को प्रशस्ति पत्र मिला। इस कहानी को साउथ ईस्ट टेल्स की टॉय स्टोरी की पुस्तक में भी प्रकाशित किया गया है। उक्त जानकारी मदनगंज किशनगंज (राजस्थान) निवासी कृष्णचंद टवाणी ने दी।

रक्तदान शिविर का हुआ आयोजन

अहमदाबाद. जिला माहेश्वरी सभा के अंतर्गत मणिनगर क्षेत्र माहेश्वरी सभा द्वारा रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। इसमें सैटेलाइट क्षेत्र के सहमंत्री पुनीत पेड़ीवाल एवं मणिनगर के कांता अशोक मूंधड़ा द्वारा भी रक्तदान किया गया। जिला मंत्री राजेंद्र पेड़ीवाल व मणिनगर क्षेत्र अध्यक्ष दीपक मूंधड़ा द्वारा अवलोकन किया। इसके 108 यूनिट रक्त संग्रह किया गया। डॉ. रुचिका काबरा (नेत्र), डॉ. सीएस काबरा (ईएनटी), डॉ. अंशुमान (दांत), डॉ. शशि (फिजीशियन), डॉ. गौरव राठी (हड्डी), डॉ. बंशी साबू (डायबिटीज) ने सेवाएं दी। निवर्तमान अध्यक्ष सुरेश दमानी, दिनेश भूतड़ा मंत्री, सुरेश चांडक कोषाध्यक्ष सहित समस्त सदस्यों ने सहयोग दिया।

भोजन पाएँ तरु तले, और संग में हर्ष। पौधे रोप मनाइए, जन्मदिवस प्रति वर्ष।।

सभी वृक्षों को काटना निन्दनीय है। यज्ञ के उद्देश्य के सिवाय वृक्ष कभी न काटे जाएँ और विशेषकर वर्षा ऋतु में तो काटे ही न जाएँ।

– स्कन्ध पुराण, 20–83

पेड़ रोपिए जन्मदिन, जीवन में हर वर्ष। पेड़ रोपने से सदा, मन में होता हर्ष।।

गगडानी ने किया 20 दिवसीय उत्तरांचल भ्रमण

अभा माहेश्वरी महिला संगठन का आयोजन ■ कई शहरों में कार्यकर्ताओं को सिखाए समाजसेवा के गुर

दिल्ली. अभा माहेश्वरी महिला संगठन को आमजन तक पहुंचाने के अभियान के अंतर्गत राष्ट्रीय अध्यक्ष कल्पना गगडानी ने उत्तरांचल का भ्रमण किया। इस दौरान कई शहरों में स्थानीय महिला संगठनों द्वारा उनके स्वागत व उद्‌बोधन कार्यक्रम आयोजित किये गये।

सर्वप्रथम दिल्ली प्रदेश की संपूर्ण कार्यसमिति को एक ही साथ संबोधित किया। समाज की गतिविधि के बारे में, बहनों के प्रश्नों के उत्तर से उत्साहित सदस्याओं ने अपने यहां एक कार्यक्रम रखने का मांग की जिसकी स्वीकृति प्रदान की गई। यह बैठक प्रभा जाजू के घर हुई। उसी दिन 4 अगस्त को शाम को पंजाब हरियाणा के गुड़गांव में उनका उद्‌बोधन, बच्चों की कार्यशाला और सांस्कृतिक कार्यक्रम हुए। इस भ्रमण के मध्य कई शहरों में मुख्य वक्ता के रूप में कार्यक्रम दिये। इसमें पश्चिमी दिल्ली 5 अगस्त ,16 अगस्त की सुबह मोदीनगर, 16 शाम को मेरठ, 17 की सुबह अलीगढ़, 18 की शाम को आगरा, 19 की शाम को कानपुर में उनके उद्‌बोधन का आयोजन किया गया।

छोटे गांव से भी भेद नहीं

भ्रमण प्रक्रिया में 15 अगस्त को श्रीमती गगडानी ने बहादुरगढ़में 8 शहरों के पदाधिकारी त्रिवेणी महासभा, युवा संगठन, महिला मंडल सभी को संबोधित किया। उद्बोधन से सभी बहुत लाभान्वित हुए। सामूहिक रूप से ध्वजारोहण भी किया गया। 17 अगस्त को पश्चिमी उत्तर प्रदेश की छर्रा में 14 शहरों की सदस्याओं को संबोधित किया। इस छोटे से गांव में अभी इस मंडल को 1 साल भी नहीं हुआ और वहां इतना बड़ा कार्यक्रम आयोजित हुआ। उन्होंने सभी आए हुए सदस्यों को समाज की संगठन की महत्ता को समझाते हुए बच्चों के पालन व शिक्षा पर मार्गदर्शन दिया। 19 अगस्त कानपुर में सुबह दक्षिण क्षेत्र में जिसका गठन भी 1 साल पहले हुआ, संबोधित किया। इसी प्रकार 20 अगस्त को एक वर्ष पूर्व गठित झांसी संगठन को भी संबोधित किया।

भ्रमण में बनाया जनसंपर्क का इतिहास

उसके बाद राठ गए जहां संगठन 40 साल से चल रहा है, लेकिन आज तक वहां पर कोई भी राष्ट्रीय पदाधिकारी नहीं पहुंचा। पहली बार कोई पहुंचा। वहां की सदस्याओं ने अपने घर में ही बहुत सुंदर तरीके से थाल सजाओ प्रतियोगिता रखकर सुरभि समिति के कार्यक्रम में अपनी कलाओं से अवगत कराया। अगला पड़ाव उरई था। 20 अगस्त को मैनपुरी में महासभा के सहसचिव सीताराम तापड़िया से भेंट हुई। यहां पर प्रेस वार्ता भी आयोजित हुई। इस भ्रमण में सहसचिव शर्मिला व मंजू बांगड़, राष्ट्रीय संगठन मंत्री तथा प्रदेशाध्यक्ष सुजाता का सान्निध्य रहा। सभी शहरों में महिलाओं ने ढोल की थाप, नृत्य, चुनी छांव आदि से उनका स्वागत किया। सभी स्थानों पर कार्यक्रम में ग्यारह समितियों में से 6-7 समितियों का समावेश रहा।

आगरा. गत 18 अगस्त को श्री माहेश्वरी महिला मंडल आगरा का तीज मिलन समारोह हेमलता गांधी की अध्यक्षता में माथुर वैश्य भवन पंचकुईयां पर आयोजित हुआ। मुख्य अतिथि राष्ट्रीय अध्यक्षा कल्पना गगडानी व विशिष्ट अतिथि उत्तरांचल उपाध्यक्ष कांता गगरानी थीं। इस अवसर पर 80 वर्ष से अधिक आयु की आगरा की वृद्ध माताओं का सम्मान किया गया। विभिन्न रंगारंग प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। मंजू काल्हया, रमा गगरानी, मेघा डागा, कुसुम सांवल, वीना दुदानी, शोभा गांधी, प्रमिला दूजारी, बेला भट्टर, साधना भूतड़ा, सरोज तोषनीवाल, रितु गांधी, आशा काल्या, सरोज भुराड़िया, कामना चांडक, कुसुम दुदानी, इंदिरा चांडक आदि मौजूद थीं।

स्वतंत्रता दिवस पर हुआ आयोजन

नागदा. लांयस ग्रेटर द्वारा स्नेह स्कूल में झंडावंदन किया गया। झंडावंदन लायंस ग्रेटर अध्यक्ष घनश्याम-सुनीता राठी ने किया। उन्होंने बताया 120 दिव्यांगों को आगे भी लायंस ग्रेटर द्वारा सहायता दी जाएगी। सचिव सौरभ-श्रुति मोहता, मुख्य अतिथि लांयस गोविंद मोहता, राजकुमार मोहता, प्रकाश राठी, झमक राठी आदि मौजूद रहे। जानकारी विपिन मोहता ने दी।

महेश बैंक ने मनाया 41वां स्थापना दिवस

हैदराबाद. वित्तीय प्रौद्योगिक क्षेत्र की कंपनियों से प्रतिस्पर्धा के कारण बैंकिंग उद्योग के समक्ष ग्राहक को अपने साथ जोड़े रखना सबसे बड़ी चुनौती है। नवीनतम तकनीक के उपयोग से संतोषप्रद सेवा उपलब्ध कराने वाले बैंक ही इस प्रतिस्पर्धा में विकासोन्मुख रह सकते हैं। उपरोक्त उद्‌गार तेलंगाना सरकार के पुलिस विभाग के एडिशनल कमिश्नर (क्राइम) शिखा गोयल ने रेड हिल्स में महेश बैंक के 41वें स्थापना दिवस समारोह पर मुख्य अतिथि के रूप में बैंककर्मियों को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। श्रीमती गोयल ने महेश बैंक प्रबंधन के दूरदृष्टि से लिए गए निर्णयों की सराहना की। विशिष्ठ अतिथि के रूप में दक्षिण मध्य रेलवे के रेल सुरक्षा बल के कमिश्नर रामकृपाल आदि उपस्थित थे। बैंक के चेयरमैन पुरुषोत्तमदास मानधणा, चेयरमैन इमीरेट्स रमेशकुमार बंग, वाइस चेयरमैन रामपाल अट्टल एवं प्रबंध निदेशक उमेशचंद असावा ने कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलित कर किया। कार्यक्रम में बैंक के निदेशक मंडल सदस्य बृजगोपाल असावा, कमलनारायण राठी, कृष्णचंद्र बंग, लक्ष्मीनारायण राठी, नंदकिशोर हेड़ा, ओमप्रकाश जाखोटिया, पुष्पा बूब, रामप्रकाश भंडारी, श्रीगोपाल बंग, श्रीकांत इन्नानी, श्रीनिवास असावा, सीए किशनगोपाल मणियार, सीएस सुमन हेड़ा के साथ पूर्व निदेशकगण भी उपस्थित थे। वाइस चेयरमैन रामपाल अट्टल के आभार के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

महिला गौरव ने किए धार्मिक आयोजन

उदयपुर. माहेश्वरी महिला गौरव की सुचिता समिति द्वारा अधिक मास में जगदीश मंदिर उदयपुर में सत्संग व भजन कीर्तन का आयोजन किया गया। संरक्षक कौशल्या गट्टानी के नेतृत्व में गरीब व असहाय लोगों को भोजन कराया तथा साथ में चप्पलें व छातें भेंट किए। स्कूलों व मंदिरों में ठंडा पानी के लिए वाटर कूलर लगवाए। अध्यक्ष सरिता न्याती, सचिव आशा नारानीवाल, कांता बूब सहित सभी सदस्याएं मौजूद थीं। सुरभि समिति द्वारा 80-90 गांवों के जिला संगठन के साथ मिलकर महेश नवमी की शोभायात्रा में कचरा उठाकर स्वच्छता का संदेश दिया गया। सुषमा समिति द्वारा हरियाणा राजस्थान में पौधे लगाकर नई पीढ़ी को जनचेतना का संदेश दिया।

> किसको क्या मिले इसका कोई हिसाब नहीं।
> तेरे पास रूह नहीं मेरे पास लिबास नहीं

पद्मश्री काबरा का हुआ अभिनंदन

बैंगलोर. गत 30 जुलाई को माहेश्वरी सभा द्वारा पद्मश्री से सम्मानित रामेश्वरलाल काबरा का माहेश्वरी भवन में अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर श्री काबरा ने कार्यकर्ताओं को गुणों व शास्वत के नियम बताए। बनबंधु परिषद के राष्ट्रीय संरक्षक के तौर पर श्री काबरा ने एकल अभियान की विस्तृत जानकारी दी और इस अभियान से जुड़ने का आह्वान किया। इस अवसर पर सभा द्वारा पांच लाख एवं राजकुमार लड्ढा (मार्बल सेंटर) द्वारा 11 लाख रुपए की राशि एकल विद्यालय हेतु प्रदान की गई। बनबंधु परिषद के देवेंद्र सरावगी, रमेश अग्रवाल, कन्हैयालाल राठी, पत्रकार धीरेंद्र सिंघी सहित कई गणमान्यजन उपस्थित थे। उक्त जानकारी स्थानीय माहेश्वरी सभा सचिव निर्मलकुमार तापड़िया ने दी।

नॉलेज है तो आत्मविश्वास

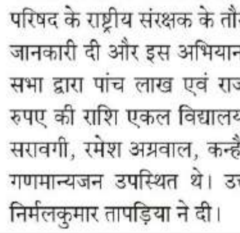

सूरत. सशक्त नारी से सशक्त समाज की थीम पर मुस्कान महिला मंडल की ओर से सिटी लाइट स्थित माहेश्वरी भवन में आयोजित कार्यक्रम में सीए प्रिया सोमानी ने महिलाओं को कैशलेस टेक्नोलॉजी व वसीयतनामा लिखने आदि विषयों पर प्रेक्टिकल जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अगर आपके पास नॉलेज है तो आप में आत्मविश्वास होगा। परिवर्तन के युग में सुगमता से चलने के लिए टेक्नोलॉजी को अपनाना अत्यावश्यक है। क्रेडिट कार्ड के विषय में उन्होंने कहा कि बैंक में आपके पास कितना पैसा है, वह बात मायने नहीं रखती किंतु इनकम टैक्स के बेसिस पर आप फाइनेंशियली कितने साउंड हो उस पर क्रेडिट लिमिट प्रोवाइड की जाती है। 45 से 50 वर्ष की आयु में प्रॉपर्टी के सेटलमेंट के बारे में सोचकर जमीन, जायदाद, ज्वेलरी, कैश, दुकानें, पीपीएफ, लाइफ इंश्योरेंस, बिजनेस व अन्य चीजों को ऑन पेपर नोट करना चाहिए।

उत्कृष्ट पत्रकारिता के लिए सम्मान

अकोला. रोटरी क्लब अकोला की ओर से उत्कृष्ट पत्रकारिता के लिए अहमदनगर जिला माहेश्वरी सभा के मानद मंत्री अजय तथा मेघा जाजू को सम्मानित किया गया। साम टीवी के संपादक संजय आवटे, अकोला विधायक वैभव पिचड, रोटरीयन अमोल वैद्य, सचिन देशमुख, सचिन शेटे अतिथि के रूप में मौजूद थे।

को-ऑपरेटिव बैंक ने मनाया रजत महोत्सव

धरमपेठ. महिला मल्टीपल स्टेट को-ऑपरेटिव बैंक द्वारा अपना रजत जयंती महोत्सव गुरु पूर्णिमा महोत्सव के साथ मनाया गया। बैंक ने अपने 25वें साल में 28 ब्रांच के साथ 1428 करोड़ की आय का कीर्तिमान स्थापित किया। मुख्य अतिथि राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त समाजसेवक शरद बागड़ी, पोरवाल कॉलेज के पूर्व प्राध्यापक प्रो. घोषाल व स्मिता आयचित थे। इसमें मुख्य अतिथि शरद बागड़ी ने गुरु का जिंदगी में महत्व बताया।

पौधे रोपकर लिया सुरक्षा का संकल्प

नागदा. राठी परिवार द्वारा सावन के पहले सोमवार पर ग्राम हतईपालकी स्थित कमला कृषि फॉर्म हाउस पर पौधारोपण किया गया। घनश्याम राठी ने बताया कि राठी परिवार द्वारा आगे भी विभिन्न स्थानों पर पौधारोपण का कार्य किया जाएगा। बंशीलाल राठी, घनश्याम राठी, राजकुमार मोहता, प्रशांत राठी, रियांश राठी, अजय राठी, प्रकाश राठी, रमेश राठी, झमक राठी आदि ने पौधारोपण किया।

बेसहारों की सेवा से मनाया पर्व

कामठी. माहेश्वरी मंडल कामठी कन्हान एवं माहेश्वरी महिला मंडल कामठी कन्हान के संयुक्त तत्वावधान में माहेश्वरी समाज के उत्पत्ति दिवस का पंचदिवसीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसके अंतर्गत विवेकानंद अनाथालय व अन्य गरीबों को भोजनदान, स्कूलों में मिठाई व चॉकलेट का वितरण तथा कामठी गौशाला में गौमाता के लिये गुड़ व चारा का वितरण किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष संतोष लखोटिया ने की। गणेशलाल तापड़िया (नांदेड) प्रमुख अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

युवा संगठन ने किया पौधारोपण

बीकानेर. माहेश्वरी युवा संगठन (शहर) अध्यक्ष रितेश करनाणी ने बताया कि समाजसेवी तोलाराम पेड़ीवाल के मार्गदर्शन में पौधारोपण किया गया। सचिव कमल राठी ने बताया कि इस कार्यक्रम में कपिल लड्ढा, प्रवीण बिहानी, राघव कोठारी, रोहित पचीसिया, गौरव मूंधरा, शेखर पेड़ीवाल, अनिल पेड़ीवाल आदि मौजूद थे। जानकारी सचिव कमल राठी ने दी।

बाहेती को स्वच्छता पुरस्कार

जयपुर. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से चलाए जा गए स्वच्छता अभियान के अंतर्गत पेट्रोलियम मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा संपूर्ण भारत के 62500 पेट्रोल पंपों में प्रदीप बाहेती के जयपुर स्थित पेट्रोल पंप को संपूर्ण भारत में स्वच्छता के लिए तीसरा स्थान प्राप्त हुआ। इस उपलक्ष्य में पेट्रोलियम मंत्रालय की ओर से प्रिसिंपल एडवाइजर उर्वशी साधवानी एवं प्रिंसिपल सेक्रेटरी डॉ. एमएम कुट्टी द्वारा प्रदीप बाहेती एवं अर्जुन बाहेती को दिल्ली में 30 जुलाई 2018 को नेशनल मीडिया सेंटर पर आयोजित स्वच्छता पखवाड़ा के अवसर पर सम्मानित किया गया।

वरिष्ठ लायन बागड़ी का सम्मान

नागपुर. लायंस क्लब ऑफ नागपुर का पदग्रहण समारोह एक होटल में गत दिनों आयोजित हुआ। मुख्य अतिथि प्रांतपाल गवर्नर अमरजीतसिंग दत्ता व संदीप खंडेलवाल थे। इस कार्यक्रम में लायन शरद बागड़ी को उनकी असाधारण समाजसेवा तथा लेखन के लिए शॉल-श्रीफल व स्मृति चिह्न से सम्मानित किया गया।

गलतफहमियों ने करदी पैदा दूरियां,
वरना फितरत का बुरा तु भी नहीं मैं भी नहीं ।

लोहार्गल धाम की यात्रा

बूंदी. श्री माहेश्वरी समाज से जुड़े दो दर्जन से अधिक प्रतिनिधि दो दिवसीय सामाजिक व धार्मिक यात्रा के तहत गत 5 अगस्त को सीकर जिले में स्थित माहेश्वरी उत्पति स्थल लोहार्गल धाम पहुंचे। पंचायत के प्रचार मंत्री नारायण मंडोवरा ने बताया कि समाजोत्थान व प्रदेश की खुशहाली के लिए गए समाज के प्रतिनिधियों ने गत 4 अगस्त को डिग्गी स्थित कल्याणराय जी पहुंचकर सामूहिक रूप से पूजा-अर्चना की। वही फागी के बालाजी, खाटू श्याम होकर सालासर धाम पहुंचे। यहां सामूहिक सुंदरकांड का पाठ कर आरती की गई। झुंझुनु स्थित रानी सती माता मंदिर होते हुए माहेश्वरी समाज के उत्पति स्थल लोहार्गल पहुंचे। यहाँ अतिप्राचीन सूर्यकुंड में सभी ने सामूहिक रूप से डुबकी लगाई। यात्रा में श्री माहेश्वरी पंचायत अध्यक्ष जगदीश जैथलिया, सचिव विजेंद्र माहेश्वरी, पूर्व राष्ट्रीय कार्यकारी मंडल सदस्य संजय लाठी, युवा संगठन जिलाध्यक्ष नरेश लाठी, जिला सभा के पूर्व जिलाध्यक्ष रेवती रमन बिरला, महेश क्रेडिट को-ऑपरेटिव सोसायटी लि. के सचिव विनोद मंत्री, उपाध्यक्ष चतुर्भुज गुप्ता, निदेशक मनीष मंत्री, युवा संगठन के राष्ट्रीय कार्यकारी मंडल सदस्य परेश मूंधड़ा, पंचायत उपाध्यक्ष कैलाश बहेड़िया, कोषाध्यक्ष द्वारका जाजू, आयोजन मंत्री संजय मंडोवरा आदि कई सदस्य मौजूद थे।

एक शाम नारी शक्ति के सम्मान के नाम

रायपुर. माहेश्वरी महिला समिति, गोपाल मंदिर, सदर बाजार, रायपुर की आमसभा, चुनाव एवं 'एक शाम नारी शक्ति के सम्मान के नाम' का आयोजन गत 31 जुलाई को वृंदावन हॉल में किया गया। इस अवसर पर नई कार्यकारिणी का चुनाव हुआ और सर्वसम्मति से संगीता चांडक नई अध्यक्ष चुनी गईं। नारी शक्ति के सम्मान के अंतर्गत चिकित्सा, व्यवसाय, योगा, संगीत, चित्रकला, बीमा, कला आदि कई क्षेत्रों में विशिष्ट योगदान दे रही महिलाओं का सम्मान किया गया। ज्योति राठी को लाईफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड दिया गया। शशि बागड़ी, सचिव नंदा भट्टर, रमा मल, प्रतिभा नत्थानी, शशि मोहता, भावना मर्दा, रेखा करवा, संगीता चांडक, शशि मोहता, सुनीता लड्ढा आदि का विशेष सहयोग रहा।

सौहार्द्र क्रेडिट को-ऑपरेटिव की बैठक संपन्न

बैंगलोर. गत 5 अगस्त को माहेश्वरी सौहार्द्र केडिट को ऑपरेटिव लिमिटेड की द्वितीय शेयरधारक की वार्षिक साधारण सभा माहेश्वरी भवन बैंगलोर में प्रातः 11.30 बजे आयोजित हुई। सीईओ एम नागराजा, उपाध्यक्ष सुरेश कुमार लखोटिया, अध्यक्ष नंदकिशोर मालू एवं माहेश्वरी सभा अध्यक्ष बसंतकुमार सारडा ने दीप प्रज्जवलित कर शुभारंभ किया। सुरेश लखोटिया ने गत वर्ष की साधारण सभा की बैठक की रिपोर्ट को पारित करवाया। विष्णुकांत जाजू ने वर्ष 2017-18 का आय व्यय का ब्योरा सदन में रखा जो सर्वसम्मति से पारित किया गया। आभार एलएन डागा ने माना। कार्यक्रम का संचालन भगवानदास लाहोटी ने किया।

फ्रेंडशिप डे पर किया पौधारोपण

खाचरौद (उज्जैन). मित्रता दिवस के अवसर पर खाचरौद माहेश्वरी कपल ग्रुप द्वारा मां चामुंडा माता परिसर पर पौधारोपण किया गया। माहेश्वरी कपल ग्रुप के कार्यकारी सदस्य पंकज आसावा, संजय मालपानी, गौरव गगरानी, अंकित माहेश्वरी, पुनीत राठी, विशाल गगरानी, सौरव गगरानी आदि सभी युवा मौजूद थे।

सावन की सेल का हुआ आयोजन

शोरापुर. श्री माहेश्वरी नवयुवक मंडल शोरापुर ने 28वें साल की सावन की सेल का गत 5 अगस्त को कृष्णा नदी के तट पर श्री सुक्षेत्र तिंतनी मौनेश्वर (दक्षिण काशी) में आयोजन किया। इसमें बच्चों व महिलाओं के लिए अनेकों प्रकार की स्पर्धाएं आयोजित हुईं। आकर्षक बहुमानों के साथ 101 पौधों का वितरण किया गया, ताकि पर्यावरण भी सुरक्षित रहे।

झूठ कहते हैं कि संगत का असर होता है...
आज तक ना काँटों को महकने का सलीका आया,
और ना फूलों को चुभना आया....!!

तीजोत्सव का हुआ आयोजन

हैदराबाद. माहेश्वरी मंडल हैदराबाद (उत्तर) और माहेश्वरी सखियां लिंगमपल्ली-मियांपुर-कोंडापुर विभाग में 'तीज का सिंजारा और कपल तंबोला' का आयोजन लिंगमपल्ली के तारानगर स्थित बालाजी मंदिर में किया गया। महिलाओं ने तीज का सिंजारा और स्वागत गीत पेश किया। मंच का संचालन सुनीता मंत्री और आरती तापड़िया ने किया। इस अवसर पर कपल तंबोला, सिल्वर राउंड तंबोला, क्विज के अलावा बच्चों, लेडीज और कपल गेम्स का आनंद लिया। इसके बाद स्नेह भोजन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। विजयकुमार मंत्री, कृष्णकांत मूंदड़ा (राजू राजा), मनोज मूंदड़ा, रामानुज सोनी, बृजगोपाल मालपानी, प्रेम लाहोटी, सुनील माहेश्वरी, राकेश सोमानी, सुनीता मंत्री, ममता सोनी, अर्चना लाहोटी, संतोष भांगड़िया, आरती तापड़िया, आराधना चांडक आदि का विशेष रूप से सहयोग रहा।

मरीजों के परिजनों के लिए भोजन व्यवस्था

रायपुर. माहेश्वरी महिला समिति, गोपाल मंदिर, रायपुर द्वारा गत 23 जुलाई को जनकल्याण के अंतर्गत डॉ. भीमराव अंबेडकर मेमोरियल हॉस्पिटल के सामने स्थित मंगल भवन में मरीजों के परिजनों के लिए निःशुल्क भोजन की व्यवस्था की गई। इसमें करीब 300 लोगों ने भोजन किया। इस कार्यक्रम में अध्यक्ष शशि बागड़ी, जिलाध्यक्ष सरला चांडक, राष्ट्रीय कार्यसमिति की उषा मोहता, कांता बिहानी, वीणा मुछाल, मधुलिका नाथानी, रमा मल, सुनीता लड्ढा, आदि सदस्याओं का विशेष सहयोग रहा।

सेवा संगठन ने मनाया स्थापना दिवस

रतलाम. माहेश्वरी सेवा संगठन के द्वारा अपना 20वां स्थापना दिवस 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य पर लक्कड़पीठा स्थित वृद्धाश्रम में वृद्धजनों को भोजन वितरण कर मनाया गया। संगठन अपने स्थापना दिवस पर सेवा कार्य के लक्ष्यों की पूर्ति हेतु कई तरह के आयोजन वर्षों से करता आ रहा है। जिसमें फिजियोथैरेपी सेंटर, गौसेवा, रक्तदान शिविर एवं चलित वाटर कूलर (प्याऊ) आदि का संचालन शामिल है। इस अवसर पर संगठन अध्यक्ष रतन धूत, सचिव सुनील डांगरा, उपाध्यक्ष द्वारका धूत, संजय डालिया, राजेश चौखड़ा, नरेंद्र बाहेती, डॉ. बीएल तापड़िया, द्वारकादास भंसाली, नरेंद्र चौखड़ा, संतोष काबरा सहित महिला संगठन की कई सदस्याएं उपस्थित थीं।

सावन की पिकनिक का किया आयोजन

अहमदाबाद. सुरम्या समिति के अंतर्गत माहेश्वरी सखी संगठन अहमदाबाद ने गत 2 अगस्त को बस द्वारा 51सखियों के साथ नीलकंठ धाम पोइचा में सावन की पिकनिक मनाई। अलग-अलग गेम्स के साथ सखियों ने पिकनिक का आनंद लिया। भोजन की व्यवस्था मंदिर में ही रखी गई थी। उक्त जानकारी अध्यक्ष मीना मूंदड़ा व सचिव अनुराधा अजमेरा ने दी।

देवपुरा ने की राज्यपाल से भेंट

लखनऊ. साहित्य मंडल श्रीनाथद्वारा के प्रधानमंत्री श्यामप्रकाश देवपुरा ने यूपी के राज्यपाल राम नाईक से लखनऊ में शिष्टाचार भेंट की। श्री देवपुरा ने साहित्य मंडल की गतिविधियों से राज्यपाल को अवगत कराया तथा संस्थापक भगवतीप्रसाद देवपुरा द्वारा रचित ग्रन्थ 'सुर सागर' भेंट किया। राज्यपाल ने शुभकामनाएं देते हुए स्वरचित तीन पुस्तकें साहित्य मंडल को भेंट की। मंडल के साहित्य मंत्री विट्ठल पारीक भी मौजूद थे।

अटलजी को दी श्रद्धांजलि

रायपुर. छत्तीसगढ़ औद्योगिक विकास निगम के अध्यक्ष छगन मूंदड़ा ने पूर्व प्रधानमंत्री, भारतरत्न, श्री अटलबिहारी वाजपेयी के निधन को देश और पार्टी के लिए अपूरणीय क्षति बताया। श्री मूंदड़ा ने कहा कि वाजपेयीजी का चला जाना छत्तीसगढ़ के ढाई करोड़ लोगों के लिए बेहद दुःखद है। आज जो खुशहाल छत्तीसगढ़ में हम देख रहे हैं। यह उन्हीं की देन है। उन्होंने ही छत्तीसगढ़ राज्य का निर्माण किया। श्री मूंदड़ा ने बताया कि वरिष्ठ भाजपा नेता अटलजी के साथ जुड़ी यादों को एक चित्र के माध्यम से बांटते हुए कहा कि 1980 में अटलजी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष थे, तब रायपुर प्रवास पर आए थे। इस दौरान उनके साथ मुलाकात और चर्चा करने का सौभाग्य हासिल हुआ था।

तीजोत्सव का हुआ आयोजन

रायपुर. गत 13 अगस्त को माहेश्वरी युवा मंडल (महिला समिति) द्वारा छोटी तीज हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। इसमें करीब 200 महिलाएं झूला झूलते, गाना गाते शामिल हुईं। सभी ने स्वादिष्ट व्यंजनों का लुत्फ उठाया। युवा मंडल अध्यक्षा नीलिमा लड्ढा एवं सचिव नीना राठी के नेतृत्व में कार्यक्रम का संयोजन सविता केला एवं रमा बागड़ी ने किया। भावना मर्दा, शीलू राठी, नीता बजाज, शीतल डागा, प्रीति राठी, संगीता राठी, प्राची मोहता, राजश्री मूंधड़ा, रमा बागड़ी, निधि सारडा, शीतल मूंधड़ा, पूजा डागा, श्वेता राठी एवं श्वेता तापड़िया आदि ने समस्त सदस्याओं का अपना योगदान दिया।

नानीबाई का मायरो का हुआ आयोजन

उदयपुर. महेश सेवा समिति ने सेक्टर 4 की महेश महिला परिषद के तत्वावधान में गत 1 से 6 अगस्त तक संस्था भवन में संतश्री पुष्करदास महाराज के श्रीमुख से नानीबाई का मायरा कथा का आयोजन किया गया। परिषद अध्यक्ष मंजू गांधी ने संपूर्ण आयोजन का दायित्व संभाला। समिति अध्यक्ष डॉ. बीएल असावा सचिव श्यामलाल सोमानी व भगवानदास मोहता आदि ने उल्लेखनीय सहयोग प्रदान किया। हजारों की संख्या में उपस्थित समाज के महिला पुरुषों ने कथा का श्रवण किया।

संत सेवा कर मनाया जन्मदिन

सूरत. गत 17 जुलाई को सूरत के रामगोपाल मूंदड़ा (निवर्तमान उपसभापति अभा माहेश्वरी महासभा) ने मेलकोटा (बैंगलोर) में जन्मदिन मनाया। मेलकोटा (बैंगलोर) में भगवान संपतकुमार (विष्णु भगवान भाष्यकार श्री रामानुज स्वामीजी) कई वर्षों तक रहे। मेलकोटा (बैंगलोर) रामानुज संप्रदाय का प्रमुख दिव्य स्थल है। इस उत्सव में श्री मूंदड़ा के साथ उनकी धर्मपत्नी निर्मला मूंदड़ा, रायचुर के भगवानदास बूब एवं सेलम से रामनिवास राठी सम्मिलित थे। श्री मूंदड़ा ने सभी संतों के साथ त्रिभंजन, पूजा-अर्चना, अभिषेक करके एवं महात्माओं के साथ भोजन प्रसादी में सम्मिलित होकर अपना जन्मदिन मनाया।

धमोली का किया आयोजन

बैंगलोर. स्थानीय माहेश्वरी संस्कृति मंडल द्वारा धमोली का आयोजन किया गया। सुमन राठी ने बताया कि हम सहेलियों ने तीज की धमोली 2009 में आयोजन की छोटी सी शुरुआत की थी। सभी का सहयोग मिला और इस साल यह आंकड़ा 45 तक पहुँच गया। इसमें बहुत सुंदर नृत्य प्रोग्राम, फैशन शो, हाऊजी और खेल आदि खेलाए गये। यह कार्यक्रम में भावना चांडक, सुमित्रा मालानी, सुमन राठी, श्वेता धूत, योगिता भूतड़ा आदि का पूर्ण योगदान रहा।

छात्राओं को पुस्तक व साइकिलें भेंट

उमरखेड़. सेठ रामकिशन सारडा चेरिटेबल ट्रस्ट की ओर से गत 20 सालों से कक्षा दसवीं तथा दसवीं की लड़कियों को पुस्तकों के 25-25 सेट भेंट किए जाते आ रहे हैं। इस वर्ष भी कुल 50 सेट प्रदान किए। इसी प्रकार प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी पांच नई साइकिलें भी भेंट की गईं। उक्त जानकारी ट्रस्टी पुरुषोत्तम सारडा ने दी।

तीजोत्सव पर हुआ आयोजन

चंद्रपुर. स्थानीय माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा तीज सिंजारा उत्सव गत 12 अगस्त को हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। तीज उत्सव में विभिन्न प्रतियोगिताएं रखी गईं। बालीवुड ड्रेस थीम तथा पानी सामग्री से झूला सजाओ प्रतियोगिता और अंत में तंबोला रखा गया। बालीबुड ड्रेस थीम प्रतियोगिता में सिद्धि जाजू प्रथम व राधिका सारडा ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। पान सामग्री से झूला सजाओ प्रतियोगिता में शीतल डालिया ने प्रथम व रूप पनपालिया ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। निर्णायक के रूप में सुरभि मेहरा व शिल्पा जाजू उपस्थित थीं। कार्यक्रम का संचालन पूजा मूंधड़ा व आरती चांडक ने किया। माहेश्वरी महिला मंडल अध्यक्ष निर्मला जाजू की अध्यक्षता में सचिव शामल जाजू, शील राठी, दुर्गा सारडा, पूजा मूंधड़ा, किरण चांडक, हर्षा तोषनीवाल, दीपा जाजू, आरती चांडक, रक्षा नावंदर, पूजा माहेश्वरी, स्वाति माहेश्वरी आदि का विशेष योगदान रहा।

हरियाली अमावस्या पर किया पौधारोपण

जोधपुर. माहेश्वरी महिला संगठन (नोर्थ जोन) द्वारा सावन मास की हरियाली अमावस्या व पुष्य नक्षत्र को ध्यान में रखते हुए शिवालयों के दर्शन और पिकनिक का आयोजन किया गया। इसमें राष्ट्र व समाज की समृद्धि को मद्देनजर रखते हुए परिसर में पौधारोपण व पक्षियों के परिंडे लगाए गए व हाऊजी और मनोरंजक गेम्स का आयोजन भी किया गया। संध्या आरती, भजन के साथ बिल्व-पत्र, रुद्राक्षमाला शिवलिंग पर अर्पित कर प्रसादी के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया। सचिव लता राठी ने बताया कि अध्यक्ष मीना साबू के नेतृत्व में मोनिका, पायल, नंदीनी, सुनीता, अंजू, प्रेरणा, मंजू, उषा, संतोष, नीता आदि ने सहयोग दिया।

जन्मदिवस पर आप सब, पेड़ रोपना पाँच। ऐसा करना धर्म है, यही बात है साँच।।

एक पीपल, एक नीम, एक बरगद, दस फूल प्रजाति के वृक्ष, दो अनार, दो नारंगी और पाँच आम के वृक्ष रोपने वाले नरक में नहीं जाते।

– वराह पुराण, 12-2-39

जन्मदिवस भलि-भाँति से, तब होगा साकार। पेड़ रोपने को रहें, इष्ट मित्र तैयार।।

रंगारंग सावन का हुआ आयोजन

रायपुर. माहेश्वरी युवा मंडल महिला समिति द्वारा सावन का रंगारंग कार्यक्रम गत 10 अगस्त को वृंदावन हॉल, सिविल लाइंस में आयोजित किया गया। इस अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि शशिकला काबरा एवं विशिष्ट अतिथि सविता गांधी थीं। जिलाध्यक्ष सरला चांडक, सचिव कंचन होलानी, कार्यसमिति सदस्य उषा मोहंता, युवा मंडल अध्यक्ष नीलिमा लड्ढा एवं सचिव नीना राठी भी मौजूद थीं। कार्यक्रम की संयोजिका सुरुचि नत्थानी एवं सुमन माहेश्वरी थीं। भावना मर्दा, शीलू राठी, नीता बजाज, रेखा हुरकट, शीतल डागा, सविता केला, प्रीति राठी, संगीता राठी, प्राची मोहता, राजश्री मूंधड़ा, रमा बागड़ी आदि का इसमें योगदान रहा।

श्री सोडानी की लगी प्रतिमा

ग्वालियर. स्वर्गीय श्री लादुराम सोडाणी ने अपने जीवन का अमूल्य समय सार्वजनिक श्मशान (चार शहर के नाके) को संवारने में लगाया। उन्होंने जंगल में बने श्मशान में टीन शेड लगवाने, गार्डन का विकास करने में, देवताओं (शंकर भगवान) आदि की मूर्तियां लगवाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इससे प्रेरित होकर सर्वसमाज के लोगों ने श्मशान में श्री सोडानी की आदमकद मूर्ति लगाई जो कि माहेश्वरी समाज के लिए गौरव की बात है। उक्त जानकारी अश्विनीकुमार सोमानी सचिव माहेश्वरी मित्र मंडल ग्वालियर ने दी।

राठी अध्यक्ष व चेचाणी बने मंत्री

भीलवाड़ा. रोटरी क्लब के शपथ ग्रहण समारोह में डिस्ट्रिक्ट गवर्नर ने रोटरी क्लब के अध्यक्ष महेश राठी व सचिव मनीष चेचाणी को वर्ष 2018-19 की नई कार्यकारिणी के लिए पद की शपथ दिलाई। श्री राठी और श्री चेचाणी ने बताया कि इस वर्ष समाज में पर्यावरण संरक्षण तथा शिक्षा के कार्यक्रमों को प्राथमिकता से करने का निर्णय लिया गया।

बारहवें पर किया तुलसी पौधों का वितरण

भीलवाड़ा. समाजसेवा के क्षेत्र में अग्रणी संस्था सुमंगल सेवा संस्थान के संस्थापक सदस्य अमित काबरा के पिता स्व. श्री लादूराम काबरा के बारहवें व पगडी दस्तूर की रस्म में आईं सभी बहन-बेटियों व आगंतुक मेहमानों को आभार स्वरूप तुलसी के पौधे भेंट किए गए। सुमंगल सेवा संस्थान के तत्वावधान में आरके कॉलोनी छोटी पुलिया स्थित महर्षि दधीची सर्कल पर आयोजन रखा गया। संस्थान सदस्य शिव नुवाल ने बताया कि स्व. श्री काबरा की स्मृति में संस्थान के सभी सदस्यों द्वारा राम एवं श्याम दोनों ही प्रकार के कुल 201 तुलसी पौधों का वितरण किया गया। काबरा परिवार द्वारा मृत्यभोज उठावने की रस्म में आने वाले सभी आगंतुकों को एक मुट्ठी अनाज चिड़िया के लिए दिया गया था ताकि सभी लोग जीव दया के लिए किए गए नवाचार का अनुसरण कर सकें। आयोजन में विनय काबरा, शिव नुवाल, रामचंद्र मूंदड़ा, तरुण काबरा, विजयलक्ष्मी समदानी, ललित काबरा, तरुण काबरा, निलेश बल्दवा आदि का सहयोग रहा।

एक शाम शहीदों के नाम

नागपुर. माहेश्वरी युवा संगठन द्वारा स्वतंत्रता दिवस पर खेलकूद एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम एक शाम शहीदों के नाम का आयोजन किया गया। खेलकूद प्रतियोगिता का उद्घाटन मनीष नत्थानी ने किया। अध्यक्षता अधिवक्ता योगेश सांवल ने की। सांस्कृतिक कार्यक्रम एक शाम शहीदों के नाम के अतिथि कीर्तिकुमार (बंटी) भांगड़िया, श्याम सोमानी एवं श्रीनिवास मोहता थे। सांस्कृतिक कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रगीत से हुई। एक से बढ़कर एक देशभक्ति पर आधारित रंगारंग कार्यक्रमों की प्रस्तुति बच्चों, युवा, छात्राओं एवं महिलाओं ने दी। अध्यक्षीय उद्बोधन हेमंत राठी, चंद्रकिशोर चांडक ने दिया। इस अवसर पर समाज के प्रावीण्य प्राप्त छात्रों का सत्कार भी किया गया। संयोजक अभिजीत टावरी व सहसंयोजक मयूर राठी थे। हिमांशु चांडक, गोपेश डांगरा, शुभम मोहता, ईशा चांडक, आशीष तापड़िया, आयुष राठी आदि का सहयोग रहा।

सवा लाख शिवलिंग का हुआ रुद्राभिषेक

हैदराबाद. भजन सत्संग समिति एवं संस्कार धारा के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित सवा लाख शिविलिंग का रुद्राभिषेक एवं देवीपुराण कथा का समापन सुल्तान बाजार स्थित श्री नृसिंह मंदिर में भक्ति भावना के साथ हुआ। कार्यक्रम की प्रधान संयोजिका कलावती जाजू ने बताया कि इस पांच दिवसीय धार्मिक अनुष्ठान में रुद्राभिषेक पंडित बालकृष्ण एम. पांडेय शास्त्री द्वारा करवाया गया व देवी पुराण कथा पं. कृष्णचंद्रशास्त्री बनारस के श्रीमुख से हुई। मुख्य यजमान इंद्रादेवी नारायणदास भराड़िया द्वारा पंडितजी का सम्मान मारवाड़ी रीति से किया गया। दैनिक यजमान बद्रीनारायण गोविंद राठी, रामलाल गंगाकिशन सारडा, शांता केदारनाथ सारडा, मंजू सुरेश लाहोटी, सुमन रंगनाथ बजाज, विजयप्रकाश राजेश छापरवाल आदि थे।

पूर्वी उप्र सभा की बैठक संपन्न

वाराणसी. पूर्वी उत्तरी प्रदेश माहेश्वरी सभा की तृतीय कार्यसमिति एवं कार्यकारी मंडल सभा गत 5 अगस्त को माहेश्वरी परिषद वाराणसी के आतिथ्य में आयोजित हुई। माहेश्वरी भवन पर ध्वजारोहण विनोदप्रकाश माहेश्वरी के कर कमलों से हुआ। प्रदेश मंत्री नंदकिशोर झंवर (वाराणसी) ने पिछली सभा की कार्यवाही सदन में उपस्थित सदस्यों के समक्ष प्रस्तुत की। महासभा द्वारा प्रेषित प्रदेश, जिला, तहसील सभा के संविधान संशोधन के प्रारूप पर चर्चा की हुई। पूर्वी उत्तरप्रदेश में सेवा कार्यों हेतु संचालित ट्रस्ट श्री महेश सेवा ट्रस्ट की गतिविधियों व आय-व्यय का ब्योरा ट्रस्ट अध्यक्ष रामकुमार दुजारी (वाराणसी) द्वारा किया गया। उन्होंने महासभा द्वारा कार्पस फंड संबंधी टिप्पणी का हवाला देते हुए अधिक से अधिक सहयोग देने की सदस्यों से अपील की।

जन्मदिवस पर देखना, चाहें यदि उल्लास। हर्षित होकर रोप लें, पौधे अपने पास ।।

सड़क के साथ-साथ वाले वृक्ष युगों-युगों तक अपनी मंजरियों से कोकिलों का, पराग से भ्रमरों का तथा फलों से पथिकों का उपकार करते हैं।

– उपदेश तरंगिणी, 5-7-2

जन्मदिवस पर मोद से, नाचें गाएँ गान। पेड़ रोपना हृदय से, तब सबका कल्याण ।।

महिला समिति के चुनाव सम्पन्न

रायपुर. माहेश्वरी महिला समिति, सदर बाजार के चुनाव विगत दिनों वृंदावन हॉल में पर्यवेक्षक जिलाध्यक्ष सरला चांडक एवं माहेश्वरी सभा रायपुर के गोपाल राठी और संपत काबरा की उपस्थिति में संपन्न हुए। इसमें सर्वसम्मति से संगीता चांडक अध्यक्ष व प्रगति कोठारी सचिव चुनी गईं। उपाध्यक्ष रमा मल, कोषाध्यक्ष नंदा भट्टर, सहसचिव मधु राठी आदि चुनी गईं। कार्यकारिणी सदस्यों का चयन भी हुआ। संरक्षक मंडल में ज्योति राठी एवं प्रतिभा नत्थानी शामिल हैं।

सहस्त्र घट पूजा के साथ जलाभिषेक

जयपुर. महेश क्लब सिविल लाईन्स द्वारा जनाउपयोगी भवन केशव नगर सिविल लाईन्स में सहस्त्र घट पूजा एवं जलाभिषेक का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम के लगभग 350 माहेश्वरी समाजजनों ने भाग लिया एवं प्रसादी ग्रहण की। समारोह में सत्यनारायण काबरा (जेडी सुपारी), प्रदीप बाहेती, ओमप्रकाश दरगड़, मधुसूदन बिहाणी, बजरंगलाल बाहेती आदि ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। जयपुर जिला माहेश्वरी सभा अध्यक्ष रामअवतार आगीवाल भी समारोह में उपस्थित थे। संयोजक राधेश्याम काबरा एवं अध्यक्ष नवलकिशोर झंवर ने अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

बालाजी को 101 किलो के रोठ का लगाया भोग

आगूचा. समाज सदस्य शांतिलाल, महादेवप्रसाद, दिनेश कुमार व रमेशचंद्र मूंदड़ा ने पोते की खुशी व सलामती के लिए आगूचा के बालाजी को 101 किलो के रोठ का भोग लगाया। दिनेश कुमार व कमल मूंदड़ा ने बताया रोठ को बनाने के लिए 101 किलो आटा, 2 पीपा घी, 60 किलो गुड़, 10 किलो सूखे मेवे का उपयोग किया गया। 8,000 कंडों से इसकी सिकाई की गई। इसे बनाने के लिए अजमेर जिले से कारीगरों को बुलाया गया। इस तरह का यह क्षेत्र का पहला भोग था। भोग चढ़ाने के बाद पूरे गांव में प्रसाद बांटा गया।

श्रावण की सैर का किया आयोजन

वरंगल. महिला भक्त मंडली ने हरियाली अमावस्या के दिन भीमावरम स्थित जीएमआर गार्डन में श्रावण की सैर का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में महिलाओं के लिए खेलकूद का आयोजन किया गया। सभी ने मिलकर नृत्य किया। सभी के लिए अल्पाहार व भोजन की व्यवस्था रही। सभी महिलाएं हरे रंग की साड़ी पहन कार्यक्रम में आईं। कुछ दिनों पहले स्थानीय रंगमपेट हनुमान मंदिर के प्रगतिशील मारवाड़ी एवं माहेश्वरी चेरिटबल ट्रस्ट भवन में नवदिवसीय रामायण का परायण भी किया गया।

सावन महोत्सव का हुआ आयोजन

भीलवाड़ा. आरकेआरसी माहेश्वरी महिला मंडल के तत्वावधान में सावन महोत्सव की आयोजन मंडल अध्यक्ष वंदना नुवाल व सचिव इंदिरा हेड़ा के नेतृत्व में किया गया। मंडल की प्रचार मंत्री सुचिता कोगटा ने बताया कि सावन महोत्सव कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण 'ब्यूटीविथ ब्रेन' पर आधारित मिसेज लहरिया प्रतियोगिता थी। इसके अंतर्गत निर्णायक मंडल द्वारा प्रथम, द्वितीय व तृतीय आने वाली महिलाओं को पुरस्कृत किया गया। विशेष अतिथि के रूप में अनिला अजमेरा, सीमा कोगटा व गायत्री मूंदड़ा को आमंत्रित किया गया। कार्यक्रम के अंत में सभी सदस्याओं ने सामूहिक भोज का आनंद लिया।

जन्मदिवस पर आपकी, नहीं सधेगी डोर। रोप देख लें पेड़ को, कैसे नाचें मोर।।

फूले–फले वृक्ष
इस जगत् में
मनुष्यों को तृप्त करते हैं।
जो वृक्षों का दान करते हैं,
उनको वे वृक्ष पुत्र की भाँति
परलोक में तारते हैं।
– महाभारत, अनु. पर्व, 58/30

जन्मदिवस पर गाँव में, ऐसे बनें विधान। पौधारोपण एक ही, कोटिक यज्ञ समान।।

समिति के चुनाव सम्पन्न

भीलवाड़ा. श्री महेश बचत एवं साख सहकारी समिति लि. संजय कॉलोनी के संचालक मंडल सदस्यों एवं पदाधिकारियों के चुनाव अधिकारी प्रदीप चौधरी द्वारा करवाए गए। इसमें निर्विरोध रूप से अध्यक्ष कैलाशचंद्र मूंदड़ा, उपाध्यक्ष श्यामसुंदर समदानी, सचिव बालमुकुंद राठी, कोषाध्यक्ष रतनलाल सामरिया, कार्यसमिति सदस्य चंद्रेश मूंदड़ा, रामराय गट्टानी, अशोक झंवर, मोहन मंत्री आदि चुने गए। श्री खटोड़ ने अध्यक्ष पद पर स्वयं को स्थापित करने के लिए स्वपोषित सिद्धांतों की बलि दी। इस बात की चर्चा भी रही।

जिला सभा ने किया वृक्षारोपण

नागपुर. जिला माहेश्वरी सभा ने गत 18 अगस्त को माहेश्वरी पंचायत सीताबर्डी भवन के सामने वाले मार्ग मानस चौक पर वृक्षारोपण किया। यह वृक्षारोपण एक स्पेशल तकनीक से किया गया, जिसमें 8-10 फीट ऊंचे पेड़ लगाए गए, जिसमें 15 दिन तक पानी देना नहीं पड़ता। इसमें 50 वृक्ष लगाए गए। शुरुआत गिरीश व्यास विधायक, गिरीश गांधी अध्यक्ष वनराई, शिवबाबू गांधी अध्यक्ष नागपुर जिला माहेश्वरी सभा, उज्वला शर्मा नगरसेविका, शोभा सादानी पूर्व महिला अध्यक्ष, अखिल भारतीय संघटन कोलकाता के करकमलों द्वारा किया गया। सचिव दिनेश राठी ने बताया कि नंदूबाबू सारडा, प्रकाश सोनी, अशोक चांडक, महेश मूंधड़ा, चंद्रकिशोर चांडक, सुषमा बंग, विद्या लद्दड़, उर्मिला चांडक, राकेश भैय्या, सुरेश गांधी आदि उपस्थित थे।

समाज के भवन में पौधारोपण

भीलवाड़ा. संजय कॉलोनी माहेश्वरी भवन में समाजजनों ने गत 4 अगस्त को अनेक पौधे लगाए। अध्यक्ष प्रहलाद नुवाल, मंत्री कैलाश मूंदड़ा, सत्यनारायण तोषनीवाल, बी.एल. माहेश्वरी, राधेश्याम लड्ढा, रामप्रसाद सोमानी, लोकेश आगाल, राजेंद्र कालिया, महेश सोमानी, अभिषेक सोमानी, अमित कचोलिया सहित कई समाजजन मौजूद थे।

स्वदेश कार्यक्रम का हुआ आयोजन

दिल्ली. प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा गत 11 अगस्त को सुषमा समिति के अंतर्गत देशभक्ति पर आधारित 'स्वदेश' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आयोजक संस्था दक्षिणी क्षेत्र थीं। इसमें देशभक्ति और सामयिक राष्ट्र विकास पर आधारित समूह गान, विचित्र वेशभूषा तथा चित्रकला स्पर्धाओं का आयोजन हुआ। प्रदेशाध्यक्ष किरण लढ़ा व सचिव श्यामा भांगड़िया ने अतिथियों के साथ शुभारंभ किया। दक्षिणी क्षेत्र की अध्यक्ष वीणा जाजू ने अध्यक्षीय उद्बोधन, प्रदेशाध्यक्षा किरण लढ़ा, विशिष्ट अतिथि पद्मश्री डॉक्टर के.के. अग्रवाल, बीनू पलतानी तथा मुख्य अतिथि आशा मूंधड़ा ने सभा को संबोधित किया। सभी अतिथियों का स्वागत दक्षिणी क्षेत्र द्वारा तिरंगे के बैच लगाकर किया गया। बच्चों द्वारा आसमान में तिरंगे गुब्बारे उड़ाना एक मनभावन दृश्य उपस्थित कर रहा था।

शिवांगी लंदन में सम्मानित

ग्वालियर. समाज सदस्य अतुल-सुनीता लड्ढा की पुत्री एवं अभा माहेश्वरी महिला मंडल संगठन की पूर्व अध्यक्ष मनोरमा लड्ढा तथा सीए जीडी लड्ढा की पौत्री शिवांगी लड्ढा को एंथेनी डॉउसन यंग प्रिंट मेकर्स अवॉर्ड से रॉयल सोसायटी ऑफ पेंटर्स द्वारा सम्मान पत्र एवं 500 पॉड्स के कैश अवॉर्ड से लंदन में सम्मानित किया गया। इसके पूर्व भी शिवांगी को अनेकों अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है, जिसमें लांगलिस्ट सिग्नेचर ऑर्ट प्राईस 2015 तथा जारवुड ड्राइंग प्राईज 2014 यूके विशेष उल्लेखनीय है। वर्तमान में शिवांगी अमेठी यूनिवर्सिटी में फाईन आर्ट्स की सहायक प्राध्यापक के तौर पर कार्यरत हैं।

रोपेंगे जन्मदिन पर, पेड़ एक-दो मीत। भोजन भी इनसे मिले, गाएँ इनके गीत।।

वृक्ष तो
सज्जनों जैसे
परोपकारी होते हैं। स्वयं
धूप में खड़े हुए भी वे दूसरों को
छाया देते हैं। इनके फल भी दूसरों
के उपयोग के लिए ही होते हैं।

– विक्रम चरितम्, 65

पौधे का औ' पेड़ का, जन्मदिवस पर सार। पौधा देता पेड़ बन, पौधे कई हजार।।

सहज योग शिविर का हुआ आयोजन

जयपुर. गत 1 जुलाई को क्षेत्रीय माहेश्वरी सभा, सोडाला, जयपुर द्वारा एमपीएस इंटरनेशनल स्कूल, तिलक नगर में सहज योग का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में स्थानीय सहज योग टीम द्वारा सहज योग ध्यान पद्धति को संक्षिप्त रूप में समझाया गया। कार्यक्रम में जयपुर की चारों क्षेत्रीय सभाओं, क्षेत्रीय महिला संगठन एवं क्षेत्रीय युवा संगठन का सहयोग प्राप्त हुआ। पूर्वोत्तर राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष कैलाश सोनी ने दीप प्रज्जवलन द्वारा कार्यक्रम का शुभारंभ किया। पूर्वोत्तर राजस्थान प्रादेशिक महिला संगठन व जयपुर जिला माहेश्वरी महिला संगठन का भी पूर्ण सहयोग रहा। कार्यक्रम के संयोजक रमेशकुमार भैया थे। हुकुमीचंद मूंदड़ा एवं दुर्गादेवी मूंदड़ा प्रमुख सहयोगी थे। क्षेत्रीय माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष नवलकिशोर झंवर ने आभार व्यक्त किया।

माहेश्वरी क्लब का अधिवेशन संपन्न करनानी बने क्लब सभापति

कोलकाता. माहेश्वरी क्लब (अंतर्गत माहेश्वरी सभा कोलकाता) का साधारण अधिवेशन गत 5 अगस्त को माहेश्वरी भवन में संपन्न हुआ। शुभारंभ क्लब के नव निर्वाचित सभापति घनश्याम करनानी ने भगवान महेश की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया। मंत्री नरेंद्र करनानी ने बताया कि इस अवसर पर 4 सदस्य प्रतिनिधियों के चुनाव की घोषणा की गई, जो निर्विरोध चुन लिए गए थे। इस प्रकार क्लब के संगठन में सभापति एवं मंत्री के साथ उपमंत्री बसंत लखोटिया, कोषमंत्री बृजमोहन बाहेती, कार्यकारिणी सदस्य शैलेश डागा, राकेश मोहता, नंदकिशोर डागा, तेजकरन राठी सदस्य प्रतिनिधी नंदकिशोर सादानी, गिरिधर मल्ल, किशोर मल्ल और विजय पुरोहित चुने गए।

हरियाली अमावस्या का किया आयोजन

मालेगांव. स्थानीय महालक्ष्मी माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा हरियाली श्रावणी अमावस्या का आयोजन किया गया। इसमें सभी सदस्याएं उपवन में हरी साड़ी पहनकर आईं। चाय, नाश्ता, थोड़ी मौज और मस्ती और खेल खेलने तथा मोरनी बनकर नृत्य करने का आंनद लिया। सभी ने हरियाली से संबंधित उखाणा (नाम लेना) स्पर्धा में हिस्सा लिया। स्पर्धा व खेल के गिफ्ट सभी को दिए गए। मंडल की शारदा लाहोटी, मानीषा झंवर, अनिता कंलत्री, रत्ना लढ़ा सहित सभी सदस्याएं उपस्थित थीं।

विद्यार्थियों को स्टेशनरी वितरण

मांडल. गत 18 अगस्त को माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में विद्यार्थियों को कॉपियां व स्कूल ड्रेसेस वितरित की गई। इसमें मंडल के समस्त पदाधिकारी व सदस्य सम्मिलित हुए।

टॉक शोक का हुआ आयोजन

जयपुर. जिला माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा गत 17 अगस्त को एमपीएस इंटरनेशनल स्कूल के सभागार में टॉक शो आयोजित किया गया। मुख्य वक्ता अभा माहेश्वरी महिला संगठन की भूतपूर्व अध्यक्ष बिमला साबू (सूरत) ने कहा कि जिंदगी की द्वितीय पारी (50 वर्ष बाद) में स्वास्थ्य का पूर्ण ध्यान रखें। पति-पत्नी समर्पित भाव से परस्पर स्नेहपूर्ण वातावरण में जीयें। सभी प्रतिभागियों से परस्पर चर्चा भी हुई। कार्यक्रम डेढ़घंटे तक चला। विशिष्ट अतिथि डॉ. किरण मालपानी एवं आशा सारडा थी। जिला महिला संगठन अध्यक्ष उमा परवाल ने सभी का स्वागत किया। कार्यक्रम संयोजक ज्योति तोतला थीं। प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन की अध्यक्ष सविता पटवारी भी उपस्थित थीं। कार्यक्रम के प्रारंभ में भूतपूर्व प्रधानमंत्री श्री अटलबिहारी वाजपेयी के निधन पर 2 मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

स्वतंत्रता दिवस का हुआ आयोजन

रायपुर. स्थानीय महेश सभा द्वारा राष्ट्रीय पर्व स्वतंत्रता दिवस गत 15 अगस्त को महेश युवा संगठन एवं महेश महिला संगठन के साथ मिलकर महेश भूमि मोवा पर मनाया गया। समाजसेवी एवं प्रसिद्ध उद्योगपति पुरुषोत्तम मंत्री मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित थे। अंत में सभी सदस्यों के लिए स्वल्पाहर की व्यवस्था रखी गई। मुख्य रूप से प्रहलाद पेड़ीवाल, हेमंत तोतला, विकास लाहोटी, प्रदीप लखोटिया, रमेश सोमानी, जगदीश मोहता, अशोक तापड़िया, कन्हैयालाल करनानी, किसन गट्टानी, रामावतार लाहोटी आदि उपस्थित रहे। उक्त जानकारी सभा सचिव किसनगोपाल करवा द्वारा दी गई।

बाहेती का स्वतंत्रता दिवस पर सम्मान

कोटा. स्वतंत्रता दिवस पर जिला प्रशासन द्वारा आयोजित कार्यक्रम में समाजसेवी गतिविधियों के लिए मधुललित बाहेती अध्यक्ष इनरव्हील क्लब कोटा को सम्मानित कया गया। उन्हें जिला कलेक्टर द्वारा इस अवसर पर प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया।

विदर्भ महिला संगठन की बैठक संपन्न

गोंदिया. विदर्भ प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन के अष्टम सत्र की षष्टम सभा का आयोजन गोंदिया जिला माहेश्वरी महिला संगठन तथा अर्जुनी मोरगांव माहेश्वरी महिला संगठन के आतिथ्य में संपन्न हुआ। सभा का संचालन प्रदेश सचिव भारती राठी ने किया। प्रादेशिक अध्यक्ष उषा करवा ने सर्वप्रथम 'गोल्डन बुक ऑफ रेकॉर्ड' शरबत महावितरण के कार्यक्रम में विदर्भ के सभी जिलों के सार्थक सहभाग के लिए बधाइयां दीं। अधिक मास में सुचिता समिति संयोजिका कल्पना भूतड़ा, अकोला का भागवत कथा संकल्प के लिए स्वागत किया गया। सचिव भारती राठी ने पारिवारिक समरसता समिति के अंतर्गत आज की ज्वलंत समस्या जैसे तलाक और अंतरजातीय विवाह विषय पर जिलास्तर पर टॉक शोक आयोजित किया गया। सभी जिलाध्यक्षों से जनवरी से मई माह की रिपोर्टिंग लिखित में ली गई। इस अवसर पर ज्योति राठी ने मध्यांचल में विदर्भ सर्वश्रेष्ठ प्रदेश कहकर प्रशंसा की। इस अवसर पर सुलेखा समिति अंतर्गत लेख स्पर्धा व कामकाजी महिलाओं की दोहरी भूमिका के विजेताओं को पुरस्कार वितरण किया गया।

स्कूल परिसर में पौधारोपण

भीलवाड़ा. पर्यावरण की रक्षा करना हमारी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। यह बात समाजसेवी व एमपीएस पब्लिक स्कूल के मुख्य संरक्षक लादुलाल बांगड़ ने महेश प्रगति संस्थान द्वारा संचालित एमपीएस पब्लिक स्कूल छापरी के परिसर में आयोजित पौधारोपण कार्यक्रम में कही। महेश प्रगति संस्थान मंत्री सुशील मरोठिया ने बताया कि कार्यक्रम का आगाज मुख्य संरक्षक श्री बांगड़ व सांसद सुभाषचंद्र बहेड़िया के आतिथ्य में हुआ। कार्यक्रम के दौरान 300 से अधिक वृक्षों के छायादार पौधे मुख्य संरक्षक श्रीगोपाल राठी, कृष्णगोपाल तोषनीवाल, राधाकिशन सोमानी, हरिनारायण मोदानी, ओमप्रकाश नराणीवाल व संस्थान अध्यक्ष सत्यनारायण डाड के सान्निध्य में स्कूल परिसर में लगाए गए। लक्ष्मीनारायण हेड़ा, शांतिलाल डाड, दिलीप तोषनीवाल, रामगोपाल राठी, प्रहलाद अजमेरा, भेरूलाल काबरा, मुरलीधर चेचाणी आदि मौजूद थे।

जो व्यक्ति 'स्पष्ट, साफ़, सीधी' बात करता है
उसकी वाणी तीव्र और कठोर होती है।
लेकिन ऐसा 'व्यक्ति' कभी किसी को धोखा नहीं देता?
'सीधे और सच्चे बनें'

तीजोत्सव का हुआ आयोजन

मेरठ. माहेश्वरी महिला मंडल मेरठ द्वारा गत 16 अगस्त के दिन तीज महोत्सव हर्षोल्लास से मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि कल्पना गगडानी व विशिष्ट अतिथि कांता गगरानी ने किया। पश्चिमी उत्तरप्रदेश की अध्यक्ष विनीता राठी, सचिव मंजू हरकुट मेरठ, अध्यक्ष मधु डांगरा ने अध्यक्षता की। महिला मंडल के पूर्व अध्यक्ष व मंत्रियों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में महिलाओं के लिए 'नारी तेरी महिमा न्यारी' व 'लड्डू गोपाल पोशाक सज्जा स्पर्धा' आयोजित की गई। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ पर नाटिका भी आयोजित की गई। विभिन्न थीम पर नृत्य किए गए।

समाज ने आईजी को सौंपा ज्ञापन

उज्जैन. माहेश्वरी समाज ने उज्जैन आईजी राकेश गुप्ता को ज्ञापन देकर गत 10 अगस्त को नीमच में समाज के युवा तरुण बाहेती पर हुए प्राणघातक हमले के आरोपियों को शीघ्र गिरफ्तार करने की मांग की गई। पश्चिमांचल प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष राजेंद्र ईनानी, युवा महासभा के अध्यक्ष पीयूष राठी उज्जैन, महासभा के अध्यक्ष वासुदेव काबरा सहित 50 से अधिक समाजजन प्रतिनिधि मंडल के रूप में आईजी से मिलने पहुंचे। उन्होंने आरोप लगाया कि राजनीतिक हस्तक्षेप के चलते हमलावरों को पुलिस गिरफ्तार नहीं कर रही। हमले के शिकार तरुण बाहेती को उपचार के लिए बांबे हॉस्पिटल में रखा गया है। उन्होंने मांग की कि पुलिस हमलावरों पर धारा 307 लगाते हुए तत्काल गिरफ्तार करें।

झूलोत्सव के साथ मनी नवमी

कांटाफोड़. (जिला देवास). मीना नागोरी की अध्यक्षता में महेश नवमी पर्व एवं झूला उत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। महेश नवमी पर पौधारोपण कर 2100 गिलास लाल गुलाब शरबत का महिला मंडल द्वारा वितरण किया गया। बच्चों के लिए समर कैंप का आयोजन भी किया गया। जिसमें 70 बच्चों ने हिस्सा लिया एवं सभी को प्रोत्साहन पुरस्कार दिए गए।

> "चाहत वो नहीं जो जान देती है,
> चाहत वो नहीं जो मुस्कान देती है,
> ऐ दोस्त चाहत तो वो है,
> जो पानी में गिरा आंसू पहचान लेती हैं."

प्रेमकिशोर सिकची चॅरीटिबल ट्रस्ट, अहमदाबाद निर्मित

SIKCHI RESORT - A Green Paradise

आलिशान 'सिकची रिसोर्ट', वलगांव

विशेषताएं : * निसर्गरम्य, शांत पवित्र वातावरण में शुभ कार्यों को यादगार बनाने का एक अनूठा अनुभव। * विदर्भ में उच्च कोटि के लिए नामांकित वातानुकूलित वास्तु में करीब 300 मेहमानों के लिए ठहरने की उत्तम व्यवस्था। * मंदिर, भव्य स्टेज, सभागृह, पार्किंग, जलप्रपात, बालवाटिका तथा अति आधुनिक शाकाहारी रेस्टारेंट का सानिध्य, एक सुंदर पिकनिक स्पॉट * रात-दिन कार्यरत प्रशिक्षित सेवकगण की उपस्थिति। * जनहित कार्यक्रम बिनामूल्य तथा सम्पूर्ण आय सामाजिक उत्थान के लिए व्यय करने का दृढसंकल्प।

'सिकची रिसोर्ट', वलगांव, नागपुर से करीब 160 कि.मी. तथा अमरावती से 10 कि.मी. दूरी पर अमरावती-परतवाड़ा मार्ग पर स्थित है। विविध पैकेजेस तथा अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें।

सचिन धरनकर
मो. 7507805264

Email : sikchi123@yahoo.com

पियूष शर्मा
मो.नं. 9637385336

मोदानी का मना 79वां बलिदान दिवस

निजामाबाद (तेलंगाना). शहीद राधाकिशन मोदानी शिक्षा समिति ट्रस्ट, राधाकृष्ण स्कूल, आर्य समाज, स्वतंत्रता सेनानी संघ, माहेश्वरी समाज व राजस्थानी समाज के संयुक्त तत्वावधान में गत 2 अगस्त को रेलवे कमान चौराहे पर शहीद राधाकिशन मोदानी का बलिदान दिवस मनाया गया। शहीद श्री मोदानी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर अतिथि डी. सत्यनारायण (सरकार के पूर्व मंत्री संयुक्त आंध्रप्रदेश) ने पुष्पमाला अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। उन्होंने बताया कि शहीद श्री मोदानी ने आर्य समाज से जुड़कर व आर्य समाज के आदर्शों पर चलकर देश व गोमाता की रक्षा में सारा जीवन लगा दिया। कई बार श्री मोदानी जेल भी गए। इनके इस आंदोलन से भयभीत होकर उनके ऊपर प्राणघातक हमला किया गया जिसमें वे शहीद हो गए। आर्य समाज निजामाबाद के प्रधान वेंकटनरसम्या ने अपनी श्रद्धांजलि देते हुए बताया कि आर्य समाज प्रतिवर्ष बलिदान दिवस मनाता है। इस अवसर पर राधाकृष्ण विद्यालय के मंत्री विक्रम राजस्थानी, शिक्षा समिति के मंत्री ओमप्रकाश अट्टल, माहेश्वरी चेरिटेबल ट्रस्ट के पूर्व सभापति सत्यनारायण, जिला वर्तमान कोषाध्यक्ष गोपीकिशन छापरवाल, शहीद राधाकिशन मोदानी स्मारक समिति के संयोजक एवं उनके पौत्र ओमप्रकाश मोदानी, प्रपौत्र विनोद मोदानी, चंपालाल ईनानी, भरत मानधन्या, दिनेशचंद्र सिंघल आदि मौजूद थे।

ज्ञान से विज्ञान सेमिनार संपन्न

अमरावती. स्थानीय दुर्गाविहार स्थित राठीज एजुकेशन हब में गत 15 अगस्त को दोपहर 1 से 3 बजे तक सभी युवा छात्रों को 'ज्ञान से विज्ञान' विषय पर युवा वैज्ञानिक ऋषभ भूतड़ा द्वारा मार्गदर्शन दिया गया। सेमिनार के शुरुआत में छात्रों को प्राचीन भारतीय तकनीक और वैज्ञानिकों के बारे में जानकारी दी गई। अपने-अपने सवालों के जवाब से संतुष्ट होकर छात्रों ने ऐसे सेमिनार बार-बार आयोजित करने का अनुरोध किया। राठीज एजुकेशन हब की संचालिका संगीता सीताराम राठी द्वारा ऋषभजी का सत्कार कर सभी का आभार व्यक्त किया गया।

कई बार आप स्वयं को तब तक स्पष्ट रूप से नहीं देख सकते, जब तक की आप दूसरों के नज़रिये से स्वयं को न देख सकें ?
'विवेकशील बनें'

मुक्तिधाम पर किया पौधारोपण

भीलवाड़ा. केकड़ी क्षेत्रीय सभा अंतर्गत माहेश्वरी नवयुवक मंडल द्वारा देवगांव गेट मुक्तिधाम में पौधारोपण किया गया। इसमें केकड़ी क्षेत्रीय सभा अध्यक्ष राकेश चौधरी, माहेश्वरी नवयुवक मंडल अध्यक्ष मयंक न्याती, अजमेर जिला युवा संगठन कोषाध्यक्ष महावीरप्रसाद राठी, प्रदेश कार्यकारिणी से गोपाल बियानी, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य महेश सोमानी, अजमेर जिला युवा संगठन कार्यकारिणी सदस्य अंकित नवाल, श्री माहेश्वरी नवयुवक मंडल संरक्षक महेश काबरा, कुश बागला, प्रवीण बागला, उपाध्यक्ष नवल दुदानी, रौनक सोमानी, अभिषेक माहेश्वरी, सहसचिव मोहित मोदी, आर्यन राठी व रोहित राठी आदि का सहयोग रहा।

भूतड़ा 'महेश शिक्षा रत्न' से सम्मानित

आकोट. अकोला जिला माहेश्वरी युवा संगठन द्वारा जिला महेश गौरव पुरस्कार कार्यक्रम गत 22 जुलाई को आयोजित किया गया। कार्यक्रम में अकोट स्थित विध्यांचल द स्कूल के संचालक दिनेश भूतड़ा को महेश शिक्षा रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर परिवार के सदस्य, उनकी धर्मपत्नी, स्कूल की सचिव सारिका भूतड़ा, राजेश भूतड़ा, पूजा भूतड़ा आदि उपस्थित थे।

महिला संगठन ने किया पौधारोपण

भीलवाड़ा. जिला माहेश्वरी महिला संगठन की तरफ से हरियाली अमावस्या पर ग्राम आरजिया में पौधारोपण किया गया। जिलाध्यक्ष अनिला अजमेरा, सचिव सीमा कोगटा, उपाध्यक्ष प्रीति लोहिया, प्रदेश उपाध्यक्ष सुनीता बल्दवा, शास्त्री नगर अध्यक्ष अंकिता राठी, क्षेत्रीय सभा से शिखा अजमेरा व दमयंती लोहिया आदि मौजूद थीं।

पौधारोपण का हुआ आयोजन

भीलवाड़ा. श्री महेश सेवा समिति के छात्रावास में गत 14 अगस्त को श्री माहेश्वरी टाईम्स व महेश सेवा समिति के तत्वावधान में पौधारोपण कार्यक्रम सांसद सुभाषचंद्र बहेड़िया, उपसभापति देवकरण गग्गर, पूर्व उपसभापति आरएल नौलखा, श्री महेश सेवा समिति अध्यक्ष राधेश्याम चेचाणी, नगर अध्यक्ष केदारमल जागेटिया व पर्यावरणविद् गोविंदप्रसाद सोडाणी के आतिथ्य व मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। इस अवसर पर समाजसेवी गोविंदप्रसाद सोडानी द्वारा विशेष मंत्रोच्चार करके अतिथियों से अशोक के पौधे लगवाये गए व सभी को तुलसी के पौधे भी वितरित किए गए। इस अवसर पर महिला मंडल जिलाध्यक्ष अनिला अजमेरा, जिला मंत्री सीमा कोगटा, प्रदेश कोषाध्यक्ष सुरेश कचोलिया, जिला मंत्री देवेंद्र सोमानी, नगर मंत्री केदार गगराणी, संगठन मंत्री अतुल राठी, उपाध्यक्ष सुरेश बिरला, श्रीलाल कोगटा, समाजसेवी सत्यनारायण तोषनीवाल, ओमप्रकाश गट्टानी, हेमराज जागेटिया, पूर्व प्रदेश युवा अध्यक्ष लोकेश आगाल, प्रदेश युवा महामंत्री जगदीश लड्ढा, महेश सेवा समिति सचिव राजेंद्र कचोलिया, कोषाध्यक्ष सत्यनारायण मूंदड़ा आदि मौजूद थे। प्रतिनिधि शंकर सोनी द्वारा सभी अतिथियों का आभार प्रकट किया गया।

इंद्रधनुष के अंतर्गत आयोजित हुआ सिंजारा

महू. श्री माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा माहेश्वरी विद्यालय में इंद्रधनुष के अंतर्गत सिंजारा उत्सव मनाया गया। इस उत्सव में कुछ प्रतियोगिता रखी गई। इसमें सोलो डांस, तीज एवं सावन के गीत, रंगारंग तंबोला, मनभावन गेम्स आदि शामिल किए गए। विजेताओं को अध्यक्ष किरण माहेश्वरी ने पुरस्कृत किया। उक्त जानकारी देते हुए रजनी सोडानी ने बताया उक्त उत्सव में मंडल की सदस्यों ने घूमर डांस कर अपनी प्रस्तुति दी। कार्यक्रम का संचालन लता लड्ढा व सीता चेचाणी ने किया। आभार संगीता बियाणी ने माना। आंगतुकों का स्वागत संयोजिका स्वाति सारड़ा व अलका शारदा ने किया।

रिलीफ फाउण्डेशन में 51 हजार रुपए भेंट

नागपुर. अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा द्वारा संचालित माहेश्वरी रिलीफ फाउंडेशन में पोहा पार्टी परिवार नागपुर द्वारा 51 हजार रुपए की राशि भेंट की गई। इसमें सदस्य पुरुषोत्तम टावरी, शैलेंद्र राठी, ओम गांधी, घनश्याम राठी, डॉ. गिरधर हेड़ा, कमल करवा, प्रकाश भैय्या, श्रीकिशन राठी, महेश टावरी, किशोर गोयदानी, अशोक पनपालिया, अशोक झंवर, मुरली राठी, रवींद्र गांधी तथा गोपाल राठी आदि द्वारा सहयोग राशि अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा कार्यालय नागपुर में प्रदान की गई।

सावन की सैर का हुआ आयोजन

हैदराबाद. माहेश्वरी समाज दिलसुखनगर द्वारा सावन की सैर का आयोजन श्री निधि रिसार्ट, घटकेसर में किया गया। संयोजक राकेश फोफलिया ने बताया कि सर्वप्रथम गणेश वंदना की गई। तत्पश्चात दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटलबिहारी वाजपेयी को श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर वाटर गेम्स, इंडोर एवं आउटडोर गेम्स, क्रिकेट, बास्केटबॉल आदि का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सीताराम रांदड़, रामनिवास सोनी, ओमप्रकाश राठी, पूरणमल बियाणी, जगदीश राठी सहित कई सदस्य मौजूद थे।

जन्मदिवस पर चढ़ रहे, जीवन सीढ़ी एक। एक पेड़ हम रोप लें, यही काम है नेक।।

किन्नर, नाग, राक्षस, देवता, गन्धर्व, मनुष्य और ऋषियों के समुदाय–ये सभी वृक्षों का आश्रय लेते हैं।

– महाभारत, अनु. पर्व, 58/29

जन्मदिवस रोपें सभी, पेड़ अगर हर बार। हरियाली सब ओर हो, व्यापे हर्ष अपार।।

कन्यादान योजना में विवाह संपन्न

नासिक. समाज में ऐसे बहुत से लोग हैं जो धनाभाव व जनाभाव (जनशक्ति की कमी) के कारण विवाह जैसे मांगलिक उत्सवपूर्ण करने में कठिनाई महसूस करते हैं। वो परिवार खुद इस मांगलिक उत्सव का सही आनंद नहीं ले पाते। ऐसे में वसंतलाल लक्ष्मीनारायण राठी के सहयोग के कारण निश्चय किया गया कि क्यों न हम सब मिलकर एक ऐसी योजना बनाए जिसके माध्यम से पाणीग्रहण संस्कार के इच्छुक जोड़ों को सभी सुविधाएं उपलब्ध करवाकर धूमधाम से विवाह किया जाए। इसके अंतर्गत एक अभिनव प्रकल्प कन्यादान योजना का शुभारंभ हुआ। नासिक नगर माहेश्वरी सभा के माध्यम से एक नया कोष बनाया गया, मातोश्री चंपाबाई लक्ष्मीनारायण राठी चेरिटेबल ट्रस्ट। इस प्रकल्प के अंतर्गत प्रथम विवाह गत 6 जुलाई को नासिक में श्री माहेश्वरी बालाजी मंदिर ट्रस्ट द्वारा संचालित मातोश्री चंपाबाई राठी माहेश्वरी भवन रविवार पेठ नासिक में संपन्न हुआ। इसमें येवला निवासी बजाज परिवार की सुपुत्री श्यामली तथा पूना निवासी मूंदड़ा परिवार के सुपुत्र संकेत का विवाह संपन्न हुआ। कुमकुम से लेकर विवाह की सभी रस्में निभाई गईं तथा दो दिनों तक आनंद व उल्लास के वातावरण में वर-वधू के परिवार तथा अतिथियों का भरपूर स्वागत किया गया। इस विवाह का संपूर्ण खर्चा रुपा 93 हजार रुपए हुआ जो ट्रस्ट द्वारा वहन किया गया। उक्त जानकारी जयप्रकाश लड्ड़ ने दी।

भंसाली 'मानव रत्न' से सम्मानित

रतलाम. रक्तमित्र के नाम से प्रसिद्ध रतलाम के दिलीप के भंसाली (पुत्र गंगादेवी कन्हैयालाल भंसाली) को पश्चिम बंगाल में मानव एकता फाउंडेशन कोलकाता द्वारा रक्तदान के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य के लिए 'मानव रत्न' से सम्मानित किया गया। रक्तदान जीवनदान ग्रुप से अपनी पहचान बनाने वाले श्री भंसाली का राष्ट्रीय स्तर पर ये पांचवां सम्मान है। वे स्वयं भी 90 बार रक्तदान कर चुके हैं।

सेनेटरी पेड वेंडिंग मशीन लगाई

अलीगढ़. माहेश्वरी महिला सेवा समिति ने माहेश्वरी गर्ल्स इंटर कॉलेज में बालिकाओं की सुविधा व स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए सेनेटरी पेड वेंडिंग मशीन व इंसीनेटर (डिस्पोजल) मशीन लगाई। राष्ट्रीय अध्यक्ष कल्पना गगरानी ने फीता काटकर इसका उद्घाटन किया। उत्तरांचल की अध्यक्ष कांता गगरानी, प्रदेश संरक्षिका रेखा माहेश्वरी, प्रदेशाध्यक्ष विनीता राठी और सचिव मंजू हरकुट ने दीप प्रज्वलन किया। इसके बाद सभी अतिथियों ने पौधारोपण भी किया। साथ ही छह गरीब बच्चों को पढ़ने के लिए स्कूल फीस निधि डॉक्टर आशा राठी ने भेंट की। मंजू हरकुट ने सभी का आभार व्यक्त किया। अंत में पूर्व प्रधानमंत्री अटलबिहारी वाजपेयी के निधन पर दो मिनट का मौन रखा गया।

श्रावण मास में पिकनिक का आयोजन

नागदा जं. श्री माहेश्वरी समाज नागदा के तत्वावधान में महिला मंडल, सोशल ग्रुप, यूथ कपल ग्रुप व युवा संगठन के सहयोग से श्रावण मास में प्रतिवर्षानुसार पिकनिक स्थानीय नायन एवं तपोभूमि (रामद्वारा) में आयोजित की गई। पिकनिक में मौज-मस्ती, महिला मंडल द्वारा भजन प्रस्तुति एवं बच्चों द्वारा गीतों की प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम में समाज अध्यक्ष सतीश बजाज, सचिव अशोक बिसानी, महिला मंडल अध्यक्ष सीमा मालपानी, सचिव तारा मोहता, गोविंदलाल मोहता, गोपाल मोहता, गोवर्धनलाल सर्राफ, प्रकाशचंद्र नवाल, देवकरण डांगरा, बंशीलाल मालपानी, विजय अजमेरा, पुनीतकुमार गुप्ता, ब्रजमोहन मोहता आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम का समापन सहभोज द्वारा किया गया। उक्त जानकारी समाज के प्रवक्ता वीरेंद्र मालपानी ने दी।

माहेश्वरी मंडल ने मनाया स्थापना दिवस

गुना. माहेश्वरी मंडल द्वारा गत 3 अगस्त को स्थापना दिवस एक होटल में मनाया गया। इसमें गेम्स के साथ लंच का लुत्फ उठाया गया व पुल पार्टी का आनंद लिया गया। इस अवसर पर मंडल की अध्यक्षा आशा राठी, सचिव पद्मा लाहोटी, ममता माहेश्वरी, नीलिमा लाहोटी, पूनम लड्ढा सहित सभी सदस्याएं मौजूद थीं।

सावन की पिकनिक का हुआ आयोजन

बैंगलुरु. माहेश्वरी सभा द्वारा गत 19 अगस्त को हरियाली से परिपूर्ण तुमकूर रोड स्थित फॉर्म हाउस में पिकनिक का आयोजन किया गया। इसमें समाज के परिवारों ने बच्चों के साथ पूरे दिन विभिन्न प्रतियोगिताओं में उल्लास से भाग लिया। इस आयोजन में बच्चों, युवाओं, महिलाओं व वरिष्ठ सदस्यों के लिए भी विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताएं रखी गईं। सभी ने विभिन्न प्रकार के व्यंजनों का भी मजा लिया। कार्यक्रमों की रूपरेखा बनाने में सुनीता लाहोटी व युवा संघ की टीम की अहम भूमिका रही।

तत्काल चिकित्सा कोष का किया गठन

नागौर. जिला माहेश्वरी समाज के भामाशाहों के सहयोग से 2 करोड़ रुपए की राशि से तत्काल चिकित्सा सहायता कोष का गठन किया गया। इससे नागौर जिले के जरूरतमंद समाज बंधु 2 लाख रुपए तक तत्काल चिकित्सा सहायता प्राप्त कर सकते हैं। शुभारंभ अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में राजस्थान प्रदेश कोषाध्यक्ष एवं अभा माहेश्वरी महासभा के पूर्व महामंत्री रामकुमार भूतड़ा उपस्थित थे। इस अवसर पर मध्य राज. प्रा. महिला अध्यक्ष सुनीता रांदड़ ने आर्थिक आधार पर आरक्षण की पैरवी की। महासभा संयुक्त मंत्री श्यामसुंदर मंत्री, मध्य राज. प्रादेशिक अध्यक्ष केसरीचंद तापड़िया एवं सचिव विजयशंकर मूंदड़ा ने भी सभा को संबोधित किया। इस अवसर पर 700 प्रतिभाओं एवं सरकारी सेवा में कार्यरत एवं पदोन्नत प्रतिभाओं के परिवार के एक प्रतिनिधि का सम्मान किया गया। प्रतिभा सम्मान समारोह के आयोजक चांदमल सुभाषचंद्र रांदड़ थे। प्रतिभा सम्मान समारोह 19 अगस्त को ग्राम मंगलाना (मकराना) में आयोजित हुआ।

तीजोत्सव का हुआ आयोजन

वरंगल. माहेश्वरी महिला मंडल एवं राजस्थानी महिला मंडल के तत्वावधान में समाज द्वारा निर्मित नूतन प्रगतिशील मारवाड़ी माहेश्वरी भवन में तीज के पर्व पर कुछ कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसमें नोटों की, पान की, अन्य कई चीजों की सजावट का कार्यक्रम आयोजित हुआ। इसमें समाज की महिलाओं ने भाग लेकर कार्यक्रम को रोचक बनाया। अन्य कार्यक्रमों में चिरमी खेलने व नृत्य प्रदर्शन हुए। सभी के लिए अल्पाहार की व्यवस्था की गई। समाज की अध्यक्ष एवं मंत्री ने सभी का आभार व्यक्त किया।

पेड़ लगाना जन्मदिन, गाना इसके गान। पेड़ों से मिलता हमें, जीवन-भर सामान॥

"सृष्टि के समय से ही मैं (ईश्वर) समस्त पेड़-पौधों में विद्यमान हूँ। किन्तु देवी पार्वती बेल वृक्ष में तथा देवी लक्ष्मी तुलसी में निवास करती हैं।"

– स्कन्ध पुराण, 15-21

जन्मदिवस पर प्रार्थना, सबको नव-संदेश। पेड़ रोप लें प्रेम से, हरा-भरा हो देश॥

केरला बाढ़ विपदा में की मदद

कोलकाता. कालीकट माहेश्वरी सभा ने केरला में आई प्राकृतिक आपदा बाढ़में तन-मन-धन से सेवा की। इसके अंतर्गत खाद्य सामग्री, कपड़े, बर्तन का वितरण किया गया। इसके अलावा सोशल मीडिया का उपयोग करते हुए पूरे भारत के सहयोगकर्ताओं से सहयोग की अपील कर धन राशि इकट्ठा की। कालीकट माहेश्वरी सभा के सभी सदस्य खुद पूरा सेवा कार्य अपने हाथ से कर रहे हैं, जिसमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। उक्त जानकारी सचिव रमेश चांडक ने दी।

केरल बाढ़ राहत में 61 हजार की आर्थिक सहायता

कोचीन. केरल राज्य में प्रकृति का जो कहर टूटा उसमें भयंकर बाढ़ एवं भूस्खलन जैसे प्राकृतिक कहर से जानमाल को काफी नुकसान पहुंचा। माहेश्वरी सभा कोचीन इस राहत कार्य में पीड़ितों के लिए दैनिक भोजन व्यवस्था, जरूरी कपड़े, दवाइयां, पीने का शुद्ध पानी आदि से मानव सेवा कर रही है। समाज की कार्यकारिणी बैठक में इस राहत कार्य हेतु 61000/- रुपए का आर्थिक सहयोग भेजने का निर्णय भी सर्वसम्मति से लेकर राशि प्रेषित की गई। समाज अध्यक्ष संपतकुमार लाहोटी एवं मंत्री नवलकिशोर मणियार ने इस राहत कार्य में सहभागी बनने वाले सभी समाज बंधुओं का आभार प्रकट किया।

स्वतंत्रता दिवस का हुआ आयोजन

आकोट. स्थानीय विद्यांचल द स्कूल में स्वतंत्रता दिवस विशेष रूप से मनाया गया। स्कूल के प्रेरणास्रोत लक्ष्मीनारायण भूतड़ा और अध्यक्ष नरेश भूतड़ा ने राष्ट्र ध्वज फहराया। स्कूल के संचालक दिनेश भूतड़ा, सचिव सारिका भूतड़ा, सदस्य राजेश भूतड़ा, संदीप बूब, नीलेश राठी, सुरेश भूतड़ा आदि का स्वागत प्राचार्य डॉ. शैलजा त्रिवेदी ने किया। व्यवस्थापकीय अधिकारी प्रशांत विनायक भी मौजूद थे।

यूएस के आईएमआरसी में शामिल हुईं गगडानी

सेनफ्रांसिस्को. सेनफ्रांसिस्को बे एरिया में इंटरनेशनल माहेश्वरी राजस्थानी कनवेंक्शन का आयोजन गत 30 जून से 3 जुलाई तक हुआ। इसमें राष्ट्रीय अध्यक्ष कल्पना गगडानी भी शामिल हुईं। 30 जून को ढोल नगाड़ों से उनका स्वागत हुआ। कार्यक्रम के स्वागत अध्यक्ष विजय चौधरी व इंटरनेशनल कोऑर्डिनेशन रिप्रजेंटेटिव अरुण मूंदड़ा ने उनका आत्मीय अभिनंदन किया। 1 जुलाई को उद्घाटन सत्र में कन्वेंक्शन पत्रिका का विमोचन भी श्रीमती गगडानी ने किया। इस अवसर पर दिए उनके उद्बोधन से सभी बहुत प्रभावित हुए।

अन्नक्षेत्र ने मनाया वार्षिकोत्सव

बीकानेर. गरीब एवं असहाय लोगों के सहायतार्थ स्थापित संस्था ''श्रीकृष्ण अन्न क्षेत्र'' का 21वां वार्षिक उत्सव गत दिनों मनाया गया। संस्था संयोजक मगनलाल चांडक ने बताया कि इस संस्था की स्थापना का उद्देश्य गरीब एवं असहाय लोगों को उनकी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए अन्न एवं आवश्यक अन्य सामग्री का वितरण करना है। इस अवसर पर बीकानेर व्यापार उद्योग मंडल अध्यक्ष जुगल राठी, भारत स्काउट एवं गाईड की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. विमला ठुकराल, जनसंपर्क अधिकारी हरिशंकर आचार्य, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रीति गुप्ता, गोपीकिशन पेड़िवाल, जगदीश कोठारी, शशि कोठारी, विजयगोपाल राठी (मुंबई) केवलचंद मूंधड़ा आदि कई सदस्य मौजूद थे।

इन्नाणी बने चैंबर प्रदेशाध्यक्ष

हैदराबाद. दी फेडरेशन ऑफ तेलंगाना एंड आंध्रप्रदेश चैम्बर आफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज की प्रबंध समिति की बैठक में सर्वसम्मति से रमाकांत इन्नाणी को वर्ष 2018-19 के लिए उपाध्यक्ष चुना गया। परंपरा अनुसार वे वर्ष 2020-21 में स्वतः अध्यक्ष के रूप में स्वतः पदोन्नत हो जाएंगे। आप माहेश्वरी समाज चैम्बर आफ ट्रेड एंड इंडस्ट्रीज, हैदराबाद के संस्थापक अध्यक्ष भी हैं। आपके द्वारा स्थापित दो कंपनियां एक स्पिनिंग क्षेत्र में दूसरी शेयर ब्रोकिंग मुंबई स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध है।

23 माहेश्वरी समाजजनों ने लिया नेत्रदान का संकल्प

नागौर. पूर्व मेड़ता तहसील सरपंच स्व. श्री बिरदीचंद बंग, रेण, जिला नागौर माहेश्वरी समाज के पहले व्यक्ति थे जिन्होंने 1995 में नेत्रदान का संकल्प लिया और मृत्युपरांत 2012 में बंग परिवार द्वारा नेत्रदान करवाया गया। पिताजी की प्रेरणा से गत 19 अगस्त को मंगलाना में आयोजित नागौर जिला माहेश्वरी प्रतिभावान एवं अभिनंदन समारोह में उनके सुपुत्र राजेंद्रकुमार बंग व पुत्रवधू हेमलता बंग के साथ करीब 23 व्यक्तियों ने नेत्रदान का संकल्प लिया।

श्री प्रीति क्लब की कार्यकारिणी गठित

बीकानेर. माहेश्वरी समाज की पारिवारिक संस्था ''श्री प्रीति क्लब की साधारण सभा की बैठक उद्योग व्यापार मंडल अध्यक्ष जुगल राठी के सान्निध्य में हुई। इस बैठक में संस्था की नवीन कार्यकारिणी गठित की गई। इसमें संरक्षक मगनलाल चांडक, अध्यक्ष घनश्याम कल्याणी, महामंत्री नारायणदास दम्माणी, कोषाध्यक्ष जगदीश कोठारी, उपाध्यक्ष सुरेशकुमार कोठारी, गोपीकिशन पेड़ीवाल, विशेष सलाहकार याज्ञवल्क्य दम्माणी तथा सहसचिव रमेश करनाणी, योजना मंत्री अशोक बागड़ी चुने गए। साथ ही कार्यकारिणी सदस्य भी चुने गए।

महिला मडंल ने भेजी फौजियों को राखी

खरगोन. सुरक्षा के लिए सीमा पर तैनात भारतीय सैनिकों को खरगोन की बहनों ने रक्षासूत्र भेजे। हमारे सुख-चैन सुरक्षा और शांति के लिए प्राणों को हथेली पर लेकर देश की सीमा पर डटे वीर जवानों का ही पराक्रम है कि आज हम सुरक्षित हैं। देश के बेटों व फौजी भाइयों के प्रति हम बहनों का भी दायित्व है कि हम उनकी खुशहाली और रक्षा के लिए ईश्वर से आशीर्वाद मांगे।

अपना भविष्य बनाने का सर्वश्रेष्ठ तरीक़ा खुद को बनाना है। अपनी कम्पनी/संस्थान को बनाने का सर्वश्रेष्ठ तरीक़ा अपने मातहतों व टीम को बनाना है ? 'स्वार्थ त्यागिये'

पौधारोपण किया

बीकानेर. स्थानीय माहेश्वरी महिला समिति के तत्वावधान में हरियाला राजस्थान मुहिम के अंतर्गत एक पुनीत कार्य का संकल्प लिया गया।। समिति सचिव कंचन राठी ने बताया कि इस पुनीत कार्य का शुभारंभ बीकानेर के प्रसिद्ध धरनीधर महादेव मंदिर से किया गया। समिति की वरिष्ठ सदस्या रेखा लोहिया के अनुसार धरनीधर महादेव मंदिर में इस अवसर पर 108 पौधे लगाकर इस पुनीत कार्य का श्रीगणेश किया गया। पर्यावरण संरक्षण को देखते हुए यह कार्य निरंतर जारी रखने की बात कही गई। निशा झंवर, सरला लोहिया, नीलम बिन्नाणी, विभा बिहाणी, चंद्रकला कोठारी, सरला बाहेती, रेखा लोहिया, कंचन राठी, श्रीया बाई, अंजू लोहिया, सपना बागड़ी एवं संतोष राठी आदि सदस्याएं मौजूद थीं।

अटलजी को दी श्रद्धांजलि

कोलकाता. माहेश्वरी औद्योगिक शिक्षा केंद्र (अंतर्गत माहेश्वरी सभा, कोलकाता) के कार्यसमिति सदस्यों ने कवि हृदय भारत रत्न व पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय श्री अटलबिहारी वाजपेयी को भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी। केंद्र के सभापति देवकिशन मोहता ने उनके जीवन काल की उपलब्धियों को विस्तार से प्रस्तुत किया। केंद्र के मंत्री अरुणकुमार सोनी ने उनकी कविता 'पहचान' का वाचन किया।

जन्मदिवस पर पेड़ भी, करें आप से बात। सब मेरा पालन करो, धरती पर सौगात।।

> **दस कुओं के बराबर एक बावड़ी, दस बावड़ियों के बराबर एक तालाब, दस तालाबों के बराबर एक पुत्र तथा दस पुत्रों के बराबर एक वृक्ष है।**
>
> – मत्स्य पुराण, 512 वाँ श्लोक

जन्मदिवस तरु रोपिए, नई बने पहचान। पौध रोपिये, पालिये, समझ सरिस संतान।।

भगवान को दूध चढ़ाकर बच्चों में वितरण

कोलकाता. वृहतर कोलकाता प्रादेशिक महिला संगठन ने भक्ति और सेवा का अनूठा उदाहरण प्रस्तुत किया। इसके अंतर्गत श्रावण मास के प्रथम दिन से ही संस्था के सदस्यों ने भगवान शिव को दूध के पैकेट बिना फाड़े चढ़ाए और बच्चों को पैकेट वितरित किए गए। वृहतर कोलकाता ने अपने सभी दस अंचलों में यह अभियान चलाया। इसमें जो बच्चे दूध से वंचित थे उन्हें दूध पीने का मौका मिला। जैसे-जैसे पेपर एवं दूरदर्शन के माध्यम से लोगों को जानकारी मिली, पूरे भारत वर्ष में लोग भगवान शिव को दूध चढ़ाकर गरीब बच्चों में वितरण कर बच्चों को खुश करके भगवान आशुतोष को खुश करने लगे। विशंभर नेवर और वृहतर कोलकाता प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन अध्यक्ष निर्मला मल्ल ने बताया कि वृहतर कोलकाता प्रदेश के अंतर्गत प्रतिदिन करीब 125 दूध पैकेट का बच्चों में वितरण किया गया। समापन पर प्रदेश अध्यक्ष निर्मला मल्ल द्वारा 40 बच्चों को खीर-पूड़ी खिलाई गई। इस सेवा कार्य में सभी दसों अंचल की सभी सदस्याओं का पूरा-पूरा सहयोग रहा।

महिला संगठन की अनूठी पहल

इंदौर. जिला माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा महिला सशक्तिकरण हेतु महिला स्वावलंबन, महिला सुरक्षा, भोजन जूठा न छोड़ें, बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ, प्री वेडिंग शूट समाज के लिए घातक आदि विषयों पर स्लोगन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें इंदौर जिले के सभी 9 क्षेत्रों द्वारा भाग लिया गया। संस्था अध्यक्ष प्रमिला भूतड़ा ने उपस्थित सदस्यों का अभिनंदन किया। इस अवसर पर पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष गीता मूंदड़ा, सुशीला काबरा, शोभा माहेश्वरी, उर्मिला झंवर, रमा सारडा, वीणा सोमानी, मंजू भलिका आदि विशेष रूप से मौजूद थीं।

तीजोत्सव का हुआ आयोजन

बरेली. मारवाड़ीगंज माहेश्वरी महिला समिति के द्वारा पार्टी पैलेस में तीज महोत्सव मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सुशीला देवी, रतन देवी, मंजू बिहारी ने किया। सुनीता राठी, उषा मेहता ने सावन के गीत गाए। बीनू, मनीषा और दिव्या झंवर ने नृत्य किया। मनीषा माहेश्वरी व निधि ने गेम्स का आयोजन किया। प्रियंका ने हाऊजी आयोजित की। आद्या, राधिका, श्रीकुंज ने नृत्य नाटिका प्रस्तुत की। कार्यक्रम में रेनू परवाल, इंदिरा, रुचि, ललिता परवाल आदि का सहयोग रहा। उक्त जानकारी सचिव शशि साबू ने दी।

अनुष्का को 97 प्रतिशत अंक

मंदसौर. समाज की प्रतिभा अनुष्का मालू ने सीबीएसई कक्षा दसवीं की परीक्षा में 97.4 प्रतिशत अंक प्राप्त कर परिवार एवं समाज का गौरव बढ़ाया। अनुष्का श्री माहेश्वरी समाज जिला मंदसौर के उपाध्यक्ष हरिवल्लभ मालू की सुपौत्री है। मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान ने भी अनुष्का का सम्मान किया।

अभिषी सीपीटी परीक्षा में उत्तीर्ण

मुंबई. समाज सदस्य अनुज एवं अंजना टवाणी की सुपुत्री अभिषी ने सीपीटी की परीक्षा उत्तीर्ण की। इससे पूर्व अभिषी ने सीबीएसई की हायर सेकंडरी की परीक्षा 93.1 प्रतिशत अंक के साथ उत्तीर्ण की थी।

गोविंद ने आईपीसीसी में पाई सफलता

वरंगल. वरिष्ठ समाज सदस्य सत्यनारायण सोनी के पौत्र और चंपालाल सोनी के सुपुत्र गोविंद सोनी ने आईपीसीसी के दोनों ग्रुप की परीक्षा उत्तीर्ण की। उनकी सफलता पर परिजनों ने हर्ष व्यक्त किया है।

संकेत सीए फाइनल उत्तीर्ण

मुंबई. संकेत बिहानी सुपुत्र प्रदीप व मधु बिहानी मुंबई ने प्रथम प्रयास में सीए फाइनल की परीक्षा उत्तीर्ण कर परिवार की प्रतिष्ठा बढ़ाई है।

अमन को 94 प्रतिशत अंक

भीलवाड़ा. चंद्रशेखर आजाद नगर निवासी अशोक व शिल्पा बसेर के सुपुत्र अमन बसेर ने 12वीं कॉमर्स सीबीएसई बोर्ड की परीक्षा में 94.4 प्रतिशत अंक अर्जित कर जिले में स्थान प्राप्त किया है। इस उपलब्धि पर समाजजनों व स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

वृंदा को 25वीं रैंक

आगर. समाज की प्रतिभा वृंदा गिलडा ने सीएस फाउंडेशन की परीक्षा में ऑल इंडिया में 25वीं रैंक प्राप्त की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया हैं।

अदिति टवाणी बनी सीए

ब्यावर. समाज सदस्य सुरेशचंद्र एवं शोभा टवाणी की सुपुत्री अदिति टवाणी ने प्रथम प्रयास में सीए फाइनल की परीक्षा उत्तीर्ण कर परिवार व समाज का नाम गौरवान्वित किया है। इससे पूर्व अभा स्तर पर सीपीटी की परीक्षा में अदिति ने दसवां स्थान प्राप्त किया था।

विकास राठी बने सीए

महबूबनगर. समाज सदस्य विष्णुप्रकाश व रेखा राठी के सुपुत्र विकास राठी ने मात्र 22 वर्ष की अवस्था में प्रथम प्रयास में ही सीए की परीक्षा उत्तीर्ण की।

पीयूष बने सीए

बिजयनगर. समाज की प्रतिभा पीयूष सुपौत्र जमनालाल धूपड़ व सुपुत्र लक्ष्मीनारायण धूपड़ ने सीए की परीक्षा उत्तीर्ण की है। समस्त स्नेहीजनों इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त किया है।

दीपेश संघवी बने सीए

जावद. समाज सदस्य केदार-मधुबाला संघवी के सुपुत्र दिपेश संघवी ने सीए की परीक्षा उत्तीर्ण की। उल्लेखनीय है कि दीपेश कक्षा 12वीं में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान के हाथों पुरस्कृत हो चुके हैं। उन्हें नीमच जिला माहेश्वरी युवा संगठन द्वारा आयोजित ज्ञान गंगा प्रतियोगिता में भी प्रथम स्थान प्राप्त करने पर 3100 रुपए की राशि से सम्मानित किया गया।

रौनक को 81 प्रतिशत अंक

भुसावल. समाज सदस्य मनोज बियानी के सुपुत्र रौनक ने सिविल इंजीनियरिंग की परीक्षा 81.33 प्रतिशत अंक व विशेष योग्यता के साथ उत्तीर्ण की।

यशुमिता बनीं परिवार की प्रथम सीए

मप्र पूर्वी मप्र के कार्यसमिति सदस्य सुनील माहेश्वरी (लोईवाल) एवं भजन गायिका तथा प्रादेशिक महिला संगठन पूर्वी मप्र की सुरभि समिति की संयोजिका नीलू माहेश्वरी की पुत्री यशुमिता माहेश्वरी सीए फाइनल की परीक्षा उर्त्तीण कर लोईवाल परिवार की प्रथम सीए बनी हैं। यशुमिता कथक में भी बीए कर चुकी हैं तथा कई डांस प्रतियोगिताओं में कई अवॉर्ड प्राप्त किए हैं। इसके साथ में सीए फाइनल के भी दो ग्रुप क्लीयर कर चुकी हैं।

जन्मदिवस देता हमें, हमको सदा उमंग। प्रेम दया हो पेड़ पर, पौधा-रोपण संग।।

''दृढ़ वैराग्य रूप (शस्त्र) द्वारा ही संसार रूपी पीपल के वृक्ष में परमेश्वर को खोजा जा सकता है।''

– गीता, अध्याय 15 वाँ, दूसरा श्लोक

0141-2621221

जन्म जयंती पर करें, पौधारोपण आप। कर्म बनेगा आपका, फैले नित्य प्रताप।।

यदि ये कहें कि उनके लिए पर्यावरण ही सबकुछ है, यदि इसे हटा दें तो कुछ भी नहीं, तो कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी। आखिर यह दीवानगी नहीं तो और क्या है कि जयपुर निवासी नवल डागा ने अपना संपूर्ण जीवन ही पर्यावरण को संरक्षित करने के लिए समर्पित कर दिया है।

पर्यावरण संरक्षण ही जिनका जीवन
नवल डागा

जयपुर (राजस्थान) निवासी नवल डागा वैसे तो क्षेत्र के एक सफल व्यवसायी हैं, लेकिन उनकी पहचान ऐसे पर्यावरण प्रेमी के रूप में है, जिनका पर्यावरण प्रेम वास्तव में दीवानगी ही कहा जा सकता है। युवावस्था में जब कॅरियर चुनने का मौका आया तो आजीविका के लिए पैतृक व्यवसाय था और एमकॉम तक शिक्षित होने से अच्छी नौकरी की अपार संभावनाएं भी थीं, फिर भी उन्होंने पर्यावरण संरक्षण को ही अपना जीवन बना लिया। आज भी इसी को प्रोत्साहित करने के लिए इसी से संबंधित विभिन्न पेड़ व पौधों के बीज आदि का ही व्यवसाय करते हैं और आमजन के बीज पर्यावरण संरक्षण का अलख जगाते हैं। उनके इस अभियान में उनकी धर्मपत्नी श्रीमती शारदा डागा भी सहयोगी बनी हुई हैं।

बचपन से पर्यावरण के प्रति रहे संवेदशनशील

श्री डागा का जन्म 1 दिसंबर 1956 को जयपुर (राजस्थान) में एक व्यवसायी परिवार में स्व. श्री शिवरतन डागा तथा स्व. श्रीमती चंपादेवी डागा के यहां हुआ। बीकानेर का मूल निवासी उनका परिवार व्यावसायिक कारणों से जयपुर आ गया था। दो भाई व 4 बहनों से भरे पूरे परिवार के श्री डागा ने जयपुर से ही एमकॉम तक शिक्षा ग्रहण की और आजीविका के लिए स्वव्यवसाय से संबद्ध हो गये। व्यावसायिक व्यस्तताओं के बावजूद प्रकृति को लेकर चिंतित रहने वाला मन रुका नहीं और तन-मन-धन से पर्यावरण संरक्षण के प्रति समर्पित हो गए। श्री डागा गत 41 वर्षों से विभिन्न भेंट सामग्री आदि के साथ ही अपने पर्यावरण हजारा आदि पुस्तकों के द्वारा पर्यावरण संरक्षण की ज्योत जलाते रहे हैं।

पर्यावरण के लिए लिखी 557 पुस्तकें

यह उनकी पर्यावरण के प्रति दीवानगी ही कहीं जाएगी कि पर्यावरण संरक्षण के अंतर्गत अभी तक आपकी 557 से अधिक पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं, जिनमें पर्यावरण हजारा के विभिन्न भाग भी शामिल हैं। इन हजारा में पर्यावरण पर आधारित एक हजार स्वरचित दोहों का संग्रह होता है। दोहों की विशेषता है, इन सभी में नीचे की मात्राओं का न होगा। बिना नीचे की मात्रा के एक हजार दोहों का सृजन अत्यंत दुष्कर कार्य है और वह भी पर्यावरण के संदेश के साथ। लक्ष्य था कागज बचाना और उन्होंने वह बखूबी किया। उनकी इन पुस्तकों के प्रकाशन के माध्यम से पैसा कमाना कभी लक्ष्य नहीं रहा। इस तथ्य का प्रमाण इनका मूल्य है। इन पुस्तकों में से अधिकांश का मूल्य मात्र 3 रुपए है, केवल सात पुस्तकें ही ऐसी हैं जिनका मूल्य 7 रुपए है। श्री डागा किसी को भी कोई भेंट सामग्री देते हैं, तो उसके साथ पर्यावरण संरक्षण या गौसंरक्षण का संदेश अवश्य ही होता है। उनकी दीवानगी यहां तक है कि उनके घर के अंदर लगी प्रत्येक टाईल्स पर भी पर्यावरण संरक्षण संदेश अंकित है।

पर्यावरण संरक्षण को बनाएं आंदोलन

पर्यावरण संरक्षण के बारे में श्री डागा कहना है कि इसके लिए समाज के संगठनों को पर्यावरण संरक्षण अभियान को एक आंदोलन का रूप देना होगा। इसके अंतर्गत जहां भी संगठन अपना कोई कार्यक्रम आयोजित करें उसमें पर्यावरण संरक्षण पर जनचेतना का कार्यक्रम अवश्य ही शामिल हो, क्योंकि यह हमारा सामाजिक ही नहीं बल्कि मानवीय दायित्व है। अतः हमें इस अपनी जीवन शैली का एक अंग बनाना होगा। हम अपने हर अवसर, चाहे वह जन्मदिवस को या किसी का मृत्यु दिवस, मकान का उद्‌घाटन हो या बच्चे का मुंडन, विवाह का अवसर हो या विवाह की वर्षगाँठ, हर अवसर पर पर्यावरण का उपयोग ना हो और हो तो उनका उचित निस्तारण भी हो। लोगों को पौधे उपहार में दें और पौधे ही उपहार में लें। पौधारोपण सिर्फ औपचारिकता न हो बल्कि जब तक वह किसी बड़े वृक्ष का रूप न ले लें तब तक आप उसकी देखरेख की जिम्मेदारी उसी प्रकार वहन करें जैसे अपने बच्चों की जिम्मेदारी वहन करते हैं।

प्रकृति के आंचल के श्रृंगारकर्ता पर्यावरणविद् बाबूलाल जाजू

वैसे तो संपूर्ण समाज व राजस्थान के लिए ही पर्यावरणविद् के रूप में भीलवाड़ा निवासी बाबूलाल जाजू एक ऐसा नाम हैं, जिनके जीवन का लक्ष्य ही प्रकृति के आंचल को सजाना है। उनकी दीवानगी इसके लिए इस हद तक है कि उनके यहां आयोजित कोई भी कार्यक्रम पर्यावरण संरक्षण के बिना पूरा नहीं होता। हद यहां तक कि वे भेंट देते भी पौधे ही हैं और लेते भी पौधे ही हैं। पौधारोपण से उन्होंने पूरा स्मृति वन ही सजा डाला।

वर्ष 2004 से अब तक श्री जाजू ने राष्ट्रीय राजमार्गों को चौड़ा करने के नाम पर काटे गए करोड़ों पेड़ों के बदले में 3 गुना पेड़ लगाने, नदियों व तालाबों की जमीनों के विक्रय व आवंटन पर रोक लगाने व इनमें सीवरेज वाले गंदे पानी जाने से रोकने, जंगलों के संरक्षण व बेजुबानों के हक की चारागाह भूमि को आवंटित नहीं करने, राष्ट्रीय पक्षी मोरों के शिकार को रोकने हेतु नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल, उच्च व सर्वोच्च न्यायालय में जनहित याचिकाएं प्रस्तुत कर पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

औद्योगिक नगरी भीलवाड़ा में जहां प्रदूषण की समस्या ने बाहें फैला रखी हैं ऐसे में भीलवाड़ा के निवासी प्रख्यात पर्यावरणविद् बाबूलाल जाजू जो कि पिछले 31 सालों से पर्यावरण व जल संरक्षण के कार्यों को ही अपने जीवन का मिशन बना चुके हैं। उनके 20 वर्षों के प्रयास के बाद स्मृति वन का सपना वर्ष 2007 में पूरा हुआ। भीलवाड़ा में प्रसिद्ध धार्मिक स्थल हरणी महादेव के समीप 465 बीघा भूमि में फैले स्मृतिवन में हजारों की संख्या में लगे सैकड़ों प्रजातियों के पेड़ भीलवाड़ा वासियों के लिए प्राणवायु का केंद्र बन चुके हैं। स्मृति वन में सघन पौधारोपण, भ्रमण हेतु कच्चा व पक्का ट्रैक, स्मृति वन के बीच तालाब के साथ ही योगा व एक्सरसाइज के लिए एक उद्यान का निर्माण कराते हुए फुटपाथ, झरना, ग्रीन हाउस व अन्य सुविधाएं भी विकसित कीं। वर्ष 2005 में श्री जाजू ने स्मृति वन की रूपरेखा बनाकर तत्कालीन कलेक्टर को समूची योजना से अवगत कराते हुए विश्वास दिलाया कि स्मृति वन की योजना आने वाली पीढ़ी के लिए प्रदूषण की बढ़ती समस्या से निजात दिलाते हुए भीलवाड़ा की प्राणवायु का केंद्र "लंग्स" बनेगी। इस पर कलेक्टर द्वारा 165 बीघा भूमि स्मृति वन के नाम रिकॉर्ड में दर्ज करते हुए आवश्यक निर्माण कार्य के अलावा पौधारोपण ही करने की स्वीकृति प्रदान की थी।

कई हस्तियों ने सराहा

इस स्मृति वन में अन्ना हजारे, राजीव दीक्षित, पूर्व राज्यपाल व मुख्यमंत्री शिवचरण माथुर सहित देश की प्रख्यात शख्सियतों ने पौधारोपण किया है, जिनका उल्लेख वहां पढ़ने को मिलता है। वहीं दूसरी ओर स्मृति वन के विद्यार्थियों के लिए पर्यावरण शिक्षा का केंद्र बन चुका है। सैकड़ों प्रजातियों के औषधियों व अन्य पौधे पेड़ में विकसित होकर लाखों परिंदों का बसेरा बन चुके हैं व पहाड़ी पर राष्ट्रीय पक्षी मोर, उल्लू, गिद्ध, शा-घोष सहित अनेक प्रजातियों के वन्यजीव व तितलियां, चिड़िया चहचहाट करती हुई दिखाई देती हैं। आज स्मृति वन में हजारों की संख्या में प्रतिदिन शहर के खास और आम लोग भ्रमण हेतु प्रातः 5 बजे से पूर्व ही स्मृति वन के गेट खुलने का इंतजार करते नजर आते हैं। श्री जाजू पर्यावरण संरक्षण के महत्वपूर्ण कार्यों के लिए तत्कालीन मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा अमृतादेवी विश्नोई पुरस्कार, तत्कालीन मुख्यमंत्री भैरोसिंह द्वारा वृक्षवर्द्धक पुरस्कार, शिवचरण माथुर द्वारा वन विस्तारक पुरस्कार के साथ ही अनेक राष्ट्रीय व राज्यस्तरीय पुरस्कार प्राप्त कर चुके हैं।

पर्यावरण के साथ ही हर खुशी

उनके जीवन का कोई भी खुशी का पल पर्यावरण के संरक्षण के बिना अधूरा ही होता है। इसी का उदाहरण उनका गत दिनों मना जन्मदिवस भी है। श्री जाजू ने अपना जन्मदिन 25 मूक-बधिर और दृष्टिहीन बच्चों की मौजूदगी में केक काटकर हरियाली भरे माहौल में मनाया। उन्होंने उन्हें इशारों ही इशारों में पर्यावरण शिक्षा का पाठ तो पढ़ाया ही उनसे प्रकृति के संरक्षण का वादा भी लिया। बच्चे भी बड़ी उत्सुकता से माहौल में घुल गए। मूक-बधिर बच्चों ने अपने हाथों से बनाए आकर्षक शुभकामना कार्ड और बुके भेंट किए। इस मौके पर श्री जाजू ने बच्चो को रिटर्न गिफ्ट में एक-एक गमला और वस्त्र भेंट किए। इस अवसर पर शांतिलाल मूंदड़ा, सुशीला जाजू, प्रशिता-गौरव जाजू, सुरेश जाजू, प्रिया माहेश्वरी, अनमोल काबरा, आराध्य, अबीर जाजू आदि मौजूद थे। उल्लेखनीय है कि अनूठे अंदाज में जन्मदिन मनाने के क्रम में श्री जाजू ने पिछला जन्मदिन पंचमुखी मोक्षधाम परिसर में मनाया था। केक भी वहीं काटा था और श्मशान के कर्मचारियों को साइकिलें भेंट की थीं।

वैसे तो नीम के महत्व को प्रतिपादित करने के लिए 'नीम महोत्सव' की शुरुआत बाल गंगाधर तिलक ने की थी, लेकिन यह पर्यावरण दिवस से पृथक स्वरूप नहीं ले पाया था। इसे श्रावण मास के प्रथम रविवार को मनाकर पृथक रूप से 'नीम महोत्सव' की सौगात देने का श्रेय जाता है मुंबई निवासी नीम प्रेमी महेश राठी को।

नीम महोत्सव को बनाया उत्सव
महेश राठी

माहेश्वरी समाज ने न सिर्फ अपने भवनों व अन्य माध्यमों से ही आमजन की सेवा की है, बल्कि देश को भी सामाजिक सुधार की राह दिखाई है। इसमें बाल विवाह निरोधक कानून 'शारदा एक्ट' व वर्ष 2009 के बेटी बढ़ाओ अभियान के साथ ही वर्ष 2010 से वृहद स्तर पर चल रहा नीम महोत्सव भी शामिल है। इसके पूर्व बाल गंगाधर तिलक के प्रयास से इसकी शुरुआत तो हुई थी, लेकिन इसे पर्यावरण दिवस से पृथक गरिमामय स्वरूप मुंबई निवासी समाजसेवी महेश राठी के प्रयासों से ही मिल पाया। अब स्थिति यह है कि संपूर्ण राजस्थान में श्रावण मास के प्रथम रविवार को अत्यंत वृहद स्तर पर 'नीम महोत्सव' का आयोजन होता है। इसमें न सिर्फ शासकीय स्कूल, कॉलेज अपितु निजी भूमि पर भी नीम के पौधे लगाए जाते हैं और इसे प्रोत्साहित करने के लिए पदयात्रा भी निकाली जाती है।

बचपन से देखी नीम की टहनी से मिली प्रेरणा

श्री राठी का जन्म 1 अक्टूबर 1960 को गुरुनानक जयंती (कार्तिक पूर्णिमा) को अजमेर में स्व श्री राधेश्याम व स्व. श्रीमती सोनी देवी राठी के यहां हुआ। दादाजी ब्रजमोहन राठी के विचारों का भी बचपन से गहरा प्रभाव पड़ा। नीम वास्तव में माहेश्वरी समाज की संस्कृति का अभिन्न अंग है। अतः बचपन से ही मां को महेश नवमी व सत्तु तीज आदि पर्व पर नीम की टहनी की पूजा करते देखते थे। यहीं से इनके मन में नीम के प्रति जिज्ञासा और विशेष आस्था उत्पन्न हुई। फिर स्वयं के विवाह के बाद पत्नी को भी नीम की टहनी की पूजा करते देखा, तो मन में विचार आया कि क्यों न टहनी की जगह नीम की पूजा की जाए और नीम की टहनी की जगह पौधे की पूजा करवाई। बस यही शुरुआत एक अभियान बन गई।

राज्य शासन ने भी दिया महत्व

श्री राठी मारवाड़ी समाज से भी संबंध रखते हैं। अतः उन्होंने अपनी इस सोच के साथ संपूर्ण संगठन को जोड़ा। बस फिर क्या था, एक कारवां सा चल पड़ा। राजस्थान में भी अन्य प्रदेशों की तरह पर्यावरण दिवस पर ही अन्य के साथ नीम के पौधे लगाकर नीम महोत्सव मनाया जाता था। इससे इसका महत्व पृथक से प्रतिपादित नहीं हो पा रहा था। बस उन्होंने वर्ष 2010 से पृथक से नीम महोत्सव के आयोजन का संकल्प ले लिया और इसके लिए दिन निर्धारित किया भगवान शिव के प्रिय श्रावण मास का प्रथम रविवार। स्वयं ने अपने संगठन के साथ तो पौधे लगाए ही, विभिन्न शहरों में इसके प्रति जागृति उत्पन्न करने के लिए पदयात्रा प्रारंभ कर दी। अभी तक उनकी इस पदयात्रा में कई सांसद-विधायक ही नहीं बल्कि राज्य तथा केंद्र के मंत्री भी शामिल हो चुके हैं। राजस्थान शासन ने भी उनके इस अभियान का स्वागत करते हुए नीम महोत्सव को राजस्थान के एक पर्व का सम्मान प्रदान कर दिया।

प्रधानमंत्री मोदी ने भी लगाया नीम

श्री राठी के इस अभियान का असर किस तरह विस्तारित होता जा रहा है, इसका उदाहरण प्रधानमंत्री मोदी द्वारा नीम का पौधा लगाना है। श्री मोदी ने भी नीम महोत्सव के अंतर्गत न सिर्फ अपने आवास पर नीम का पौधा लगाया बल्कि इसका फोटो खिंचवाकर उन्होंने इसे श्री राठी को भी प्रेषित किया। श्री राठी ने अजमेर व पुष्कर के बीच पहाड़ी पर एक नीम आश्रम भी विकसित किया है। इस आश्रम में कोई भी अपने परिवार व परिजनों के साथ नीम का पौधा लगाकर अपनी स्मृति को चीरस्थायी कर सकता है। श्री राठी का प्रकृति प्रेम इतना है कि गत वर्ष 27 जुलाई को माता के देहांत पर उनका मृत्युभोज न कर 600 नीम के पौधे लगावाकर सभी को नीम लगाने व देखरेख की शपथ दिलवाई। कई लोग अपने दिवंगत परिजनों की स्मृति में भी नीम का रोपण करते हैं। यह श्री राठी का अद्‌भुत प्रयास ही है कि लगभग 545 किमी क्षेत्र के सभी स्कूलों में नीम के पौधे लग चुके हैं। अब उनका यह अभियान प्रदेश की सीमाओं को लांघकर देश के कोने-कोने में फैलने के लिए उतारू है।

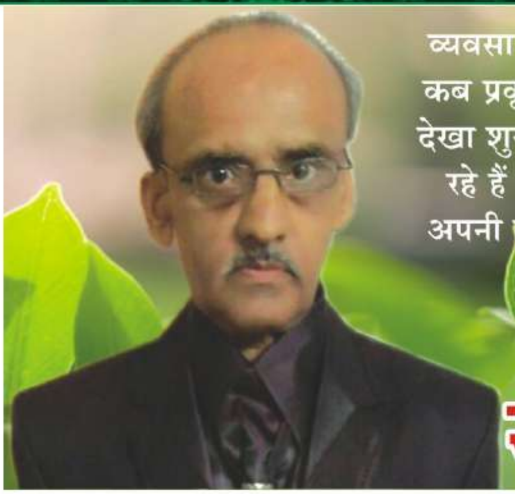

व्यवसाय तो सोने-चांदी के आभूषणों का है, लेकिन मन ने कब प्रकृति को भी हरियाली के आभूषण पहनाने का सपना देखा शुरू कर दिया, उन्हें भी नहीं मालूम। यहां हम बात कर रहे हैं हरदा निवासी सर्राफा व्यवसायी राजेंद्र करवा की जो अपनी तमाम व्यस्तता के बावजूद एक जुनून के साथ धरती को हरियाली की चादर ओढ़ाने में जुटे हुए हैं।

व्यवसायी दिल में पर्यावरण प्रेम

राजेन्द्र करवा

मन में यदि जज्बा हो तो कोई भी व्यस्तता हमें वह करने से नहीं रोक सकती जो हम करना चाहते है, अन्यथा व्यवस्तता का बहाना तो है ही। ठीक यही कहानी है, हरदा के पर्यावरण के दीवाने राजेंद्र करवा की। वे आजीविका के रूप में सुस्थापित सर्राफा व्यवसाय का संचालन करते हैं, लेकिन व्यवसाय की व्यस्तता भी उनके प्रकृति प्रेम को रोक नहीं पाई। उनके द्वारा लगाए गए पौधों में से 80 लहलहाते पेड़ बनकर उनके इस प्रकृति प्रेम की कहानी स्वतः ही कह रहे हैं।

बचपन से रहा अजब जज्बा

श्री करवा का जन्म 10 अप्रैल 1964 को स्व. श्री पन्नालाल व श्रीमती कमलादेवी करवा के यहां हुआ था। मात्र हायर सेकंडरी तक शिक्षा ग्रहण कर पारिवारिक कारणों से पैतृक सर्राफ व्यवसाय से संबद्ध हो गए। बचपन से ही उन्हें पौधे लगाकर उनकी देखरेख करने का शौक था। उनका यह शौक व्यावसायिक जिम्मेदारियों में भी दब नहीं पाया। वे स्कूली शिक्षा के दौरान अक्सर आंवला व आम आदि के पौधे न सिर्फ स्वयं लगाते थे, बल्कि जो भी लगाने के इच्छुक होते उन्हें कहीं से भी लाकर देने में अपनी प्रसन्नता महसूस करते।

ऐसे चलता रहा उनका कारवां

श्री करवा ने व्यवसाय व अपने प्रकृति प्रेम दोनों को एक-दूसरे के रास्ते में कभी बाधक नहीं बनने दिया। पौधारोपण के लिए उन्होंने किसी के साथ का इंतजार नहीं किया। यदि कोई सहयोगी मिले तो ठीक नहीं तो अकेले ही सही। स्कूल, हॉस्पिटल, सरकारी अस्पताल, कार्यालय आदि कई स्थानों पर न सिर्फ उन्होंने पौधे लगाए बल्कि ट्री गार्ड लगाकर व पानी देकर उनकी संपूर्ण देखरेख भी की। जो गरीब परिवार अपने यहां पेड़ चाहते थे, वहां भी उन्होंने स्वयं जाकर पौधे लगाए और उनकी देखरेख में मदद की। इसी का नतीजा है कि आज उनके लगाए 80 पौधे पेड़ बनकर फल-फूल रहे हैं। इतना ही नहीं गिरते भूजलस्तर को रोकने के लिए पानी बचाओ अभियान भी प्रारंभ किया। स्वयं मानवता के हित में 62 बार रक्तदान भी कर चुके हैं। जिसके लिए उन्हें रेडक्रॉस सोसायटी द्वारा सम्मानित किया जा चुका है। स्वयंसेवी संस्थाओं के साथ मिलकर प्रतिमाह अंतिम रविवार को निःशुल्क आयुर्वेदिक चिकित्सा शिविर का भी आयोजन करते आ रहे हैं, जिसमें चिकित्सा परामर्श के साथ ही दवाइयां भी निःशुल्क प्रदान की जाती है। नगर निकाय के स्वच्छता अभियान से भी समाजसेवी के रूप में संबद्ध हैं।

कई वनस्पतियों का सजाया संसार

सुनीता माहेश्वरी

धार में त्रिमूर्ति स्थित माहेश्वरी परिवार के घर के गार्डन में छोटे से पौधे में केसर आम की बहार है। बगीचे में स्थित का आम का पेड़ 1 वर्ष पुराना है। माहेश्वरी परिवार का सपना है कि लोकहित में स्वास्थ्य संबंधी कुछ अच्छे उपयोग के पौधे लगाए जाएं, जिसमें अपने इस छोटे से बगीचे में आम, मीठा नीम, जाम, एलोवेरा, गुलाब, बिल्वपत्र, हल्दी, अदरक, मूंगफली, मक्का, ज्वार, चवली, सीताफल, गिलोय, सफेद आंकड़ा, गोदिड़या, नीबू आदि के पौधे लगाए भी हैं। उपरोक्त बगीचे की देखरेख व गुड़ाई आदि का कार्य सुनीता माहेश्वरी वैसी ही जिम्मेदारी के साथ करती हैं, जैसे वे अपने परिवार की देखभाल करती हैं।

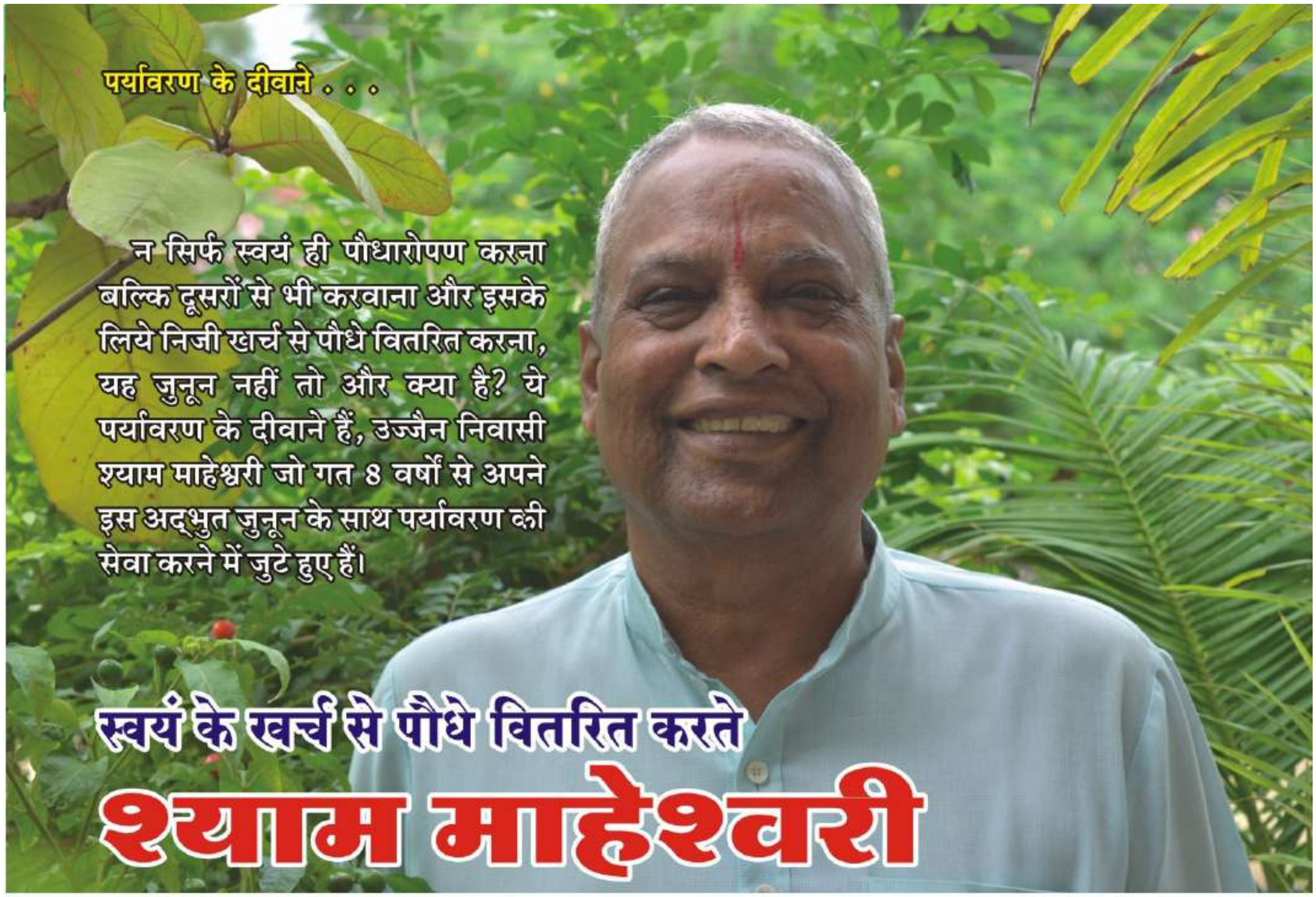

स्वयं के खर्च से पौधे वितरित करते श्याम माहेश्वरी

आजीविका के तौर पर तो उनकी पहचान एक सफल प्रॉपर्टी व्यवसायी के रूप में है, लेकिन उनके पर्यावरण प्रेम ने उन्हें एक विशेष पहचान दे दी है। किसी को भी यदि उज्जैन में पौधे लगाने की आवश्यकता हो और वह भी विशेष रूप से नीम या तुलसी के, तो उनकी जुबान पर सबसे पहले नाम होता है, "श्याम माहेश्वरी"। श्री माहेश्वरी पौधारोपण के लिए प्रतिवर्ष कम से कम 1 हजार पौधों का निजी खर्च से खरीद कर न सिर्फ निःशुल्क वितरण करते हैं, बल्कि उन पौधों को वृक्ष बनाने में भी सतत रूप से सहयोग प्रदान करते हैं। जब श्री माहेश्वरी उज्जैन माहेश्वरी सभा अध्यक्ष थे, तो उन्होंने पर्यावरण संरक्षण के लिये स्वागत समारोह में हार-फूल भी बंद कर दिये थे।

माता-पिता से मिले संस्कार

श्री माहेश्वरी आज जो कर रहे हैं, उसके बीज उनके माता-पिता के संस्कारों ने ही डाले थे। श्री माहेश्वरी का जन्म 8 अक्टूबर 1952 को भीलवाड़ा में स्व. श्री शोभालाल पलौड़ व स्व. श्रीमती केशरबाई पलौड़ के यहां हुआ था। उनका परिवार व्यावसायिक कारणों से उज्जैन आ गया। अतः श्री माहेश्वरी की स्नातक बी.ए. तक की शिक्षा उज्जैन में ही पूर्ण हुई। माता-पिता अत्यंत धार्मिक स्वभाव के प्रकृति प्रेमी थे। अतः श्री माहेश्वरी को प्रकृति में ही ईश्वर के दर्शन करने के संस्कार बचपन से अपने माता-पिता से मिले। ये संस्कार उनकी व्यावसायिक व्यस्तता में भी सुप्त रूप से उनके अन्तर्मन में बीज रूप में मौजूद रहे। बस इंतजार था तो अवसर के जल का।

लायंस ने दी सेवा को दिशा

श्री माहेश्वरी के अंतर्मन में मौजूद पर्यावरण प्रेम को अन्तर्राष्ट्रीय सेवा संस्था लायंस क्लब उज्जैन महाकाल ने सहयोग के जल से सींचकर पल्लवित होने का अवसर दिया। श्री माहेश्वरी वर्ष 1979 में क्लब से जुड़े और वर्ष 1998 से पर्यावरण के क्षेत्र में सक्रिय रूप से सेवा देने लगे। वे क्लब के अध्यक्ष, जोन चेयरमेन, रिजनल चेयरमेन व डिस्ट्रिक्ट चेयरमेन (पर्यावरण) आदि कई महत्वपूर्ण पदों पर रहे। पद कोई भी हो उन्होंने हमेशा पर्यावरण संरक्षण की जिम्मेदारी ही संभाली और सफलतापूर्वक निभाई भी। उनकी सेवा के लिये उज्जैन, इंदौर, जयपुर व श्रीलंका आदि में लायंस क्लब की ओर से उन्हें सम्मानित भी किया गया।

शुभकामना में भी पौधारोपण का संदेश

श्री माहेश्वरी का उद्देश्य अधिक से अधिक लोगों को पौधारोपण के लिये प्रेरित करना भी है। इसके लिये वे हर संभव प्रयास करते हैं। उनके पास लगभग 3 हजार लोगों के बॉयोडाटा संग्रहित हैं, जिन्हें वे उनके जन्मदिवस पर शुभकामना संदेश प्रेषित करते हैं। इसमें पौधारोपण करने की अपील भी शामिल होती है। इनमें कई फिल्मी हस्तियाँ भी शामिल हैं, जो बकायदा प्रत्युत्तर भी देती हैं। गत 8 वर्षों से चल रहे निःशुल्क पौधारोपण अभियान द्वारा वे शहर को कई वृक्षों की सौगात दे चुके हैं। लोग उनसे पौधे ले जाते हैं और फिर उनके बड़े होने पर उन्हें आमंत्रित कर दिखाते भी हैं। उनके इस अभियान में उनकी धर्मपत्नी मनोरमा, पुत्र सुनील कुमार, पुत्रवधू सीमा, पौत्र विवेक व पौत्री तनिष्का भी सतत् सहयोगी बने हुए हैं। उनकी बस सभी से एक ही अपील होती है कि हर व्यक्ति एक पौधा प्रतिवर्ष अवश्य लगाए।

साक्षात ईश्वर का प्रतिरूप पीपल

भारतीय संस्कृति में पीपल को साक्षात सृष्टि के पालनहार लक्ष्मीनारायण का स्वरूप माना गया है। यही कारण है कि यह दीर्घायुष्य, सौभाग्य व समस्त सुख संपदा का कारण होकर कई पावन अवसरों पर पूजित होता है। जब भारतीय संस्कृति के हर धार्मिक तथ्य के पीछे कोई न कोई वैज्ञानिक आधार अवश्य ही है, तो आईये देखें क्यों इतना महत्वपूर्ण है पीपल?

▸▸ टीम SMT

पशु-पक्षियों एवं पेड़-पौधों के पर्यावरणीय महत्व को स्वीकार करते हुये हमारी संस्कृति में उनका सम्मान करने के लिये त्योहारों पर उनकी पूजा व अनुष्ठान तक किए जाते हैं। पीपल की पूजा वैसे तो वर्षभर की जाती है लेकिन होलिका दहन के दसवें दिन 'दशा माता पर्व' पर पीपल पूजन का विशेष कार्यक्रम तय है। इसी क्रम में दो दिन पूर्व शीतला सप्तमी या अष्टमी का पूजन भी पीपल के नीचे बने स्थानक के ऊपर रखी खंडित मूर्तियों के पूजन से सम्पन्न होता है। दशा माता उस गृहदेवी को मानते हैं जो परिवार को सुदशा या सुख-समृद्धि प्रदान करती हैं। पीपल की छाया में व्रत-उपवास करके दशा माता का पूजन एक ओर जहां पीपल के जीवनदायी महत्व का सम्मान करना है, वहीं जीवन में धार्मिक अनुशासन एवं मानवीय गुणों का विकास करना भी है। पेड़-पौधों का आदर एवं उनकी रक्षा का संकल्प लेना वास्तव में मनुष्य के लिये स्वयं की रक्षा की व्यवस्था करना ही है। पीपल के पवित्र वृक्ष को धार्मिक, ऐतिहासिक या सार्वजनिक स्थलों पर ही रोपित किये जाने का विधान है। इसे घरों में लगाये जाने की मनाही है क्योंकि वैसा पवित्र वातावरण उसे घरों में नहीं मिल सकता है जैसी कि आवश्यकता होती है।

ऑक्सीजन का सतत प्रदाता

विशिष्ट भारतीय संस्कृति में पीपल वृक्ष को बहुत पवित्र एवं पूज्य माना जाता है। कहा गया है कि पीपल के वृक्ष में देवता निवास करते हैं। इसका अर्थ यह है कि पीपल में अनेक विशिष्ट गुण हैं। पीपल का वृक्ष चौबीसों घंटे प्राणवायु देकर वातावरण को शुद्ध एवं स्वास्थ्यप्रद बनाए रखने का कार्य करता है। अतः यह गुण उसे स्वतः ही पूजनीय बना देता है। पीपल को भगवान शंकर के रूप में भी पूजा जाता है। इसका कारण यह है कि जिस प्रकार समुद मंथन से प्राप्त विष को भगवान शंकर ने पीकर पृथ्वी को बचाया उसी तरह पीपल का वृक्ष भी वातावरण से जहरीली गैसों को निरंतर पीते रहकर मानव जाति को चौबीसों घंटे ऑक्सीजन देकर कल्याण करता है। यह एक प्रकार से ऑक्सीजन यंत्र है है। अतः फेफड़ों, दमा व अस्थमा के रोगियों को इसकी छाया में बैठने से आरोग्य की प्राप्ति होती है। इसके संपर्क में रहने वाले व्यक्ति की आयु लंबी एवं शरीर स्वस्थ रहता है। यह सृष्टि का एकमात्र वृक्ष है, जो 24 घंटे ऑक्सीजन देता है। अन्यथा अन्य सभी वृक्ष तो केवल दिन में ही ऑक्सीजन देते हैं। रात्रि में तो सभी कॉर्बन डाइऑक्साईड ही छोड़ते हैं।

जीवन के लिए सुकून के पल

इस वृक्ष की अनेक विशेषताओं में से एक यह है कि जब वायु बिल्कुल शांत हो तब भी इसके पत्ते हिलते रहते हैं। साथ ही इसके नीचे पानी के कणों का अहसास होता है जिसके कारण भीषण गर्मी में भी इसकी छाया में शीतलता का अनुभव होता है। शांत हवा होने पर भी पत्तों के निरन्तर हिलने और जल वाष्प के कारण छाया के शीतल रहने के बावजूद भी पीपल के पेड़ के नीचे कभी भी अन्धेरा नहीं रहता। सूर्य की रश्मियाँ सहज ही इसके पत्तों को पार कर धरती पर आती रहती हैं और वातावरण को स्वच्छ बनाती रहती हैं।

बोधीवृक्ष के रूप में सम्मानित

पीपल का वृक्ष लम्बी आयु का वृक्ष है इसलिये इसे अति महत्वपूर्ण स्थानों पर रोपित करने की परम्परा रही है। भारतीय इतिहास में तो इसे हर युग में महत्वपूर्ण स्थान रहा है। यह वृक्ष अपने नीचे बैठने वाले व्यक्ति को न केवल आरोग्य व बल प्रदान करता है, वरन् उसे विवेकशील, ज्ञानवान व योगी के गुण भी प्रदान करता है, फलस्वरूप उसे सत्य का बोध हो जाता है। बोधत्व प्रदान करने के इस गुण के कारण ही इसे बोधीवृक्ष के रूप में पूजा जाता है। बुद्ध को बोधीवृक्ष के नीचे ज्ञान प्राप्ति से लेकर अशोक की पुत्री संघमित्रा का बोधीवृक्ष की डाल लेकर धर्मदूत की मैत्री यात्रा के उद्देश्य से श्रीलंका जाना विश्व इतिहास में स्वर्णाक्षरों से लिखी घटना है। बौद्धकाल में राजमार्गों, धार्मिक स्थलों के आसपास व कुंओं के निकट पीपल के वृक्ष लगाने की ही परंपरा थी, जिसके कारण यात्रियों को विश्राम के लिये उत्तम छाया एवं शुद्ध जल की प्राप्ति होती थी।

कई रोगों की रामबाण औषधि

पीपल के वृक्ष की जड़, टहनियां, पत्ते, फल, छाल, गोंद तथा रस व रेशे आदि सभी अंग मनुष्य को निरोग बनाने में सहायता करते हैं। आयुर्वेद ग्रंथों में इसके चिकित्सीय गुणों को विस्तार से वर्णित किया गया है तथा चिकित्सा शास्त्री मानव को नया जीवन एवं शक्ति देने वाली श्रेष्ठ औषधियां पीपल के अंगों से तैयार करते हैं, साथ ही साधारण लोग भी इसकी अनेक विशेषताओं से परिचित हैं तथा घरेलू ढंग से कई रोगों के उपचार में पीपल के विभिन्न अंगों का प्रयोग करते है। गांवों के वनों में पीपल के वृक्ष इसीलिये ज्यादा लगाये जाते है ताकि वहां का वातावरण स्वास्थ्यप्रद बना रहे। पीपल की छाल पीलिया रोग दूर करती है।

बगीचे को ऐसे बनाएँ सपनों का संसार

बगीचा प्रकृति की सुंदरता की वह सौगात है, जिसकी जगह कोई नहीं ले सकता, लेकिन आपका बगीचा वास्तव में अपनी अपूर्व सुंदरता के साथ 'सपनों का संसार' बना रहे इसके लिए इसकी देखभाल भी उचित ढंग से करना जरूरी है। यदि हमने लापरवाही की तो इसके बेतरतीब होने से सुंदरता बढ़ने की जगह घटने लग जाएगी। तो आईये देखें कैसे करें अपने बगीचे की उचित प्रबंधन?

▸▸ डॉ. आर.सी. सक्सेना

आपके बगीचे के बारे में आप कितने ही सजग क्यों न हो लेकिन गर्मी की तपन पेड़-पौधों के कोमल फूल पत्तों को झुलसा देती है और रोहिणी नक्षत्र तो तौबा है। प्रकृति का घटना क्रम बरखा की हल्की फुहार लेकर ज्योति प्रविष्ट करता है। उद्यान प्रेमियों में नई आशा तथा एक नया उत्साह जागृत हो उठता है। एक सजग उद्यानप्रेमी को योजनाबद्ध तरीके से अपने बगीचे को सुधारने व संवारने में तत्काल लग जाना चाहिए।

फेंसिंग को भी सजाएं

किसी भी अच्छे बगीचे के लिए उसकी फेंसिंग सुदृढ़बनाए रखना पहली आवश्यकता है। अगर बगीचे की फेंस सिर्फ बांस, बल्ली, बार्ड वायर तथा एंगल की बनी हो तो अच्छा है कि फेंसिंग के अंदर की ओर एक फीट चौड़ी क्यारी चारों ओर बना लें। चाहे तो इसमें डिडोनिया के बीच या कटिंग जैसे मेहंदी डुरन्टा या क्लीरेन्ड्रन को दो कतारों में लगा लें। मिट्टी में गोबर का खाद मिला होने पर बारिश में देखेंगे कि आपकी हरियाली युक्त फेंसिंग 3-4 माह में 1-2 फीट ऊँची उठ जाएगी। अगर पहले से फेंसिंग बेतरतीब बढ़ चुकी हो तो बारिश में कटिंग करके नियंत्रित कर लेवें।

बगीचे का मार्ग अवश्य बनाएं

बारिश प्रारंभ होते ही बगीचे में आवागमन मार्ग को नये बगीचों में प्रारंभ से तथा पुराने बगीचों में पुनः संवारें। शुरू से बगीचे से गैरेज का मार्ग बिना व्यवधान के करीब ८ फीट चौड़ा होना आवश्यक है। साधारणतया चलने फिरने के लिए भी तीन साढ़े तीन फीट चौड़ा मार्ग होना चाहिए, जिससे दो व्यक्ति आसानी से चल सकें। बगीचे के मार्ग सीमेंट के हों तो बहुत ही अच्छा, अन्यथा ईंट के टुकड़े डालकर भी मार्ग बना सकते हैं।

बारिश मे दें नया लुक

बारिश प्रारंभ होते ही गर्मी से झुलसे मौसमी पौधे निकाल देवें। क्यारियों में गुड़ाई-निंदाई करवा कर गोबर का खाद मिलवा दें। जुलाई शुरू होते ही वर्षाकाल के पौधे जैसे झीनिया, बालसम, कॉसमास, गेंदा आदि से क्यारियों को नया मनमोहक आवरण देंगे। बारिश में लताओं-वृक्षों तथा फल की झाड़ियों पर विशेष ध्यान दीजिए। वर्षाकाल में चमेली, एण्टीगानेन, टेकोमा, क्लीरोडेनान, स्पलेन्डन्स, पेशन फ्लावर, बेलिया, गुलाब के भी अपनी छटा बिखेरने का समय आ गया। अगस्त सितंबर में अधिक बढ़ने पर काट-छांटकर नियंत्रित करने की आवश्यकता होती है। नहीं तो आवागमन का मार्ग अवरुद्ध होने तथा बगीचे की छटा के ढंक जाने का भय रहता है। बड़े वृक्षों तथा पुलित झाड़ियों के थलों को उथला करना होता है, जिससे बारिश का पानी अधिक समय भरा न रहे। बगीचे के चारों ओर पानी के निकास पर विशेष ध्यान देना चाहिए, नहीं तो बगीचा दलदल भरा नजर आएगा। अधिक पानी भी पेड़-पौधों की जड़ों को नुकसान पहुंचाता है। जमीन में नमी हो तो ऊपर से पानी न देवें।

ऐसे करें गमलों की देखभाल

बारिश के प्रारंभ होते ही अपने गमलों की देखभाल करिए। गमलों से पौधों को सावधानीपूर्वक मिट्टी के पिंड के साथ बाहर निकाले। जड़ों के जाल को छांट दीजिए तथा नई मिट्टी व खाद के मिश्रण से पौधों को गमले

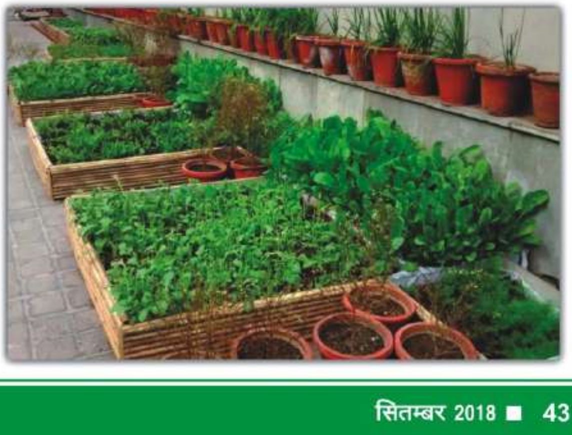

के बीचोंबीच पुनः लगा दीजिए व मिट्टी को लकड़ी के गटके के सहारे दबा दीजिए। गमले में पौधा लगाने के बाद पानी डालने पर नीचे के छिद्र से आसानी से पानी बाहर आ जाना चाहिए। बारिश में विशेष ध्यान देवें कि किसी भी गमले की सतह पर पानी रुका हुआ नहीं दिखे। अपनी मिट्टी गीली होने पर ऊपर से पानी देने की आवश्यकता नहीं होती है, गमलों में 15-20 दिन के अंतराल से खाद अवश्य देते जाएं।

वर्षाकाल नए पौधे तैयार करने का समय

नए पौधे तैयार करने के लिए वर्षाकाल का समय अति उत्तम है। नई पौध बीजों से कटिंग से या लेयरिंग से तैयार की जाती है। वृक्षों के बीज पालीथिन बेग में खाद-मिट्टी भरकर लगाकर रख देवें। बारिश का पानी पाकर नई पौध तैयार कर लें। छोटी झाड़ियों के कटिंग जैसे इकझोटा-एकालफा-कामनी-रातरानी, गुड़हल, चांदनी, श्रावणी, रूटिंग की मदद से तैयार किए जा सकते हैं। पहले से बालू रेती व पत्ती की खाद व मिट्टी मिलाकर इसमें कटिंग लगाने से पौधे तैयार करना अधिक सफल होता है। ऐसे ही सम्मिश्रण को ट्रे में बिछाकर फूलों के बीच कतारों में लगाकर कांच से ढंक देवें। थोड़ी हवा जाने का स्थान रखें। इससे आपके लगाए बीज अच्छे प्रस्फुटित हो सकते हैं। 2-3 इंच के पौधों को जमीन पर आसानी से स्थानांतर किया जा सकता है। बेल चमेली, अल्मंडा, क्लिरोडनाम, पेशन फ्लावर की अग्रिम टहनियों को खाद युक्त मिट्टी से दबाकर नई पौध तैयार की जा सकती है। कॉटन-ड्रायसेना को बूटी बांधकर बारिश में नए पौधे ले सकते हैं।

ऐसे पाएं प्रदूषण रहित ताजी सब्जियां

अपने किचन गार्डन में बारिश की साग-सब्जियां लगाएं। अधिकतर इसमें बेलों पर लगने वाली गिलकी, तोरई, लौकी, बरबरी, करेले जो गर्मी से बारिश तक ताजी सब्जियां होती हैं। क्यारियों में पानी की रुकावट न हो, नहीं तो पौधे गले जाएंगे। आपके किचन गार्डन में नीबू/अमरूद लगे हों तो उसका बारिश में भरपूर आनंद लीजिए। अरबी जमीन में लगा रखी हो तो बारिश में उसके पत्ते से व्यंजन बनाइए। अपनी बगिया माली के कंधों पर न छोड़ें। स्वयं भी रुचि लेकर कार्य करें। आपको एहसास होगा कि मेहनत का फल आत्म संतुष्टिदायक होगा। बागवानी में एक रचनात्मक आनंद आता है। इससे ईश्वर का वृहद स्वरूप स्वयं देखने का अच्छा अवसर मिलता है।

वृक्षारोपण धरती मां का कर्ज चुकाना है-काबरा

शास्त्रों में लिखा गया है कि लाखों योनी के सत्कर्मों के पश्चात हमें मानव जीवन मिलता है और हमें धरती मां की गोद में जन्म लेने का सौभाग्य प्राप्त होता है। जिस मां के आंचल में मानव जन्म लेने के लिए हम लाखों योनी में से गुजरते हैं, आज वृक्षों का छेदनकर हम हमारी उसी धरती माता की कोख को उजाड़ रहे हैं और आने वाली पीढ़ी के लिए इस स्वर्ग को नर्क में बदलने का महापाप कर रहे हैं। आज वृक्षों की कमी की वजह से सारा विश्व किस अल्प या अतिवृष्टि से गुजर रहा है, उस वास्तविकता से कोई भी अनजान नहीं है। वृक्षों के छेदन से पर्यावरण के साथ जो छेड़छाड़ हो रही है, उसी के फलस्वरूप ग्लोबल वार्मिंग जैसी भयावह समस्या से पूरा विश्व ग्रसित है। इन सब समस्याओं का समाधान यदि कुछ है, तो मात्र और मात्र पौधारोपण ही है, क्योंकि वृक्ष ही ऑक्सीजन का स्रोत हैं जो कि पर्यावरण को शुद्ध करते हैं, जल का संरक्षण करते हैं और तापमान को नियंत्रण में रखते हैं। वृक्ष ही आयुर्वेद के आधार स्तंभ हैं, जो भोजन के मुख्य स्रोत भी हैं और हमारे स्वास्थ्य की रक्षा भी करते हैं।

यदि व्यापारिक दृष्टि से भी देखें, अर्थव्यवस्था का साधन हैं वृक्ष। वृक्ष से फल-सब्जी, अन्न, ईंधन, फर्नीचर, खेलकूद के सामान, औषधी तथा अन्य कई चीजें मिलती हैं जिनसे अर्थव्यवस्था को गति मिलती है व मानव जाति को रोजगार मिलता है। कागज, रबर तथा माचिस जैसे अनेक उद्योग पेड़ों पर ही आश्रित हैं। वृक्ष प्रॉपर्टी की कीमत भी बढ़ाते हैं क्योंकि पेड़-पौधों से आच्छादित प्रॉपर्टी की ओर लोग ज्यादा आकर्षित होते हैं। जैसा कि मैंने पहले भी उल्लेख किया है पेड़ लगाने को शास्त्रों में संतान से भी बढ़कर महत्व दिया गया है। जिस धरती मां ने इतना कुछ दिया है उसके संतुलन को बनाए रखने के लिए और हमारी अपनी सुरक्षा के लिए हमें वृक्षों के निकंदन को रोकना है, वृक्षों की देखभाल करनी है और ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाकर अपने आपके लिए, अपने परिवार के लिए और हमारी आने वाली पीढ़ी के लिए इस अनमोल प्राकृतिक धरोहर का जतन करना है। अंततः पौधारोपण के इस महापुण्यशील कार्य के लिए मेरा यही निवेदन है कि "वृक्ष लगाएं, जन्मदिन मनाएं" और "एक बच्चा, सौ वृक्ष" के संकल्प का अनुसरण करके धरती मां को आने वाली पीढ़ी के लिए स्वर्ग बनाएं।

त्रिभुवन काबरा
अध्यक्ष गुजरात प्रादेशिक माहेश्वरी सभा

वैसे तो सभी वृक्ष प्रकृति के वरदान ही हैं, लेकिन इनमें भी नीम मात्र एक वृक्ष नहीं बल्कि अपने आप में एक औषधियों का खजाना है। आपको यह जानकार शायद आश्चर्य हो कि हमारी लगभग अधिकांश बीमारियों को एक मात्र नीम दूर कर सकता है। तो आईये संकल्प लें, इस परिपूर्ण वैद्य को अपने घर बुलाने का।

नीम लगाएं स्वास्थ्य बचाएं

▸▸ महेश केकड़ीवाल, मुम्बई

भारतीय संस्कृति में नीम का विशेष महत्व है। हमारे यहां आम धारणा रही है कि जहां नीम है, वहां रोग व मृत्यु नहीं आती। अमेरिका सहित कई देश इसे पेटेंट कराने में वर्षों से जुटे हैं। विदेशों में नीम को एक ऐसे पेड़ के रूप में पेश किया जा रहा है जो मधुमेह से लेकर कैंसर और न जाने किस-किस तरह की बीमारियों का इलाज कर सकता है। कारण यही है कि नीम के औषधीय गुणों को घरेलू नुस्खों में उपयोग कर स्वस्थ व निरोगी बना जा सकता है। नीम एक चमत्कारी वृक्ष माना जाता है, जो प्रायः सर्व सुलभ मिल जाता है। यह पूरे भारत में फैला है और हमारे जीवन से जुड़ा है। नीम एक बहुत ही अच्छी वनस्पति है जो भारतीय पर्यावरण के अनुकूल है और भारत में बहुतायत में पाया जाता है। भारत में इसके औषधीय गुणों की जानकारी हजारों सालों से रही है। यही कारण है कि नीम हमारे लिए अति विशिष्ट व पूजनीय वृक्ष है। नीम को संस्कृत में निंब वनस्पति कहते हैं।

एक नीम, गुण हजार

यह वृक्ष अपने औषधि गुण के कारण पारंपरिक इलाज में बहुपयोगी सिद्ध होता आ रहा है। नीम स्वभाव से कड़वा जरूर होता है परंतु इसके औषधीय गुण बड़े ही मीठे होते हैं। तभी तो नीम के बारे में कहा जाता है कि एक नीम और सौ हकीम दोनों बराबर हैं। इसमें कई तरह के कड़वे परंतु स्वास्थ्यवर्धक पदार्थ होते हैं। इनमें मार्गोसी, निम्बिडीन, निम्बेस्टेरोल प्रमुख हैं। नीम सर्वरोगहारी गुणों से भरा पड़ा है। यह हर्बल आर्गेनिक पेस्टिसाइड साबुन, एंटीसेप्टिक क्रीम, दातुन, मधुमेहनाशक चूर्ण, कास्मेटिक आदि के रूप में भी प्रयोग किया जाता है। नीम की छाल में ऐसे गुण होते हैं, जो दांतों और मसूढ़ों में लगने वाले बैक्टीरिया को पनपने नहीं देते हैं। इससे दांत स्वस्थ व मजबूत रहते हैं।

आयुर्वेद ने भी सराहा

चरक संहिता और सुश्रुत संहिता जैसे प्राचीन चिकित्सा ग्रंथों में भी इसका उल्लेख मिलता है। इसे ग्रामीण औषधालय का नाम भी दिया गया है। यह पेड़ बीमारियों वगैरह से आजाद होता है और उस पर कोई कीड़ा-मकौड़ा नहीं लगता इसलिए नीम को आजाद पेड़ कहा जाता है। भारत में नीम का पेड़ ग्रामीण जीवन का अभिन्न अंग रहा है। लोग इसकी छाया में बैठने का सुख तो उठाते ही हैं, साथ ही इसके पत्तों, निंबौलियों, डंडियों व छाल को विभिन्न बीमारियां दूर करने के लिए प्रयोग करते हैं। आयुर्वेद ग्रंथों में नीम के गुण के बारे में चर्चा इस तरह है

''निम्ब शीतों लघुग्राही कतुर कोअग्नि वातनुत।
अध्यः श्रमतुटकास ज्वरारुचिक्रिमी प्रणतु।।

अर्थात - नीम शीतल, हल्का, ग्राही, पाक में चरपरा, हृदय को प्रिय, अग्नि, परिश्रम, तृषा, अरुचि, क्रीमी, व्रण, कफ, वमन, कोढ़ और विभिन्न प्रमेह को नष्ट करता है।

इधर-उधर चहकते तथा कतारबद्ध उड़ान भरते पक्षी शायद प्रकृति की सबसे सुंदर कृति हैं, लेकिन ये न सिर्फ सुंदरता के लिए ही हैं, बल्कि पर्यावरण को संरक्षित रखने में भी एक सच्चे मित्र की तरह महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। यदि यह कहें कि हम पर्यावरण बिगाड़ने की कोशिश करते हैं और ये सुधारने की तो अधिक उचित होगा। लेकिन ये सब कब तक....?

▸▸ टीम SMT

पर्यावरण के सच्चे मित्र पक्षी

अगर हम ध्यान से देखें तो पर्यावरण को संतुलित करने में पक्षियों का बहुत ही बड़ा योगदान है। सच कहें तो पर्यावरण और पक्षी एक-दूसरे के पूरक हैं। आप यह सोचें कि पृथ्वी पर हम जो कचरा पैदा कर रहे हैं, उसका पक्षी अलग-अलग तरीके से निराकरण कैसे कर रहे हैं तो आप स्वयं हैरान हो जाएंगे। वे अपना भरण-पोषण भी तरह-तरह से करते आ रहे हैं। वे पौधारोपण में मददगार हैं। यह सोच का विषय है कि नीम, बड़, पीपल, फर्न, खजूर, टेमरू के पौधे नदी, तालाब, बावड़ी, कुएँ के किनारे कहाँ से आए? ये पक्षी ही अपनी बीट करके बारिश में पौधों को जन्म देते हैं। पहाड़ी पर कई पौधे इसी विधि से उत्पन्न होते हैं जो आगे चलकर जंगल का रूप ले लेते हैं।

पर्यावरण श्रृंखला की अहम कड़ी

विचार करें पर्यावरण एक लंबी श्रृंखला में जुड़ा हुआ है, कुछ के बारे में हम अवश्य ध्यान दे सकते हैं, जैसे गिद्ध, मैना, ग्रीन बी ईटर, स्पेरो (चिड़िया), एगरेटस, कौआ, चील आदि। इनका ध्यान से अध्ययन करें तो हैरत में पड़ जाएंगे। वे कैसे पेड़-पौधों के प्रसार में सहायक होते हैं। जिनसे हमें अनाज, फल, फूल तो मिलते ही हैं, साथ ही शुद्ध हवा से जीवन बना रहता है। यहां यह उक्ति लागू होती है "जीवन जीवस्य भोजनम्"। बहुत से बड़े पेड़-पौधे जैसे बड़, पीपल के बीज पक्षियों के द्वारा ही पहाड़ों पर पहुंचते हैं तथा ताल, तलैया, नदी, बावड़ी पर ये पैदा होते हैं। यह उनकी बीट का प्रतिफल है।

अवशिष्ट का निराकरण

कीड़े-मकोड़े का भक्षण कर पक्षी पेट भरते हैं। वे कचरे एवं हमारे द्वारा जो भोजन के कण जूठन में छोड़े जाते हैं, उसे समेट लेते हैं। साथ ही मरे हुए जानवरों के मांस को भी अपना खाना बनाते हैं। पक्षी भी शाकाहार, मांसाहार तथा फूलों के रस पर जीवन पूरा करते हैं। कैसे मक्खी-मच्छर उनको भोजन बनाते हैं? अंत में हम इस निष्कर्ष पर पहुंचेंगे कि यह बड़ी श्रृंखला के रूप में संचालित होता रहता है। गिद्ध व चील समुदाय मानव की बड़ी सेवा करते हैं। चील बड़ी ऊंचाई से मरे पशुओं की सूचना गिद्ध तक पहुँचाते हैं, और मरे हुए पशुओं को गिद्ध थोड़े ही समय में चटकर जाते हैं। इस कार्य में मरे पशुओं की गंध से हम निजात पाते हैं। पर्यावरण स्वच्छ हो जाता है। वैज्ञानिकों ने पता लगाया है कि दर्दनाशक दवाओं से पशु बड़ी संख्या में शहर व गांवों में मरते हैं। हम लोग उन मृत पशुओं को बस्ती के बाहर सड़क के किनारे डाल देते हैं और इससे पूरा वातावरण दूषित हो जाता है। इनसे मुक्ति देने में पक्षी ही अहम हैं।

कीट-पतंगों का एक मात्र समाधान

वातावरण में कीट-पतंगों की लगभग 30 हजार प्रजातियां आंकी गई हैं जो थोड़े से समय में दोगुनी हो जाती हैं। ये पेड़ों के पत्ते कुछ ही समय में सूखाने के लिए पर्याप्त हैं। ये सिर्फ पक्षियों के भोजनकर बनकर नष्ट हो कर ही नियंत्रित होते हैं। वातावरण को स्वच्छ एवं प्राणदायी बनाए रखना है तो पक्षियों का होना हमारे लिए ईश्वरी देन है। आज हम पक्षियों के खत्म होने की समस्या से जूझ रहे हैं। लोग पानी के बर्तन संस्थागत बांट रहे हैं, लेकिन यह प्रयास व्यापक स्तर पर करने की जरूरत है। वे पेड़-पौधे देकर स्वच्छ वातावरण व प्राण वायु दे रहे हैं। निश्चित ही पक्षी पर्यावरण संतुलन में एक महत्वपूर्ण कड़ी हैं।

हर मोड़ पर पक्षी परम मित्र

मैना के बारे में आपने देखा होगा कि जब भंडारा होता है या विवाह की जूठन पड़ी है, वे वहां पहुंच जाती है। रेलवे प्लेटफॉर्म के ऊपर मैना के समूह को बसेरा करते देखा होगा जो यात्रियों द्वारा फेंकी हुई जूठन से पेट भरती हैं तथा वातावरण साफ करती हैं। घरों में अनाज में दाल, रवा, चावल में घुन हो जाए या इल्ली का प्रकोप हो जाए तो वे उन्हें मौका पाते ही साफ कर देती हैं। वैसे ही बगुलों को गाय या चरते हुए जानवर की पीठ पर बैठे हुए देखा होगा जमीन पर जानवर के चलते कीड़े-मकोड़े जमीन पर आ जाते हैं। बगुला उसे अपना भोजन बना लेते हैं। कौए के बारे में घरों में बच्चे को सुबह मुंह धोती हुई महिलाएं कहती हैं 'कीच्छी-कीच्छी कौआ खाय दूध मलाई मुन्ना खाय' यह आम बात देखी गई है। भेड़ों के समूह की कतारों पर गाय बगुला को पीठ पर बैठे चलते देखा होगा। वैसे ही ग्रीन बीईटर अपने मौसम में बिजली के तारों से उड़कर हवा में कीट पंतगें पकड़ लेता है। बारिश के दिनों में बिजली के खंभों के नीचे पतंगों की शाम को भीड़ लग जाती है। सुबह देखेंगे सिर्फ वहां परों के डेर दिखेंगे, पक्षी उनकी देह से पेट भरते हैं। अगर कठफोड़ा की ओर देखें तो वह अपनी पेनी चोंच से वृक्ष के बाहरी आवरण पर सुराख बना नीचे बैठे कीड़ों-मकोड़ों को चटकर जाता है व पेड़ सूखने से बच जाता है।

69 वाँ जन्मदिवस विशेष

समाज की सेवा हो या राष्ट्र की वास्तव में सच्चे हृदय से ईमानदारी पूर्वक की जाऐं तो यह मानवता की सेवा ही है। इस ध्येय वाक्य को ही चरितार्थ कर रहे हैं, अ.भा. माहेश्वरी सेवा सदन के पूर्व अध्यक्ष महासभा के पूर्व महामंत्री व राजनीति में भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कोषाध्यक्ष रामकुमार भूतड़ा। श्री भूतड़ा मनाने जा रहे हैं, आगामी जन्माष्टमी पर्व पर अपना 69 वाँ जन्मदिवस।

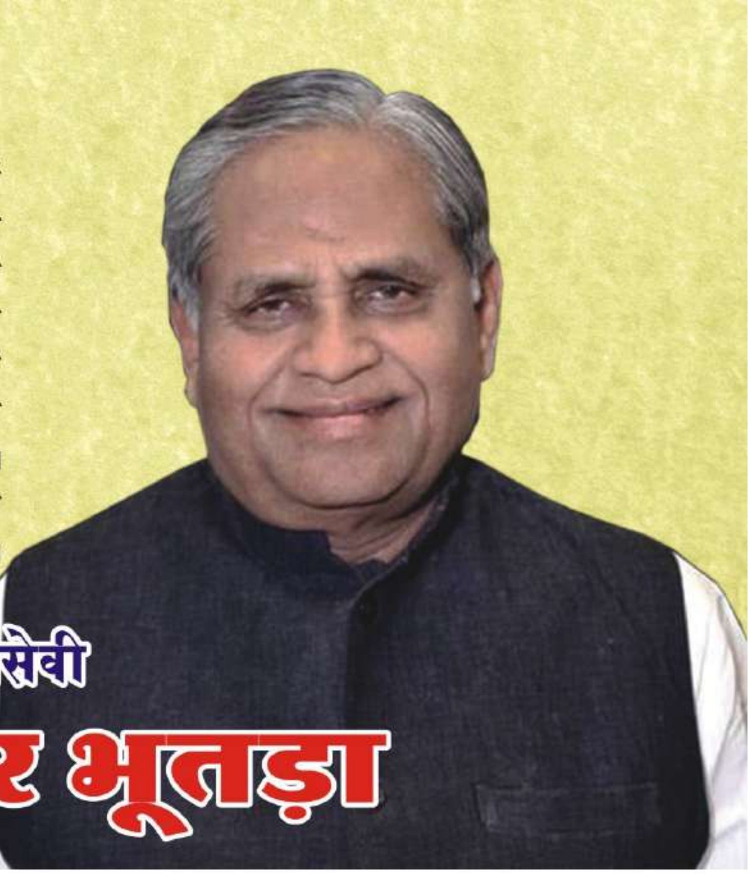

राष्ट्र सेवा के पथ के समाजसेवी रामकुमार भूतड़ा

▶▶ टीम SMT

भगवान श्रीकृष्ण के जन्मदिवस जन्माष्टमी पर सन् 1949 में राजस्थान के एक छोटे से गाँव डोडीयाना, तहसील डेगाना, जिला नागौर में स्व. श्री शिवदयाल भूतड़ा के यहाँ एक मध्यमवर्गीय परिवार में जन्में रामकुमारजी का बाल जीवन भी भगवान श्रीकृष्ण की तरह ही रहा। उन्हें भी अपने गाँव से बेहद लगाव रहा। अपने गाँव की सुविधाविहीनता व पिछड़ापन उन्हें बहुत कष्ट देता था। स्वयं की पढ़ाई भी उन्हें पारिक संस्कृत विद्यालय मेडता सिटी तथा कक्षा 9 से 10 तक की सांईनाथ विद्या मंदिर बडायली से पूर्ण करनी पड़ी। इसके बाद कक्षा 12 वीं की परीक्षा उन्होंने पत्राचार से पढ़ाई कर उत्तीर्ण की। उनका सपना था कि उनका गाँव सुविधाओं में सबसे आगे रहे। बस इस सपने ने ही उन्हें राजनीति में भी सक्रिय कर दिया। शुरूआत से रही जनसंघ की विचारधारा ने उन्हें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की ओर प्रेरित कर दिया। 18 वर्ष की आयु में शासकीय अध्यापक पद पर नौकरी लग गई, लेकिन उनके सिद्धांतों से नौकरी टकरा गई। विभाग के हाईकमान ने उन पर आरएसएस को छोड़ने के लिये दबाव बनाया। उन्हें आरएसएस से दूर हटना किसी भी कीमत पर मंजूर नहीं था। बस सिद्धांतों के इस टकराव में उन्होंने सन् 1967 में नौकरी को ही तिलांजलि दे दी।

सतत चली सेवा यात्रा

श्री भूतड़ा ने आजीविका के लिये ग्रेनाईट स्टोन उद्योग के क्षेत्र में कदम रख दिया। वर्तमान में वे राजस्थान ही नहीं प्रदेश के बड़े स्टोन व्यवसायियों में से एक हैं। श्री भूतड़ा अपनी व्यवसायिक व्यस्तता के बावजूद समाज संगठन से कभी दूर नहीं रहे। समाज संगठन के अन्तर्गत श्री भूतड़ा ने वर्ष 1990-96 तक नागौर जिला माहेश्वरी सभाध्यक्ष, वर्ष 1990-98 तक राजस्थान प्रादेशिक सभा के कार्यसमिति सदस्य व वर्ष 1998-2001 तक इसी प्रादेशिक संगठन में संयुक्त मंत्री जैसे पदों पर भी सेवा दी। अ.भा. माहेश्वरी सेवा सदन से वर्ष 1980 से कार्यसमिति सदस्य के रूप में सम्बद्ध हुऐ और वर्ष 1984 में इसमें संयुक्त मंत्री एवं वर्ष 1999 से 2003 तक उपाध्यक्ष रहे। वर्ष 2003 से 2012 तक सतत् दो सत्रों तक संस्था अध्यक्ष पद की जिम्मेदारियों का निर्वहन किया। समग्र वैश्य समाज के सर्वोच्च संगठन अ.भा. वैश्य महासम्मेलन में आप राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य एवं नागौर जिला वैश्य सम्मेलन अध्यक्ष पद के उत्तरदायित्वों आदि का निर्वहन भी करते रहे हैं। आदित्य विक्रय बिड़ला मेमोरियल ट्रस्ट चैन्नई के संस्थापक सदस्य हैं। माहेश्वरी छात्रावास कोटा, बांगड़, माहेश्वरी मेडिकल वेलफेयर सोसायटी ब्यावर एवं गोल बालाजी मंदिर के ट्रस्टी हैं व श्रीकृष्ण गौशाला डोडियाना के अध्यक्ष है।

राजनीति में भी विश्वास का प्रतीक

नागौर ही नहीं बल्कि सम्पूर्ण राष्ट्र में नागौर राजस्थान निवासी रामकुमार भूतड़ा की पहचान एक प्रतिष्ठित ग्रेनाईट स्टोन व्यवसायी के रूप में है। यह मुकाम भी जीवन के कठोर संघर्षों से श्री भूतड़ा ने प्राप्त किया, लेकिन श्री भूतड़ा की पहचान यहीं पर सीमित होकर नहीं रही। अपनी तमाम व्यस्तता के बावजूद समाजसेवा और राजनीति के पक्ष भी उनकी विशिष्ट सेवाओं से अछूते नहीं रहे। यही कारण है कि समाज सेवा हो या राजनीति इन दोनों क्षेत्रों में भी श्री भूतड़ा वैसे ही प्रतिष्ठित व्यक्ति हैं, जैसे व्यवसाय जगत में शून्य से शिखर के यात्री के रूप में। आप वर्तमान में भारतीय जनता पार्टी के राजस्थान प्रदेश कोषाध्यक्ष के रूप में अपनी सेवा दे रहे हैं। पार्टी द्वारा उनकी समर्पित सेवाओं को देखते हुए उन्हें समस्त प्रकोष्ठों का प्रभारी भी नियुक्त किया गया था। इसके साथ श्री भूतड़ा पार्टी के नागौर जिला शहर व जिला ग्रामीण दोनों के संगठन प्रभारी के रूप में भी अपनी सेवाएं दे चुके हैं। समाज संगठन में अ.भा. माहेश्वरी सेवा सदन को दो सत्रों में अध्यक्ष तथा महासभा को महामंत्री के रूप में भी सेवाएं दे चुके हैं।

लड़के-लड़कियों के रिश्ते ढूँढना हुआ बेहद आसान
हमारी वेबसाइट है
इसका सही समाधान

High Status,
Middle Status,
NRI, Manglik, Non Manglik,
Biodata MBA, MCA, Doctor,
Engg. Biodata, CA, CS,
ICWA Biodata

Graduate,
Post Graduate Biodata
Professional Biodata
Businessman Biodata
Service Class Biodata

माहेश्वरी समाज के लिए
60 हजार से अधिक

जैन समाज के लिए
70 हजार से अधिक

अग्रवाल समाज के लिए
1 लाख से अधिक

Website

www.maheshwari.org
www.jain2jain.org
www.agrawal2agrawal.org

Registration Free

Registration Free

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें-

39/1, Old Rajendra Nagar, New Delhi-110060
Phones :011-25746867, M. : 093129 46867

सेवा का वटवृक्ष बना अभा माहेश्वरी सेवा सदन पुष्कर

▶▶ टीम SMT

वर्तमान में सेवा संस्था श्री अभा माहेश्वरी सेवा सदन पुष्कर का नाम आते ही हर समाजजन का सिर गर्व से ऊंचा हो जाता है। आखिर गर्व क्यों न हो क्योंकि इस संस्था ने अत्यंत लघुस्तर से अपनी सेवा यात्रा प्रारंभ कर आज जो सफलता अर्जित की है, वह वास्तव में ऐतिहासिक ही है। कार्तिक शुक्ल पूर्णिमा संवत् 2025 माहेश्वरी समाज के सामूहिक विवाह सम्मेलन के अवसर पर तीर्थराज पुष्कर में पधारने वाले माहेश्वरी बंधुओं के आवास के लिए धर्मशाला के निर्माण का निर्णय हुआ। तत्पश्चात भूमि क्रय कर संवत 2026 को सदन के शिलान्यास के साथ कार्य प्रारंभ हुआ एवं सदन के प्रथम चरण का निर्माण हुआ।

कोई कल्पना भी नहीं कर सकता कि वर्तमान में अपने 11 विशाल भवनों के साथ सेवा में जुटी संस्था अभा माहेश्वरी सेवा सदन मात्र एक छोटी सी धर्मशाला से शुरू हुई थी। आज यह सेवा के ऐसे वटवृक्ष का रूप ले चुकी है, जो अपने भवनों की विशाल श्रृंखला से तो सेवा दे ही रहा है, अन्य कई प्रकल्पों द्वारा भी समाज की सेवा कर रहा है।

फिर बनाया विश्वास का कीर्तिमान

एक धर्मशाला के रूप में इस तरह प्रारंभ यह सेवा यात्रा अभा माहेश्वरी सेवा सदन के रूप में सेवा के वटवृक्ष के रूप में विस्तारित होती चली गई। रामकुमार भूतड़ा के दो सत्र के अध्यक्षीय कार्यकाल में तो इसने अत्यंत तीव्र विकास गति प्राप्त कर ली। वर्तमान में प्रधान कार्यालय पुष्कर के साथ वृंदावन, हरिद्वार, बद्रीनाथ, नाथद्वारा, रामदेवरा, चारभुजा, जतीपुरा व जोधपुर में इसकी शाखाएं अपने सुविधाजनक भवनों से सेवा दे रही है। वर्तमान में अभा माहेश्वरी सेवा सदन जुगलकिशोर बिड़ला के अध्यक्षीय कार्यकाल में सेवा पथ पर अग्रसर है। उनके नेतृत्व में भवनों के आधुनिक स्वरूप के साथ कायाकल्प का बहुप्रतीक्षित अभियान चल रहा है।

आधुनिक तकनीक के साथ सेवा में तैयार

सेवा सदन भवनों की फोन पर एडवांस बुकिंग तो लंबे समय से जारी है। अब आधुनिक तकनीक के दौर में सेवा सदन हाईटेक होकर ऑनलाइन बुकिंग भी कर रहा है। इसके लिए सेवा सदन की बेवसाइट पर जाकर संबंधित सेवा भवन में एडवांस ऑनलाइन बुकिंग करवाई जा सकती है। सभी भवनों में एसी, नॉन एसी, एयरकूल्ड कमरे न्यूनतम सहयोग राशि पर उपलब्ध हैं। पुष्कर, वृंदावन, हरिद्वार, चारभुजा, नाथद्वारा, जोधपुर में न्यूनतम दर पर उत्तम भोजन व्यवस्था भी उपलब्ध होती है। सामाजिक समारोहों हेतु भव्य हॉल एवं खुले मैदान की व्यवस्था है। वर्तमान परिवेश के अनुसार आधुनिकतम सुविधाओं से सुसज्जित डीलक्स रूम भी तैयार हो रहे हैं।

सेवा के वृहद क्षेत्र

अभा माहेश्वरी सेवा सदन अब सिर्फ भवनों तक ही सीमित अन्य रहा बल्कि अपने विभिन्न सेवा प्रकल्पों के माध्यम से वृहद रूप से सेवा भी

प्रदान कर रहा है। हरिद्वार में अनवरत अन्नक्षेत्र संचालित किया जा रहा है। सेवा सदन द्वारा पुष्कर में कबूतर दाना व्यवस्था, आयुर्वेदिक औषधालय व वृद्धाश्रम में वरिष्ठों को आवास, भोजन एवं वस्त्र सहित 500 रुपए प्रतिमाह अतिरिक्त सहयोग प्रदान किया जाता है। विधवा एवं असहाय सहायता तथा शिक्षा छात्रवृत्ति के रूप में भरपूर सहयोग किया जाता है। समय-समय पर कॅरियर गाइडेंस शिविर आयोजित करवाने के साथ-साथ राजनीतिक चेतना लाने के लिए समाज के विजेता सांसदों, विधायकों एवं अन्य निर्वाचित प्रतिनिधियों के स्वागत समारोह भी आयोजित किए जाते हैं। तृतीय कन्या प्रोत्साहन योजनांतर्गत सेवा सदन द्वारा 50 हजार रुपए की एफडी कन्या जन्म पर प्रदान की जाती है। सभी भवनों की साफ-सफाई पर विशेष ध्यान दिया जाता है।

हरिद्वार के भवन का विस्तार

इस वर्ष मई माह से अत्यधिक यात्रियों का आगमन हुआ। यात्रियों की संख्या को देखते हुए हरिद्वार में पीछे वाली बिल्डिंग में एक फ्लोर और बढ़ाने की योजना पर विचार कर रहे हैं। इससे करीब 14 कमरे और नए बन जाएंगे। सदन की कार्यप्रणाली को पारदर्शी करने के लिए डिजिटल एवं ऑनलाइन व्यवस्थाएं प्रारंभ की जिसमें ऑनलाइन कमरा बुकिंग, मेंबरशिप आवेदन, एकाउटिंग, अटेंडेंस, कैमरे आदि मुख्य है। कुछ भवनों में ऑनलाइन व्यवस्थाएं अभी प्रारंभ करना बाकी हैं। धीरे-धीरे सभी भवनों में ये व्यवस्थाएं प्रारंभ कर दी जाएंगी। अभी पुष्कर, हरिद्वार, वृंदावन, नाथद्वारा, चारभुजा, जोधपुर व रामदेवरा में अग्रिम ऑनलाइन कमरा बुकिंग व्यवस्था सुचारु से चल रही है। भविष्य में चुनाव ऑनलाइन हो इसकी प्रक्रिया प्रारंभ कर दी है।

सेवा सदन के सेवा भवन

- श्री अभा माहेश्वरी सेवा सदन, महेश मार्ग, पुष्कर जिला अजमेर (राजस्थान) 305022 फोन 0145-2772038
- श्री अभा माहेश्वरी सेवा सदन, महेश मार्ग, रमणरेती रोड (उप्र) 281124 फोन 0565-2540421
- श्री अभा माहेश्वरी सदन, दूधाधरी मंदिर के सामने, ऋषिकेश रोड, हरिद्वार (उत्तराखंड) 249401 फोन- 01334-261636, 261141
- श्री अभा माहेश्वरी सेवा सदन, बस स्टैंड के पास, बद्रीनाथ (उप्र), 246422 फोन-01381-222237
- श्री अभा भारतीय माहेश्वरी सेवा सदन, नाथुवास रोड, नाथद्वारा (राज). 313301 फोन 02953-232301, 231379
- श्री अभा माहेश्वरी सेवा सदन, गढ़बोर, चारभुजा (राज) 313333 फो. 02954-24820
- श्री अभा माहेश्वरी सेवा सदन, पोकरण रोड, रामदेवरा (राज) फोन- 2996-235080
- श्री अभा माहेश्वरी सेवा सदन, परिक्रमा मार्ग, मुखारविंद के पास, जतीपुरा वाया गोवर्धन (उप्र) 281502 मो 97605-96727
- श्री अभा माहेश्वरी सेवा सदन, प्लॉट नंबर 7 व 8, रामसुख नगर, कुरियो क्रॉफ्ट के पास, रोड नं. 11 एक्स रोड बासनी जोधपुर (राज.)
- सर्वे नंबर 48, मखमलाबाद परिसर, रांका स्क्वेयर के आगे, पंचवटी, नासिक (महाराष्ट्र)
- 200 फीट बायपास, जगदगुरु कृपालुजी महाराज के आश्रम के सामने, जगन्नाथपुरी (ओडीशा)

घर से बाहर 'घर'
माहेश्वरी सेवा सदन मथुरा

भगवान श्रीकृष्ण की नगरी मथुरा पहुंचने वाले श्रद्धालु हों या वहां कोई मांगलिक आयोजन, उनके लिए माहेश्वरी सेवा सदन भवन अपने आप में गर्व का विषय होता है। गर्व है दो कारणों से, एक इसके सुव्यवस्थित प्रतिष्ठापूर्ण निर्माण से तथा दूसरा इसकी माहेश्वरी मारवाड़ी संस्कृति के अनुरूप सेवा से। यहां पहुंचा हर तीर्थयात्री घर की सी सुरक्षा, स्वच्छता व अपनत्व भरा वातावरण जब पाता है, तो सराहे बिना नहीं रहता।

माहेश्वरी समाज अपनी सेवा भावना से देश ही नहीं बल्कि संपूर्ण विश्व में विशिष्ट पहचान रखता है। समाज के इन्हीं आदर्शों को आत्मसात कर भगवान श्रीकृष्ण की जन्मस्थली मथुरा में 'घर से दूर घर' की तरह सुविधा प्रदान कर रहा है, श्रीकृष्ण सेवा ट्रस्ट द्वारा संचालित माहेश्वरी सेवा सदन।

» के.जी. माहेश्वरी, मथुरा

धार्मिक स्थलों के निकट

माहेश्वरी सेवा सदन मथुरा के हृदय स्थल में सभी प्रमुख धार्मिक स्थलों के निकट स्थित है। यहां से भगवान श्री द्वारिकाधीश व जमुना महारानी की दूरी लगभग 1 किमी एवं श्रीकृष्ण जन्मस्थल व बिड़ला मंदिर की दूरी लगभग 2 किमी है। हर समय यहां से यातायात के साधन उपलब्ध हैं। पूर्व सूचना पर भोजन के साथ व्यक्तिगत यातायात की व्यवस्था भी उपलब्ध करवा दी जाती है। चाय-स्नेक्स हेतु सदन के बाहर ही दुकानें उपलब्ध हैं। सदन के अंदर भी अत्यंत सुंदर मंदिर स्थित है।

पूर्ण सुविधाजनक व्यवस्था

पर्याप्त आकार के भूखंड पर निर्मित यह भवन सर्वसुविधायुक्त है। इसमें यात्रियों के ठहरने के लिए अटैच्ड लैटबॉथ युक्त 15 वातानुकूलित कक्ष हैं। सामुदायिक आयोजन के लिए एक भव्य वातानुकूलित सभागार तथा दो रसोईघर उपलब्ध हैं। किसी भी सादगीपूर्ण आयोजन के लिए संपूर्ण भवन भी न्यूनतम शुल्क में उपलब्ध है, जिसके साथ निःशुल्क बर्तन उपलब्ध करवाए जाते हैं। संपूर्ण भवन सीसीटीवी कैमरों तथा लोहे के जाल द्वारा सुरक्षित है। स्वच्छ पर्यावरण के साथ आरओ के शुद्ध पानी की यहां सतत आपूर्ति है। पॉवर ब्रेक जैसी आकस्मिक स्थिति के लिए इन्वर्टर की व्यवस्था भी रहती है। विस्तृत जानकारी बेवसाइट पर भी उपलब्ध है।

आप भी बन सकते हैं सहयोगी

वर्तमान में सेवा सदन संस्था श्री महेश सेवा ट्रस्ट मथुरा द्वारा अध्यक्ष केजी माहेश्वरी, कोषाध्यक्ष जयकिशोर माहेश्वरी तथा महासचिव राजेंद्र माहेश्वरी के कुशल नेतृत्व में सफलतापूर्वक सेवा प्रदान कर रहा है। कोई भी समाजजन इस ट्रस्ट की वंशानुगत सदस्यता प्राप्त कर इसमें सहयोगी बन सकता है। इसके लिए दान राशि अनुसार इसकी 5 श्रेणियां हैं, अति विशिष्ट 1 लाख, विशिष्ट 51 हजार, सम्मानीय 31 हजार, सहयोगी 21 हजार तथा सामान्य सदस्य के लिए 11 हजार रुपए की दान राशि वर्तमान में तय है। भवन में कक्ष निर्माण हेतु अब कोई संभावना नहीं है। बस वहाँ की सुविधाओं जैसे टीवी, फोन आदि के लिए दान राशि प्रदान की जा सकती है। इस दान राशि पर आयकर की धारा 80 जी के अंतर्गत छूट प्राप्त नहीं की जा सकेगी। सहयोगकर्ता अपनी सहयोग राशि ट्रस्ट के पंजाब नेशनल बैंक खाता क्रमांक 4627000100019334 आईएफएससी कोड 0462700 में जमा करवा सकते हैं।

पर्यावरण संरक्षण के लिये सम्पूर्ण विश्व में प्रयास हो रहे हैं। हमारे देश में करोड़ों रुपया खर्च कर पौधारोपण परियोजनाऐं तैयार होती है विभिन्न संगठनों के पौधारोपण के समाचार भी अक्सर समाचार पत्रों में मिल ही जाते हैं। इन्हें पढ़कर तो ऐसा लगता है, जैसे पूरी पृथ्वी जंगल से पट जाऐगी। लेकिन कटू सत्य यह है कि दिनों-दिन हरियाली बढ़ने के स्थान पर और भी कम होती जा रही है। आखिर ऐसा क्यों? आखिर क्यों सफल नहीं हो पा रहे हैं पौधारोपण अभियान?

सुमिता मूंदड़ा
मत-सम्मत प्रभारी, मालेगांव

क्यों सफल नहीं हो पा रहे पौधारोपण अभियान

संपूर्ण योजना अभी भी नहीं

पर्यावरण संरक्षण के लिए भारत में ही नहीं अपितु संपूर्ण विश्व में प्रयास हो रहे हैं। हमारे देश में सरकार की तरफ से करोड़ों रुपए खर्चकर पौधारोपण परियोजनाएं तैयार तो होती हैं लेकिन परियोजना का 10 प्रतिशत भी फायदा नहीं मिल पाता। सरकार पौधारोपण पर करोड़ों रुपए का बजट बनाती है और पौधे बांटती भी है। पौधे बांटकर सोचती है अपनी जिम्मेदारी पूरी हो गई। वास्तव में सरकार को उनकी देखभाल भी करना चाहिए। सरकार की योजनाएं जनसहभागिता के बिना अधूरी हैं। सरकार को जनता को प्रोत्साहन देना चाहिए जैसे कि एक पौधा लगाया उस पौधे को बड़ा करने के लिए 4 या 5 साल तक प्रोत्साहन राशि दी जानी चाहिए। सरकार की तरफ से पानी सप्लाई की सुविधा होनी चाहिए, जैसी इजराइल में होता है। कोई भी परियोजना की शुरुआत पौधारोपण के साथ ही करनी चाहिए जिससे परियोजना की समाप्ति तक पौधे बड़े हो जाएं। राजमार्गों फैक्ट्रियों तथा प्रत्येक घर के बाहर एक पौधा अनिवार्य कर दिया जाए जिसकी देखरेख की जिम्मेदारी गृहस्वामी की हो। बच्चों को प्राथमिक कक्षाओं से ही पर्यावरण व पौधारोपण की शिक्षा देकर जागृति लाई जाए, जिससे पर्यावरण संरक्षण के प्रति दायित्व का बोध हो। हर खेत की बाउंड्री पर बड़े वृक्ष लगाए जाएं। प्रशासन द्वारा बिना सोचे समझे पेड़ नहीं काटे जाएं। पेड़ काटे बिना अगर कोई समाधान निकलता है, तो वह अपनाना चाहिए। बिना जनसहभागिता के मात्र प्रशासन द्वारा सकारात्मक सोच के बिना उद्देश्य प्राप्त नहीं किया जा सकता।

- अनिला अजमेरा, भीलवाड़ा

समझनी होगी जिम्मेदारी

हमारे जीवन की महती आवश्यकताएं हवा, पानी, शुद्ध वायु मंडल यह सब प्रकृति से प्राप्त होते हैं। इसमें भी हम स्वयं द्वारा पौधारोपण करके वर्षपर्यंत प्राप्त हुई खुशहाली का अंदाज लगा सकते हैं। एक पौधा लगाना परमात्मा के मंदिर के समान है और वृक्ष की सेवा करना माता-पिता की सेवा करने के समान है। ऐसा भाव रखते हुए वर्षाकाल से लेकर मौसम-मौसम में जो चलने वाले पौधे हैं उन्हें अपने घर के आस-पास बंद जगहों पर सुरक्षा को ध्यान रखते हुए लगाने चाहिए। हर एक किस्म के पौधे लगाने से छाया, वनस्पति और पशु पक्षियों के लिए भी दाना पानी समय पर मिल सकेंगे। इनमें अनेक फलदार पौधे भी लगाने हैं। वस्त्र नगरी भीलवाड़ा में पर्यावरण संवर्धन संस्थान 5 वर्षों से जन-जन में पौधारोपण स्वच्छता व जल संरक्षण के प्रति अलख जगाने में लगा हुआ है। हम सभी स्वप्रेरणा से यह कार्य करें। वायुमंडल को दूषित होने से बचाने का काम हमारा है। महापुरुष पैदा हो परंतु पड़ोसी के घर से हो, इस भावनाओं को बदलकर हमारे स्वयं के हाथों से क्या शुभ कार्य हो सकता है, यही सोचें।

- गोविंदप्रसाद सोडाणी
अध्यक्ष,
पर्यावरण संवर्धन संस्थान भीलवाड़ा

वृक्ष सत्पुरुष के समान हैं, यह समझाना जरूरी

"गच्छायामन्यस्य कुर्वन्ति तिष्ठन्ति स्वयमातपे" फलान्यपि परार्थभ्य वृक्षाः सत्पुरूषा इवं"

अर्थात् वृक्ष एक सत्पुरुष की तरह होता है, जो अन्यों के लिए छाया देता है। स्वयं धूप में खड़ा रहता है और फल भी दूसरों को देता है। ग्लोबल वार्मिंग के कारण जलवायु में परिवर्तन होता जा रहा है, जिसका दुष्प्रभाव सभी पर पड़ रहा है और सभी इसे झेल रहे हैं। ऐसे परिवार के सभी सदस्य एक-एक पौधे का रोपणकर इस संकट को रोक सकते हैं। अधिकतर नीम व पीपल के पौधे रोपे जाएं जो कि ग्लोबल वार्मिंग को देखते हुए पर्यावरण के लिए उत्तम हैं। पौधारोपण कार्यक्रम तभी सफल होगा, जब रोपे गए पौधों की उचित देखभाल और सुरक्षा का प्रबंध हो। महेश ब्रिगेड के 300 सदस्यों ने पिछले साल 300 पौधे रोपे और हर सदस्य ने पूरी जिम्मेदारी से एक पौधे की देखरेख पूरे साल की। अतः आज सभी पौधे जीवित हैं। सरकारी आंकड़ों में लक्ष्य पूरा हो जाता है लेकिन उचित देखभाल न होने से पौधारोपण कार्यक्रम सफल नहीं हो पाता है। पौधारोपण को वृक्षारोपण तक के कार्यक्रम में बदलना चाहिए।

- राजेंद्र मालू,
महेश ब्रिगेड, भीलवाड़ा (राज)

पौधारोपण बनाम अखबार की न्यूज

वर्तमान में चल रहे अधिकांश पौधारोपण अभियान अभी तक सफल इसलिए नजर नहीं आते हैं, क्योंकि ये केवल अखबारों की सुर्खियों के लिए आयोजित किए जा रहे हैं। हर संगठन अपनी तरफ से 5-10 पौधे लगा देता है। अखबार में खबर छप जाती है, फेसबुक-वाट्सअप पर फोटो डाल दिए जाते हैं, बस इतिश्री। जरूरत है एक संगठित प्रयास की, जहां सभी संगठन व समाज एक साथ मिलकर कुछ ऐसी जगह या जमीन शहर के पास इस काम के लिए आरक्षित करें। उसकी बाउंड्री कराकर ही उसमें सघन पौधारोपण करें। इससे न केवल लगाए गए पौधों की सुरक्षा सुनिश्चित होगी, अपितु आने वाले समय के लिए शहर में ऑक्सीजन का स्रोत भी बना रहेगा। जरूरत है कि शासन नवीन कॉलोनी में 5 प्रतिशत क्षेत्र केवल इसी काम के लिए आरक्षित करें एवं उतने ही प्रतिशत पट्टे इस काम के पूर्ण होने तक रोकें।

- ब्रिजकिशोर काबरा, भीलवाड़ा

संरक्षण की जिम्मेदारी तय हो

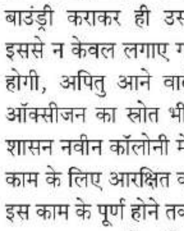

पेड़ों से होने वाले लाभ अनगिनत हैं। उनसे होने वाले इन्हीं लाभों के कारण मनुष्य ने इनकी तेजी से कटाई की है। औद्योगिक प्रगति व वनों के उन्मूलन इन दोनों के कारण पर्यावरण प्रदूषित हो गया है। वृक्ष पर्यावरण को प्रदूषण मुक्त रखने में सहायक होते हैं, जबकि मनुष्य अपने लाभ के लिए कारखानों की संख्या में वृद्धि करता रहा, किंतु उस वृद्धि के अनुपात में उसने पौधे लगाने की ओर ध्यान ही नहीं दिया। इसके विपरीत उसने जमकर उनकी कटाई अवश्य की। राज्य सरकार को इसके लिए कई नियम बनाने होंगे जैसे बिना सरकारी विभाग की अनुमति के कोई भी पेड़ की कटाई नहीं कर सके। केरला में हर पेड़ पर राज्य सरकार ने नंबर लगा रखा हैं तथा उसकी देखभाल की जिम्मेदारी पास के ही निवास करने वाले व्यक्ति को दे दी तथा उसके एवज में संदर्भित व्यक्ति को कुछ खर्च भी दे दिया जाता है ताकि उसका भी पेड़ की देखभाल में मन लगा रहे। इसी प्रकार हम भी लगे हुए पेड़ों की देखभाल अच्छे तरीके से कर सकते हैं।

-रेखा दरगड़, भीलवाड़ा

देखरेख का रहता है अभाव

प्रकृति, तापमान व पर्यावरण के संतुलन के लिए पेड़-पौधे बहुत जरूरी हैं। अभी कुछ वर्षों से पौधारोपण की मुहिम सरकारी, अर्द्धसरकारी, सामाजिक संस्थाओं द्वारा बहुत जोरों से चलाई जा रही है, लेकिन पौधारोपण के बाद उनको नियमित रूप से पानी देना व पशुओं से बचाकर रखना भी बहुत जरूरी है। अभी सभी संस्थाएं एक-दूसरे को देखकर भेड़चाल के समान सिर्फ लक्ष्य पूरा करने के लिये पौधे लगाते समय फोटो खिंचवाने व न्यूज बनाने के लिए एक तरफ पौधारोपण की मुहिम चालू रहती है व दूसरी तरफ पशु उसे खा लेते हैं। पौधारोपण करते समय ट्रीगार्ड भी लगाए जाते हैं, परंतु देखरेख के अभाव में लोग ट्रीगार्ड उखाड़कर ले जाते हैं। अभी दो वर्षों में सर्वे करने से पौधे लगाने के बाद उनका सरवाईवल रेट बहुत कम आया अर्थात या तो पानी के अभाव में पौधे सूख जाते हैं या उन्हें पशु खा जाते हैं। हमने कुछ स्कूलों में प्रयोग किया। स्कूल के प्रांगण में पौधे लगाये व देखभाल का जिम्मा छात्रों को ग्रुप बनाकर दे दिया। कहा कि हम छह महीने बाद आएंगे जिनका पौधा सबसे ज्यादा अच्छा लगेगा उस ग्रुप को पुरस्कृत किया जाएगा। हमने पाया कि परिणाम बहुत अच्छा रहा। अभी वास्तविक स्थिति यह है कि एक तरफ सरकारी नीतिनुसार सभी संस्थाएं नए-नए पौधारोपण कर रही है, लेकिन मुश्किल से 20-25 प्रतिशत सरवाइवल रेट भी नहीं है। दूसरी तरफ शहरीकरण, नयी बस्तियां बसाने, रोड चौड़ा करने आदि के कारण पुराने लगे पेड़ कटते जा रहे हैं। स्थिति यह है करीब 20-25 वर्ष पहले जो नागपुर शहर सबसे हरे-भरे शहरों में आता था आज वो सबसे ज्यादा प्रदूषित शहरों में आ रहा है। सफल पौधरोपण के लिए पूरी ईमानदारी से देखभाल करना जरूरी है।

- शरद बागड़ी,
नागपुर, पोर्टफोलियो कंसल्टेंट,
लेखक व समाजसेवक

सही अर्थों में नहीं जानते महत्व

"हमारी प्रकृति हमारी जान" पौधारोपण से इस तथ्य को वर्तमान में चहुँओर प्रदर्शित किया जा रहा है, फिर भी इस अभियान को वास्तविक सफलता नहीं प्राप्त हो रही है। इसका प्रमुख कारण हमारे दृष्टिकोण में पर्यावरण को अधिक महत्व नहीं देना है। प्रदूषण चाहे वो जल, वायु, ध्वनि या भूमि प्रदूषण हो। डिस्पोजल सामान तथा प्लास्टिक का बढ़ता प्रयोग आजकल स्टेटस सिंबल बना हुआ है। यही इस पौधारोपण अभियान की असफलता का प्रमुख कारण बना है। चारों ओर फैल रही गंदगी व उनको जलाने से निकलने वाली दूषित वायु, कल कारखानों और वाहनों से निकलने वाला धुआं न केवल हमारी सांसों को अपितु पेड़-पौधों की वृद्धि को भी प्रभावित करता है। फलस्वरूप पेड़-पौधे जो कि स्वयं सजीव हैं, सांस नहीं ले पाते और पनपते नहीं हैं। इस अभियान की पूर्णता के लिए मैं तो कहूंगा...

प्रकृति में बसी है सबकी जान,
हम सब मिलकर रखें प्रकृति का ध्यान
तभी बन पाएगा सफल पौधारोपण अभियान।।

- ममता लखाणी, नापासर, बीकानेर

वृक्ष प्राप्ति को बनाएं लक्ष्य

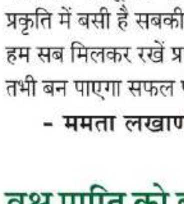

यह सच है कि हम पौधारोपण कार्यक्रमों के समाचार तो रोज सुनते हैं, लेकिन फिर भी यह अभियान सफल नहीं हो पा रहा है। इसका कारण यह है कि हम पौधारोपण तो कर सकते हैं लेकिन उनकी देखभाल नहीं कर पाते। अगर हम पौधारोपण के साथ यह संकल्प भी लें कि हर एक सदस्य एक पौधे की देखभाल करेंगे, हम उसे आगे बढ़ाएंगे, तो पौधारोपण को सफल बना सकते हैं। याद रखें हमारा लक्ष्य वृक्ष प्राप्त करना है और यह तभी पूर्ण हो सकता है, जब हम पौधे रोपें तथा इनकी देखभाल की पूर्ण जिम्मेदारी भी लें।

- हेमंत तुरकिया,
जिला प्रतिनिधि, तहसील युवा
संगठन मांडलगढ़, जिला-भीलवाड़ा

धार्मिक आस्था में हो रही कमी

बढ़ती जनसंख्या एवं भौतिक सुविधाएं पर्यावरण के लिए गंभीर खतरा हैं। सनातन धर्म के रीति-रिवाज व परंपराएं हमेशा से पर्यावरण के अनुकूल रही हैं। पेड़-पौधे, पर्वत, नदियों की पूजा करना उसी का प्रतिरूप है। इन सभी के मूल में पर्यावरण व प्रकृति का संरक्षण है, लेकिन समय पर परिस्थितियों के मद्देनजर अब विज्ञान की प्रगति एवं रसायनों ने प्रकृति के संतुलन को विकृत कर दिया है। पृथ्वी पर इंसान की दखलदांजी से पर्यावरण को क्षति हुई है। हिमालय की ऊंचाइयों से अंटार्कटिका की गहराइयों तक पर्यावरण को क्षति हुई है। इस कारण जलवायु परिवर्तन, असमय व अनिश्चित वर्षा, जंगलों का विनाश तथा जानवरों के अनुकूल पर्यावरण का नहीं होना जैस विपरीत प्रभाव धरती पर देखने को मिल रहे हैं। कई जीवों, पादपों की प्रजातियां लुप्त होने के कगार पर हैं। इसका एक प्रमुख कारण सामाजिक व धार्मिक अंकुश का समाप्त होना है। जैसा कि आपने भी अनुभव किया होगा। जहां-जहां भी मंदिर हैं, उन पहाड़ियों पर जंगल सुरक्षित नजर आते हैं। वहीं वर्तमान में वृक्षों की कमी हो रही है तो इसका, कारण हमारी धार्मिक आस्थाओं में कमी तो नहीं है। यदि जंगल सुरक्षित करने हैं, तो पहाड़ियों व मैदानों में सिर्फ फेंसिंग कर प्राकृतिक संपदाओं को पुनर्जीवित किया जा सकता है। प्रकृति में सभी वनस्पतियां के ब्रीज संरक्षित हैं लेकिन अनुकूल परिस्थितियों के अभाव में वनस्पति पुनर्जीवित नहीं हो पाती हैं। अतः क्षेत्रों को संरक्षित कर इंसान व जानवरों की दखलदांजी रोककर हम जंगलों को पुनर्जीवित कर सकते हैं। इसमें अधिक धन की आवश्यकता नहीं है।

- कौशलकुमार नेकचंद सोमानी
कृषि अधिकारी, देवली जिला टोंक

यह सुर्खियां बटोरने का अभियान बन गया

इस चकाचौंध के युग में यह अभियान सिर्फ सुर्खियां बटोरने का जरिया बन गया है। बस राजनेताओं, खिलाड़ियों व फिल्मी सितारों पर आम जनता इतना फिदा हो गई है कि अपना फर्ज व सारे सामाजिक सरोकार भुलाकर भेड़चाल से अपने को गौरवान्वित महसूस करने में मस्त हैं। ये नामचीन हस्तियां अपना स्वार्थ साधकर चली जाती हैं, उसके उपरान्त जनता भी इन पौधों की देखभाल नहीं करती। सारा समय व पैसा फालतू चला जाता है। नन्हें पौधे असमय कालकवलित हो जाते हैं व जनता हाथ मलती रह जाती है। मेरा सुझाव है कि पौधे कम मात्रा में लगाए जाएं पर सार-संभाल की उचित जिम्मेदारी भी योग्य व्यक्तियों को सौंपी जाए, जिससे अधिक से अधिक पौधे बड़े वृक्ष बन सकें व हमारी आने वाली पीढ़ियां खुश रह सकें। अन्त में मैं अपनी रचना 'पेड़ की महिमा' की चार पंक्तियों से सब को आगाह करना चाहूंगा

वृक्षारोपण महज दिखावा
तस्वीरों से झूठा दावा।
सेवा पर स्वास्थ्य का धावा
मानवता के साथ छलावा है।

- द्वारकाप्रसाद तापड़िया, जयपुर

सही तैयारी की कमी

क्यों सफल नहीं हो रहा है पौधारोपण अभियान इसका अध्ययन किया जाए तो इसके मूल में कई आधारभूत तथ्य सामने आएंगे, जिनके कारण पौधारोपण अभियान में 100 प्रतिशत सफलता नहीं मिलती। नर्सरी व अन्य स्थानों से प्राप्त पौधे रोग ग्रस्त होते हैं, जो पनप नहीं पाते। अक्सर पौधों का चयन उनके रोपण स्थान विशेष की भूमि व मिट्टी के अनुकूल नहीं है या नहीं यह चिंतन ही नहीं किया जाता है। रोपित पौधे के लिए कृषि विशेषज्ञ की राय के अनुरूप पानी की मात्रा का निर्धारण नहीं होता। जिस पर ध्यान दिया जाना चाहिए। पौधारोपण के बाद उसकी पशु-पक्षियों से सुरक्षा व्यवस्था नहीं हो पाती जिससे जड़े जमाने से पूर्व ही ये नष्ट हो जाते हैं। इस बात का ध्यान रखा जावे कि उसे पर्याप्त सूर्य का प्रकाश मिले। पौधारोपण कार्यक्रम अनुदान प्राप्त करने की भावना से आयोजन नहीं हों बल्कि वृक्ष सेवा में भी मानव सेवा का भाव हो। पौधों का पोषण अपने परिवार के बालक/वृद्धजन के समान हो तभी अभियान सफल हो पाएगा अन्यथा नहीं। अतः में यह कहना चाहूंगा कि किसी भी कार्य के अभियान की सफलता उसके नियोजन, क्रियान्वयन व मॉनीटरिंग पर निर्भर करती है। पौधे रोपित कर ही अपना दायित्व पूर्ण नहीं समझें बल्कि जब तक वृक्ष के रूप में विकसित नहीं हो उससे अपने संबंध तोड़े नहीं।

- रामप्रसाद गग्गड़, बूंदी

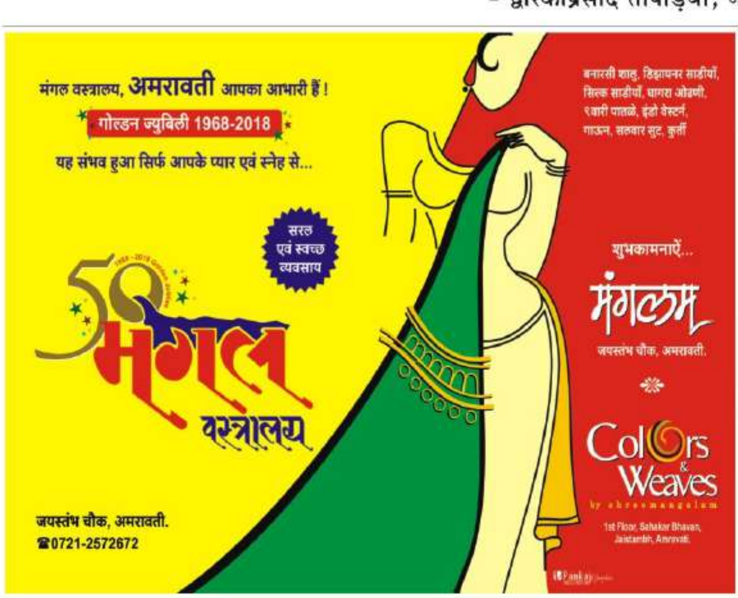

जन्मदिवस पर चढ़ रहे, जीवन सीढ़ी एक। एक पेड़ हम रोप लें, यही काम है नेक॥

किन्नर, नाग, राक्षस, देवता, गन्धर्व, मनुष्य और ऋषियों के समुदाय-ये सभी वृक्षों का आश्रय लेते हैं।

- महाभारत, अनु. पर्व, 58/29

जन्मदिवस रोपें सभी, पेड़ अगर हर बार। हरियाली सब ओर हो, व्यापे हर्ष अपार॥

खुश रहें... खुश रखें...

ईश्वर के नियम को समझने के लिए आध्यात्मिक समझ जरूरी है

पं. विजयशंकर मेहता
(जीवन प्रबन्धन गुरु)

संसार में रहते हुए हम लोग राष्ट्र, समाज तथा परिवार की व्यवस्था बनाते हैं और फिर स्वयं इस सिस्टम को तोड़ते भी हैं। इसी जोड़-तोड़ में जिंदगी बीत जाती है। जब अपने ही बनाएं संसार से परेशान हो जाते हैं तो भक्ति के मार्ग में उतार जाते हैं और भक्ति के इस संसार में हम अपनी इच्छा के अनुसार भगवान से मांग शुरू कर देते हैं। इस प्रकार हम ईश्वर की व्यवस्था में अपनी व्यवस्था का अतिक्रमण करते हैं। परमात्मा के साफ-सुथरे, हरे-भरे कृपा के क्षेत्र में हम अपनी निजी हित की मांगों की झुग्गी-झोपड़ी, ठेले, गुमठी, भवन अट्टालिकाओं के अतिक्रमण को बीच में ले आते हैं।

भगवान के विधान को लेकर हम कुछ भ्रम पाल लेते हैं। भगवान जितना नियंता है, उतना ही नियमबद्ध भी है। पृथ्वी का एक नियम है कि इसमें गुरुत्वाकर्षण शक्ति होती है। जब कोई वस्तु ऊपर से नीचे गिरती है, तब पृथ्वी उसे खींचती है और इसी कारण से वह वस्तु पृथ्वी पर गिर जाती है।

यह एक सामान्य सा नियम है, लेकिन हम अगर चल रहे हों तथा हमारी ही भूल से यदि ठोकर लग जाए और हम गिर जाएँ तो यहां हम यह नहीं कह सकते कि यह तो पृथ्वी के गुरुत्वाकर्षण का नियम है, इसलिए गिर गए। हम अपनी ही भूल से गिरे हैं, पृथ्वी का नियम अपनी जगह है।

इस प्रकार भगवान ने सारी व्यवस्था कर रखी है। उन्होंने अपने कुछ नियम बना रखें हैं परंतु धर्म तथा संस्कृति की जो आचार संहिता है, उसका पालन हमें करना होगा। परमात्मा के नियम अपनी जगह हैं, उनको समझने के लिए एक आध्यात्मिक समझ होना जरुरी है। इसी समझ को कहीं-कहीं समाधि भी कहा गया। ऊहापोह और भ्रम के विचारों का वेग जब शांत हो जाए तब समझ या समाधि घटती है।

परमात्मा की व्यवस्था में जब जीने लगो तो समझ है और उसके अंग ही बन जाओ तो समाधि है। निर्विरोध और निर्विकल्प होकर ही ईश्वर के नियम का पालन किया जा सकता है। यह सीख परिवार प्रबंध में भी महत्वपूर्ण है।

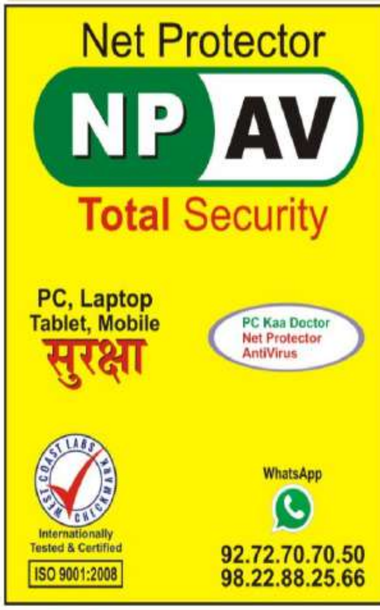

खाना—खजाना

ड्राय फ्रूट लड्डू

सामग्री :- छोटे हरे पिस्ते 2 बड़े चम्मच, काजू 12, खजूर बीज रहित 4, अंजीर सूखा 4, बादाम 1/2 कप, मगज़ के बीज 1/3 कप, अलसी के बीज 1 चम्मच, नारियल का चूरा 1/4 कप, खसखस/पोस्तो दाना 1 बड़ा चम्मच, आधा चम्मच घी हाथ चुपड़ने के लिए, चीनी स्वादानुसार (ज़रूरत नहीं पड़ेगी)

ड्राय फ्रूट लड्डू बनाने की विधि :-

एक नॉन स्टिक पैन में बादाम, मगज़ के बीज और अलसी के बीज, सुगंधित होने तक सूखा अलग अलग भून लें।

फिर आंच से हटाकर अलग रख दें।

एक मिक्सर में बादाम और काजू को दरदरा पीस लें।

फिर मिक्सर में खजूर, अंजीर और भूने हुये बीज़ों को दरदरा पीस लें और एक बाउल में डालें।

अब नॉन स्टिक पैन में खसखस और दूसरे पैन में नारियल के चूरे को सुगंधित होने तक सूखा भून लें और मिश्रण में मिला दें

फिर अपने हाथों पर थोड़ा घी मलें और पिसे हुये मिश्रण से लड्डूओं का आकार बनाए। तुरंत परोसें।

इन लड्डूओं को किसी एयर टाइट जार में भर कर भी रख सकते हैं और जब मन करे तब खाएं और खिलाएं।

मेरी टिपः-

लड्डूओं को किसी एयर टाइट जार में भर कर रख भी सकते हैं और नाश्ते में दूध के साथ खाएं और खिलाएं।

▸▸ पुनम राठी, नागपुर
9970057423

आपणी बोली

- स्वाति जैसलमेरिया, जोधपुर

भारत री शान
अटल जी महान

खम्मा घणी सा हुक्म आपाने ना चाहते हुए भी या बात स्वीकार करणी पड़े कि मृत्यु अटल है ,जो भी संसार मे आवे उन्हें आपरी यात्रा पूरी करने वापस आपरे धाम में जाणो पड़े। देश रा महान राष्ट्रपुत ,पूर्व प्रधानमंत्री, जनप्रिय, जननेता, प्रखर कवि अटल बिहारी वाजपेयी रे निधन पर पुरो देश ही नही भारत भर रे कई राज्य में बादल बारिश सुं अश्रु बहा ने श्रद्धाजंलि दी । वे अटल ,अजातशत्रु ,राजनीति रो वैभव, राजनीति री काली कोठरी में बेदाग चेहरो, सत्य ने सदा सत्य केवण वाला, आपरे विचारो पर अटल रेवण वाला, कविहृदय , भारतरत्न गणनायक रे वास्ते शब्द भी निःशब्द हुग्या है। अटल जी रा शब्द- 'मै जी भर जीया, मैं मन से मरूं,लौटकर आऊंगा, कूच से क्यों डरु'

जीवन भर आपरे असूल पर चालण वाला अटलजी तीन बार देश रा प्रधानमंत्री बणया, बावजूद उनमें 'मैं' यानी नाममात्र रो अहंकार नहीं थो। पंडित जवारलाल नेहरू जण संसद में पेली बार अटलजी ने बोलते सुणियों जण ही भविष्यवाणी करली थी कि यों युवक एक दिन राजनीति में लंबो सफर तय करेला ।

अटल जी जण मंच पर बोलता लोग हज़ारों मील दूर सुं सुणने आवता क्योंकि जण वाहनों री सुविधा नहीं थी। एक एक शब्द नाप-तौल, और शब्दों रे बीच में कितों अंतराल राखणो इन बात रो अटलजी ने बखूबी ज्ञान थो। वे कोई एक्टर नहीं बल्कि भारत देश री आम जनता रा स्वाभाविक नेता था।

एक समारोह में पूर्व प्रधानमंत्री नरसिंह राव अटल जी ने आपरों गुरु बतायों। जणे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुजरात रा मुख्यमंत्री था गुजरात में भयंकर दंगा हुया अटलजी मोदी जी ने राजधर्म निभावण री नसीहत देने दंगो सुं निजात दिलाई

हुक्म अटल बिहारी वाजपेयी जेड़ो नेता शायद ही इण देश ने मिळेला क्योंकि आज राजनीति एक एड़ी अंधी गुफा में घुसती जा रही है जठे नफरत, द्वेष, प्रतिशोध रे अलावा कुछ नहीं है। हुक्म अबार समय मे दुश्मनों ने तो छोड़ो दोस्तों ने भी साथे राखणो मुश्किल है क्योंकि सता री भूख में आपसी मित्रता खत्म कर दी, आपस मे सामाजिक समरसता नष्ट हूँ गयी। धर्म ने खूनी रंग बणानें सर पर धारण कर रियाँ है ... सत्ता रे वास्ते कोई भी हथकंडों अपणाने आगे आवण में सत्ताधारी नहीं हिचकचावे अटल बिहारी वाजपेयी रो व्यक्तित्व ने, विचारों ने, चरित्र ने देख ने आपा भारतीय वासी मन मे यों संकल्प लेवा कि-

अटलजी आपके विचारों को धरती पर उतार देंगे ,

हम सब मिलकर प्रेम से एकता का जाल बिछा देंगे ।।

याँ ही संकल्प अटलजी रे नाम श्रद्धाजंलि रो पुष्प रे रूप में वाणें चरणों मे भेंट हुवैला...

मुलाहिज़ा फरमाइये

उड़ान वालो उड़ानों पे वक्त भारी है
परों की अब के नहीं हौसलों की बारी है

मैं क़तरा हो के तूफ़ानों से जंग लड़ता हूँ
मुझे बचाना समंदर की जिम्मेदारी है

कोई बताये ये उसके गुरूर-ए-बेजा को
वो जंग हमने लड़ी ही नहीं जो हारी है

दुआ करो कि सलामत रहे मेरी हिम्मत
ये एक चराग़ कई आँधियों पे भारी है

दूसरों की सुनोंगे तो मुझे बुरा ही पाओगे,
अगर खुद मुझसे मिलोगे तो वादा रहा,
मुस्कराकर ही जाओगे।

मसरूफ़ है यहाँ लोग, दूसरों की कहानियाँ जानने में,
इतनी शिद्दत से ख़ुद को अगर पढ़ते, तो ख़ुदा हो जाते

बेचैनियाँ बाजारों में नहीं मिला करती, मेरे दोस्त....!
इन्हें बाँटने वाला, कोई बहुत नजदीक का होता हैं..!!

ना जाने कौन मेरे हक में दुआ पढ़ता है,
दुःख की आँधी आती है और हंस के गुजर जाती है..!

▶▶ *ज्योत्सना कोठारी, मेरठ*

संकेत सितारों के

पं. विनोद रावल
(ज्योतिर्विद्)
फोन : 0734-2515326

मेष

यह माह आपको मान-सम्मान प्रतिष्ठा और परिश्रम देने वाला होगा। परिवार में मधुर संबंध रहेंगे। धार्मिक कार्यों में रुचि रहेगी। भूमि-भवन से लाभ प्राप्त होगा। संतान के कार्यों से परेशानी आएगी। जीवन साथी से मधुर संबंध बनेंगे नए मित्र बनेंगे। विपरीत योनी की ओर रुझान बढ़ेगा। यात्रा के सुअवसर प्राप्त होंगे। नौकरी में अपने लक्ष्य की प्राप्ति होगी। वाहन से सावधानी बरतें। धन की प्राप्ति के साथ शुभ समाचार प्राप्त होगा।

वृषभ

इस माह आपको लंबी यात्रा के योग रहेंगे। परिवार में सुख शांति रहेगी और घर-परिवार के कार्य होंगे। धार्मिक कार्य करेंगे। राजकीय एवं न्यायालयीन कार्य पूरे होंगे। विद्यार्थी वर्ग को सफलता मिलेगी। सामाजिक पद-प्रतिष्ठा प्राप्त होगी। बच्चों के विवाह संबंध होंगे। रुके कार्य पूर्ण होंगे। नए लोगों की जान-पहचान से लाभ होगा। खर्च की अधिकता बनी रहेगी। व्यापार से लाभ होगा। विरोधियों से सावधानी रखें।

मिथुन

यह माह आपके लिए नवीन वस्तुएं खरीदवाएगा। मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। ज्ञानवर्धक साहित्य की ओर रुझान बना रहेगा। मेहमानों का आगमन बना रहेगा। जीवन साथी से मतभेद एवं वैचारिक मतांतर बने रहेंगे। प्रेम-प्रसंग की ओर रुझान रहेगा। बच्चों के कार्य से लाभ मिलेगा। बच्चों के साथ घूमन-फिरने का प्रोग्राम बनेगा। नौकरी में बॉस से पूरा सहयोग मिलेगा। प्रतिस्पर्धियों को पराजित करेंगे। आपको अपने काम की पहचान मिलेगी। वाहन से सावधानी रखें। व्यापार में विज्ञापन के द्वारा आगे बढ़ेंगे।

कर्क

इस माह आप नए कार्य करेंगे। सरकारी कार्यों में सफलता मिलेगी। मान-सम्मान मिलेगा, प्रेम-प्रसंगों में सफलता एवं विरोधी परास्त होंगे। पारिवारिक सुख-शांति प्राप्त होगी। लंबी यात्रा के योग रहेंगे। मित्र से सहयोग मिलेगा। मनोरंजन मौज-मस्ती साज-सज्जा पर खर्च करेंगे। कॅरियर संबंधी रुकावट दूर होगी। शुभ समाचार प्राप्त होगा। राजकीय कार्यों में सफलता मिलेगी। अपनों से विश्वासघात मिल सकता है, ध्यान रखें। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी।

सिंह

यह माह आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा। नौकरी में प्रमोशन के योग उच्चाधिकारी प्रसन्न होंगे। बड़ों का आशीर्वाद प्राप्त होगा। विरोधी परास्त होंगे। प्रतियोगी परीक्षा में सफलता विद्यार्थी वर्ग कॅरियर के प्रति सजग रहेंगे। राजकीय सम्मान मिलने के योग व मित्र सहायक रहेंगे। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। संतान के कार्यों की चिंता बनी रहेगी। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। पीठ दर्द, गर्दन की समस्या बनी रहेगी। नए सदस्य का आगमन परिवार में होगा।

कन्या

इस माह में विद्यार्थी वर्ग को प्रतियोगी परीक्षा में सफलता मिलेगी। आत्म-विश्वास में वृद्धि होगी। वरिष्ठ व्यक्ति की सलाह लेंगे। कला के क्षेत्र में सफलता मिलेगी। जीवन साथी के साथ वैचारिक मतान्तर बने रहेंगे। संतान के विवाह संबंध होंगे। संतान के कार्यों में खुशियां मिलेंगी। मांगलिक कार्यों की रूपरेखा बनेगी। व्यापार एवं रोजगार के नए अवसर मिलेंगे। स्वास्थ्य नरम-गरम रहेगा। अपने काम के प्रति ईमानदारी रखें।

तुला

यह माह आपके लिए मध्यम फलदायक रहेगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। राजकीय कार्य में सफलता मिलेगी। अविवाहिता को विवाह प्रस्ताव आएंगे। परिवारजनों को समय दें। मित्रों का सहयोग मिलेगा। नवीन वस्तु खरीदने के योग बनेंगे। उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। नए लोगों से परिचय होगा। धार्मिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। रुका हुआ धन प्राप्त होगा। स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान रखें। विरोध परास्त होंगे।

वृश्चिक

इस माह आपके रुके काम पूरे होंगे। ज्ञान में वृद्धि होगी। प्रेम-प्रसंगों में सफलता मिलेगी। जमीन के कार्यों में भी सफलता। विद्यार्थी वर्ग को पढ़ाई से परेशानी बनी रहेगी। समाज के प्रतिष्ठित लोगों से संपर्क बढ़ेगा। यात्रा के सुअवसर मिलेंगे। परिवारजनों से स्नेह भाव बनेंगे। खर्च की अधिकता बनी रहेगी। पूंजी निवेश सोच-समझकर करें। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी।

धनु

यह माह सामान्य रहेगा। जीवन साथी से मधुर संबंध रहेंगे। व्यवसाय या नौकरी में परिवर्तन होगा। जमीन-जायदाद की खरीदी करेंगे। योग-ध्यान आदि पर ध्यान देंगे। राजनीति में रुचि बढ़ेगी। आत्मविश्वास के सहारे अपने लक्ष्य की प्राप्ति करेंगे। आपके कार्य की तारीफ होगी मानसिक शांति का अनुभव करेंगे। विरोधी से सतर्क रहें। सिर दर्द परेशानी बनी रहेगी। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। ज्ञानवर्द्धक किताबें पढ़ने का शौक रहेगा। स्वास्थ्य पर भी ध्यान दें।

मकर

इस माह आपके राजकीय कार्य पूर्ण होंगे। साझेदारी में लाभ तथा सामाजिक एवं धार्मिक कार्यों में व्यस्त रहेंगे। जीवन साथी से मधुर संबंध बनेंगे, प्रेम प्रसंग की ओर रुझान बढ़ेगा। परिवार में सुख-समृद्धि बढ़ेगी। संपत्ति योग श्रेष्ठ है। वाणी एवं क्रोध पर नियंत्रण रखें। बाग-बगीचे में रुचि बनी रहेगी। संतान की ओर से सफलता मिलेगी। कला, सिनेमा, प्रौद्योगिकी संचार में रुझान बढ़ेगा।

कुम्भ

इस माह आय में वृद्धि होगी। अधिकारियों से सहयोग सामाजिक क्षेत्र में व्यस्तता बनी रहेगी। राजकीय पुरस्कार सम्मान मिलेगा। ज्ञानवर्द्धक साहित्य पढ़ने में रुचि व ईश्वर से आस्था बढ़ेगी। जीवन साथी से स्नेह मिलेगा। रोमांस के कारण कॅरियर पर ध्यान नहीं देंगे। विद्यार्थियों का मन पढ़ाई में नहीं रहेगा। लापरवाही आपके लिए हानिकारक रहेगी। परिश्रम से आय के स्रोतों में वृद्धि होगी। संतान संबंधी चिंता दूर होगी।

मीन

यह माह आपके लिए लाभदायक रहेगा। विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षा में सफलता मिलेगी। धन की प्राप्ति व घर पर नए मेहमानों का आगमन होगा। ऐशो आराम की लाइफ पसंद करेंगे। पिता से वैचारिक मतांतर रहेंगे। अविवाहितों के विवाह प्रस्ताव आएंगे। नया कार्य शुरू करने से लाभ मिलेगा। क्रोध न करें। शुभ समाचार मिलेगा। धार्मिक यात्रा के सुअवसर प्राप्त होंगे। खर्च की अधिकता रहेगी।

श्री चंपालाल राठी

अंबाला. मेरठ निवासी समाजसेविका ज्योत्सना कोठारी के पिता श्री चंपालाल राठी निवासी अंबाला का निधन गत 6 जुलाई को हो गया। आप अपने पीछे पत्नी प्रेमलता, पुत्र केजी राठी (वकील) व पोती आदि का भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं।

श्री मदनलाल पटवारी

भीलवाड़ा. शास्त्रीनगर निवासी अशोक कुमार, शिवप्रकाश, दिनेशकुमार व अनिलकुमार के पिता श्री मदनलाल पटवारी का स्वर्गवास गत 31 जुलाई को 78 वर्ष की अवस्था में हो गया। श्री पटवारी संयुक्त परिवार के समर्थक थे। उन्होंने अपने सभी पुत्रों, पुत्री व पौत्री के विवाह संयुक्त परिवार में ही किये।

श्री कैलाश काबरा

भीलवाड़ा. शाहपुरा निवासी हितांशु कुमार के पिता व पूर्व जिला महामंत्री भाजपा श्री कैलाश काबरा का आकस्मिक स्वर्गवास गत 25 जुलाई को हो गया। श्री काबरा प्रखर एवं लोकप्रिय राजनीतिज्ञ व समाजसेवी थे।

श्रीमती गौरादेवी बाहेती

हापुड़. जिला माहेश्वरी सभा अध्यक्ष दिनेशकुमार माहेश्वरी (बाहेती) की माता श्रीमती गौरादेवी का निधन गत 19 जुलाई को हो गया। आप अपने पीछे भरापूरा शोकाकुल परिवार छोड़ गई हैं।

श्री लादूराम काबरा

भीलवाड़ा. समाज सदस्य विनयकुमार, ललितकुमार, तरुण एवं अमितकुमार के पिता श्री लादूराम काबरा का स्वर्गवास गत 1 अगस्त को हो गया। श्री काबरा कुछ समय से अस्वस्थ थे।

श्रीमती शांतिदेवी गांधी

ग्वालियर. माहेश्वरी मित्र मंडल के मार्गदर्शक मंडल के सदस्य एवं नगर सभा ग्वालियर के अध्यक्ष योगेश गांधी की माताजी श्रीमती शांतिदेवी गांधी का स्वर्गवास गत 20 अगस्त को हो गया। आप अपने पीछे चार पुत्रों सहित पौत्रों आदि से भरापूरा परिवार छोड़ गई हैं।

श्री संजय समदानी

गंगापुर. स्वर्गीय श्री शुभकरण समदानी के सुपुत्र व पवन कुमार के अनुज श्री संजय समदानी का असामयिक स्वर्गवास गत 7 अगस्त को हो गया। श्री समदानी अपने पीछे दो पुत्र काव्य व पार्थ सहित शोकाकुल परिवार छोड़ गए हैं।

श्री श्रवणकुमार लड्ढा

भीलवाड़ा. भगवानलाल, शांतिलाल, लक्ष्मीलाल, मनीषकुमार के भ्राता तथा आशीषकुमार, अरुण कुमार के पिता श्री श्रवणकुमार लड्ढा सुपुत्र श्री रामेश्वरलाल लड्ढा का असामयिक निधन गत 24 जुलाई को हो गया। श्री लड्ढा कुछ समय से अस्वस्थ थे।

श्रीमती सूरजदेवी झंवर

ब्यावर. स्व. श्री अरमचंद झंवर एवं हरविलास, सूर्यप्रकाश, अशोककुमार झंवर की माता श्रीमती सूरजदेवी झंवर का गत 18 अगस्त को निधन हो गया। आप अपने पीछे भरापूरा परिवार छोड़ गई हैं।

जगह-जगह वृक्षारोपण कर तस्वीरें खींचते अनेक।
एकबारगी उस डाली को वापिस मुड़ के तो देख।
मात्र रोपित करके इक डाली हम होते बड़े गर्वित।
दो दिन में नष्ट हो जाता किया था जिसे आरोपित।
बस लोक-दिखावे हेतु ना करो हरियाली से प्यार।
बच्चे जैसी परवरिश करके पूर्ण वृक्ष करो तैयार।
चाहे एक ही पेड़ लगाना पर सच्चे दिल से भाई।
सच्चा सुकून मिलेगा गर जिम्मेदारी पूरी निभाई।

- सौ. सुमिता मूंधड़ा मालेगांव, नाशिक

राहुल जाजू

अकोला (महाराष्ट्र)। अखिल भारतीय जाजू परिवार के सक्रिय सदस्य अकोला (महाराष्ट्र) निवासी चंद्रप्रकाश जाजू के सुपुत्र राहुल जाजू का अमेरिका में रोड एक्सीडेंट में दुःखद निधन हो गया। राहुल अकोला निवासी प्रवीण प्रमोद हेड़ा के भांजे थे। वे अपने पीछे 8 माह का पुत्र छोड़ गए हैं।

जन्मदिवस पर आरती, और करें हम गान। रोपेंगे हम पेड़ तो, होगा जन-कल्याण।।

जो वीरान एवं दुर्गम स्थानों पर वृक्ष लगाते हैं, वे अपनी पिछली व आने वाली पीढ़ियों को तार देते हैं।

– शिवपुराण, उमा संहिता, 11/7

जन्मदिवस का सार है, पेड़ रोपना यार। हरा-भरा अच्छा लगे, आँखों को संसार।।

चलो जोधपुर चलो जोधपुर

अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के लोकप्रिय सभापतिजी **श्री श्यामजी सोनी** के नेतृत्व में
अंतर्राष्ट्रीय माहेश्वरी महाअधिवेशन दिनांक 5-6 जनवरी 2019 एवं
ग्लोबल कन्वर्शन मेगा फेयर दिनांक 4-7 जनवरी 2019 का आयोजन जोधपुर में होने जा रहा है
आप सभी से निवेदन है कि अधिक से अधिक संख्या में इस माहेश्वरी महाकुंभ में सहभागी बने

निवेदक - **पश्चिमी मध्य प्रदेश प्रादेशिक माहेश्वरी सभा**

राजेन्द्र ईनाणी (अध्यक्ष), पुष्प माहेश्वरी (मानद मंत्री), प्रकाश बाहेती, रामअवतार जाजू, भरत सारड़ा (अ.भा. माहेश्वरी महासभा, कार्यसमिति सदस्यगण), रामचंद्र तोतला (कोषाध्यक्ष), अनिल मंत्री (संगठन मंत्री), रामप्रसाद गगरानी (विशेष संयुक्त मंत्री)

महेश तोतला 98260-13164, मुकेश असावा 98260-31111 — महाअधिवेशन प्रदेश सभा संयोजक

नरेन्द्र धीरन, सुनील गगरानी, रामरतन लड्डा, कमलकिशोर लड्डा — संभागीय उपाध्यक्ष

डॉ. राजेन्द्र पलोड़, मांगीलाल अजमेरा, बालकृष्ण माहेश्वरी, चन्द्रप्रकाश लड्डा — संभागीय संयुक्त मंत्री

महाअधिवेशन प्रदेश सभा सह संयोजक

सौ. ललिता मालपानी	94066-79580	इन्दौर
सौ. वीणा सोमानी	92292-93081	इन्दौर
राम मूंदड़ा	94250-53333	इन्दौर
पंकज काबरा	93021-00413	इन्दौर
सतीश बजाज	89896-48531	नागदा
जुगल राठी	99777-60789	कम्पेल
श्याम भांगड़िया	99260-53984	सागोर
गोविन्द माहेश्वरी	88897-66697	आलीराजपुर
अभिषेक लाठी	99260-55512	देवास

सात पीढ़ियों को जीवित रखेगा

एक पौधा

वर्तमान समय प्रदूषणयुक्त हो गया है, लेकिन आप इतने कमजोर क्यों हैं कि प्रदूषण संपूर्ण समाज पर हावी हो? केवल आप आज से ही स्वयं ही इस महाप्रलय प्रदूषण को नष्ट करने में सक्रिय हो जाएं। कोई बड़ी बात नहीं है कि प्रदूषण कम हो या नष्ट हो निश्चित रूप से आपका दृढ़संकल्प प्रदूषण तो क्या उसकी जड़ को नष्ट कर सकता है। केवल आप को एक दृढ़ संकल्प लेना है कि मैं और हम सब हमारी आने वाली पीढ़ी के लिए प्रदूषण को नष्ट करने के प्रयास करेंगे ओर शुद्ध पर्यावरण को बढ़ाने हेतु प्रतिवर्ष **एक सुरक्षित पौधा अवश्य लगाएंगे व लगवाएंगे।** हमें परम पिता परमात्मा ने सर्वश्रेष्ठ मानव जीवन दिया है। परमात्मा और कहीं नहीं प्रकृति में ही है। अतः हम प्रकृति को संजाऐ, संवारें और परमात्मा के प्रति अपना मानव जीवन दायित्व निभाएं। पुनः मैं आपसे प्रार्थना करता हूं, अनुरोध करता हूं कि आज से ही नहीं अभी से पर्यावरण हेतु श्रेष्ठ योजना बनाकर अपने साथियों के साथ पौधारोपण प्रारंभ करें। साथ ही प्रार्थना है कि जिन्हें भी पौधे चाहिए निःशुल्क हमारे यहां उपलब्ध हैं।

- श्याम माहेश्वरी

86, गोवर्धनधाम नगर, उज्जैन, मो. 94071-40020

GANNON DUNKERLEY & CO., LTD.

(An ISO 9001-2000 Company)

Registered Office :
New Excelsior Building, 3rd Floor,
A.K.Nayar Marg, Fort, Mumbai - 400 001
Tel : 91-22-22051231, Fax : 91-22-22051232
email : gdho1@mtnl.net.in website : www.gannondunkerkey.com

Specialization :
Gannons are specialists in industrial structures, rods, bridges (RCC and Presterssed Concerete), railway tracks, thermal power, fertilizer, chemical, paper and cement plants, water & waste water treatment plants pilling, foundation & foundation engineering.
Gannons are also pioneers in material handeling works, manufacture of prestressed concrete sleepers, erection of mechanical equipment & piping and supply of textile machinery and light engineering items

Offices at : Ahmadabad - Chennai - Coimbatore - Hyderabad - Kilkata - Mumbai - New Delhi

PORT
DIGHI

Dighi Port Limited

Gateway to Western India

New Excelsior Building, 6th Floor, A.K. Nayar Marg, Fort, Mumbai - 400 001
Tel : 91-22-22074824/24, Fax : 91-22-22072124/22019760
email : info@balaji.co.in website : www.balaji.co.in

RNI-MPHIN/2005/14721
Po.-Malwa Division/244/2017-2019
Despatch Date - 02 September 2018

If Undelivered Please Return To
SRI MAHESHWARI TIMES
90, Vidya Nagar (Behind Tedi Khajur Dargah)
Sanwer Road, UJJAIN (M.P.) - 456010
Ph. : 0734-2526561, 2526761 , Mo. : 94250-91161
E-mail : smt4news@gmail.com

https://www.facebook.com/Srimaheshwaritimesmagazine
http://srimaheshwaritimes.blogspot.in